राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 262 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,21 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

सोनू सूद को स्पाइसजेट ने दिया सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद लॉकडाउन के समय से ही जरूरतमंद लोगों की लगातार मदद कर रहे हैं। इंडियन एयरलाइन स्पाइसजेट ने स्पेशल तरीके से सोनू का आभार जताया है। स्पाइसजेट ने सोनू सूद को सम्मानित करने के लिए अपने बोइंग 737 पर एक्टर की तस्वीर लगाई है और खास मैसेज भी लिखा है। स्पाइसडेट के ऐसा करने पर सोनू सूद भावुक नजर आए।

81 दवाओं का मूल्य किया निर्धारित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने पेटेंट रहित मधुमेह रोधी दवाओं सहित 81 दवाओं का मूल्य निर्धारित कर दिया है। एनपीपीए ने वॉकहार्ट की इंसुलिन ह्यूमन इंजेक्शन 200 आईयू/एमएल' का खुदरा मूल्य 106.65 रुपए प्रति एमएल (जीएसटी छोड़कर) और मेसर्स टॉरंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड की 'प्रासुग्रेल हाइड्रोक्लोराइड 10 एमजी (फिल्म कोटेड) प्लस एस्पिरिन 75 एमजी (एंट्रिक कोटेड) कैप्सूल' की कीमत 20.16 रुपये प्रति कैप्सूल (जीएसटी छोड़कर) तय कर दी है । और 70 प्रतिशत आइसोफेन इंसुलिन ह्यूमन सस्पेंशन प्लस 30 प्रतिशत इंसुलिन है।

छह किलो सोना लूट में तीन गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (एजेंसी)। राजस्थान के हनुमानगढ़ टाउन में मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड की शाखा में छह किलो से अधिक सोना और एक लाख से अधिक नगदी लूट वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने इस शाखा के सहायक प्रमुख और एक वैल्यूलर सहित तीन युवकों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक प्रीति जैन ने बताया कि लूट की यह वारदात सहायक प्रमुख प्रबंधक संजयसिंह शेखावत (26) और इस शाखा में गिरवी रखे जाने वाले आभूषणों का वैल्यूएशन करने वाले स्वर्णकार मदनलाल सोनी ने फर्जीवाड़े को छुपाने के लिए एक गैंग से करवाई थी।

ट्रांसजेंडर कैदी जेल में बनेगा रेडियो जॉकी

हिसार, (एजेंसी)। देश में पहली बार कोई ट्रांसजेंडर कैदी जेल में रेडियो जॉकी बनेगा और इसकी शुरूआत हरियाणा में हिसार केंद्रीय जेल से होगी। हरियाणा में तिनका-तिनका अभियान के तहत जेलों में रेडियो स्टेशन शुरू हो रहे हैं और इसी में यह ट्रांसजेंडर कैदी जॉकी बनेगा। इस अभियान के तहत अब राज्य की रोहतक, गुरुग्राम, हिसार और करनाल जेल में रेडियो की शुरुआत होने जा रही है जहां कैदी ही जॉकी की भूमिका में रहेंगे। फरीदाबाद, पानीपत और अंबाला जेल में पहले से ही जेल रेडियो शुरू हो चुके हैं। देश की जेलों के लिए समर्पित तिनका तिनका अभियान की संस्थापक डॉ. वर्तिका नंदा हैं।

आदित्य ठाकरे हुए कोरोना पॉजिटिव

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने ट्विटर खुद इस बात की जानकारी दी। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि जो लोग भी उनके संपर्क में आए हैं, वो अपना कोरोना टेस्ट करवा लें। आदित्य ठाकरे ने संक्रमित होने की जानकारी देते हुए ट्वीट किया कि कोरोना वायरस के हल्के लक्षण दिखने पर मैंने टेस्ट करवाया और मेरा टेस्ट पॉजिटिव आया है। मेरे संपर्क में आने वाले सभी लोगों से मैं टेस्ट कराने का आग्रह करता हूं। कि मैं सभी से अपील करता हूं कि इस बात को महसूस करें कि ये बेहद जरूरी है कि अपनी सुरक्षा को नजरअंदाज़ न करें।

अमिताभ बच्चन को मिला एफआईएएफ अवॉर्ड

मुंबई, (एजेंसी)। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर भारत की शान को दुनियाभर में फैलाया है। फिल्म धरोहर के संरक्षण के क्षेत्र में उन्हें इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ फिल्म आर्काइव (एफआईएएफ) का अवॉर्ड सम्मानित किया गया है। महानायक ने सोशल मीडिया पर अवॉर्ड सेरेमनी की तस्वीरें साझा की हैं । फेडरेशन ऑफ फिल्म आर्काइव, अमेरिकन फिल्म प्रोड्यूसर डायरेक्टर मार्टिन स्कॉर्सेसी और फिल्म लेखक क्रिस्टोफर नोलन का अभार व्यक्त किया है। हॉलीवुड फिल्मकार मार्टिन स्कॉर्सीज और क्रिस्टोफर नोलन ने फिल्म धरोहर के संरक्षण के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए बच्चन की सराहना की।

असम में कांग्रेस पर हमलावर हुए पीएम मोदी, कहा- हम इस पार्टी को माफ कर सकते हैं क्या

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के चबुआ में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने चुनावी जनसभा में कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज उस पार्टी के साथ गठबंधन के साथ मैदान में उतरी है जो असम की अस्मिता, असम की संस्कृति के लिए अपने आप में एक बहुत बड़ा खतरा है, बहुत बड़ा संकट है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि मुझे यह देखकर तकलीफ हुई कि इस देश की एक ऐसी पार्टी जो सबसे पुरानी पार्टी, जिसने इस देश पर 50-55 साल शासन किया। ऐसी कांग्रेस पार्टी आज भारत की चाय की पहचान को मिटाने वालों का खुलेआम समर्थन कर रही है।

कांग्रेस पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि आपने एक टूलकिट की चर्चा सुनी होगी, इस टूलकिट में असम की चाय और हमारे ऋषि मुनियों द्वारा दिए गए योग को दुनिया में बदनाम करने की योजना तैयार की गई। ऐसी साजिश रचने वालों को कांग्रेस पार्टी समर्थन करे और असम में वोट मांगने की हिम्मत करे। कांग्रेस को हम माफ कर सकते हैं क्या?

खुले मंच से पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस आज उस पार्टी के साथ गठबंधन के साथ मैदान में उतरी है जो असम की अस्मिता, असम की संस्कृति के लिए अपने आप में एक बहुत बड़ा खतरा है, बहुत बड़ा संकट है।

पीएम मोदी ने कहा कि ये वही कांग्रेस के लोग हैं जिन्होंने चाय के बागानों में काम करने वाले हमारे भाई-बहनों पर कभी भी ध्यान नहीं दिया। असम के लोगों को इन लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है। एक चायवाला आपके दर्द को नहीं समझेगा तो कौन समझेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि असम में शांति बनाए रखने के लिए, स्थिरता बनाए रखने के लिए भाजपा सरकार एवं एनडीए सरकार की निरंतर जरूरत है। ये समय असम के भविष्य के लिए बहुत अहम है। ये समय आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का है।

बता दें कि असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए तीन चरणों में मतदान होने हैं। असम में प्रथम चरण का मतदान 27 मार्च, दूसरे चरण का मतदान 1 अप्रैल और तीसरे चरण का मतदान 6 अप्रैल को होगा। चुनाव का परिणाम 2 मई को घोषित किए जाएंगे।

आरएसएस के नए सरकार्यवाह बने दत्तात्रेय होसबोले

बड़ा फेरबदल

बेंगलुरु ■ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में अखिल भारतीय स्तर पर दत्ता त्रेय होसबोले के नेतृत्व में एक युवा और ऊर्जावान टीम ने दायित्व संभाल लिया है। बेंगलुरु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में नई टीम को स्वीकृति प्रदान की गई, जिसकी आधिकारिक जानकारी शनिवार को दी गई।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के साथ सरकार्यवाह सुरेश भैय्या जी जोशी की जगह श्री होसबोले नए सरकार्यवाह निर्वाचित हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में सरकार्यवाह अथवा महासचिव, संगठन का सर्वोच्च कार्यकारी होता है।

सह सरकार्यवाह के पद चार से बढ़ाकर पांच किए गए हैं। डॉ. मनमोहन वैद्य और कृष्ण गोपाल के साथ सी. आर. मुकुंद, अरुण कुमार एवं राम दत्त चक्रधर सह सरकार्यवाह होंगे। अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख की जिम्मेदारी श्री सुनील आंबेकर को दी गई है तथा नरेन्द्र ठाकुर औरआलोक कुमार को सह प्रचार प्रमुख बनाया गया है। भाजपा के पूर्व संगठन महासचिव रामलाल अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख तथा रमेश पप्पा और सुनील देशपांडे सह संपर्क प्रमुख होंगे। स्वांत रंजन को अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख तथा सुनील भाई मेहता को सह बौद्धिक प्रमुख बनाया गया है।

सुनील कुलकर्णी शारीरिक प्रमुख तथा जगदीश प्रसाद सह शारीरिक प्रमुख होंगे, जबकि पराग अभयंकर को सेवा प्रमुख और राजकुमार मठले सह सेवा प्रमुख बनाया गया है।

पेपर लीक में हवलदार गिरफ्तार

जींद, (एजेंसी)। हरियाणा की जींद शहर थाना पुलिस ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग(एचएसएससी) की ग्राम सचिव परीक्षा में एक परीक्षार्थी को आंसर-की उपलब्ध कराने वाले राज्य पुलिस के एक हवलदार विजय को गिरफ्तार किया है। शहर थाना प्रभारी डा. सुनील ने बताया कि ग्राम सचिव परीक्षार्थी को आंसर भेजने के आरोप में हवलदार विजय को गिरफ्तार कर अदालत से दो दिन के रिमांड पर लिया है।

एक और नाम आया सामने

उन्होंने बताया कि आरोपी से अब तक की पूछताछ में इस मामले में एक और हवलदार सुनील का नाम सामने आया है जिसकी धरपकड़ के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। उल्लेखनीय है कि एचएसएससी की एक टीम ने गत दस जनवरी को बाल आश्रम स्कूल में ग्राम सचिव की परीक्षा के दौरान हाट गांव निवासी सीमा को आंसर-की के साथ पकड़ा था। पुलिस पूछताछ में सामने आया था कि सीमा को यह आंसर-की वहाट्सएम के माध्यम से भिवानी निवासी विजय ने भेजी थी। पुलिस ने सीमा तथा विजय के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सीमा इस मामले में न्यायिक हिरासत में है जबकि विजय के हत्थे चढ़ने पर उसे दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। उसने प्रारम्भिक पूछताछ में बताया कि उसे आंसर-की एक अन्य हवलदार सुनील ने उपलब्ध कराई थी जिसे बाल आश्रम स्कूल में परीक्षा दे रही सीमा को भेजा था। पेपर पास होने के बाद तीन लाख रुपये देने की बात हुई थी। पुलिस अब सुनील की तलाश में जुट गई है फिलहाल वह फरार है।

भारत-अमेरिका बढ़ाएंगे रक्षा सहयोग

रक्षा मंत्री राजनाथ-ऑस्टिन में बनी सहमति

नई दिल्ली ■ एजेंसी

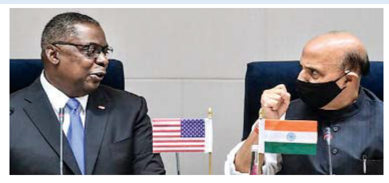

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन तीन दिवसीय भारत दौरे पर हैं, जिसके दूसरे दिन शनिवार को उनकी मुलाकात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण मसलों पर चर्चा हुई। इसमें मुख्य रूप से भारत और अमेरिका के बीच 'मिलिट्री एंगेजमेंट' यानी दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी भागीदारी बढ़ाने पर सहमति भी बनी।

अमेरिकी रक्षा मंत्री से बैठक के बाद राजनाथ सिंह ने कहा कि दोनों देश 'वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' को पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत कमान, मध्य कमान और अफ्रीका कमान में सैन्य सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। सेना के बीच आपसी भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ सूचनाओं को साझा करने और साजो-सामान संबंधी सहयोग को लेकर भी सहमति बनी।

हमने कभी नहीं माना कि भारत और चीन युद्ध की कगार पर हैं

भारत-चीन मसले पर अमेरिका के रक्षा मंत्री ने शनिवार को बयान दिया। भारत और चीन के बीच पिछले साल से चली आ रही सैन्य तनातनी पर अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि अमेरिका ने कभी इस बात पर विश्वास नहीं किया कि भारत और चीन जंग की कगार पर हैं। ऑस्टिन ने नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही। दरअसल, उनसे पूछा गया था कि क्या पिछले साल अमेरिका को कभी ऐसा लगा था कि भारत और चीन के बीच युद्ध घटित हो सकता है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि हमने कभी नहीं माना कि भारत और चीन युद्ध की कगार पर हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी वसूली करने वाली पार्टी है भाजपा : ममता बनर्जी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भाजपा की आलोचना करते हुए उसे दुनिया में सबसे बड़ी तोलाबाज (वसूली करने वाली) पार्टी बताया और कहा कि उसे राज्य में कभी भी सत्ता में नहीं आने देना चाहिए।

पूर्वी मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने भाजपा पर दंगों की साजिश रचने, लोगों की हत्या करने और दलित लड़कियों को प्रताड़ित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, भाजपा दुनिया में सबसे बड़ी तोलाबाज (वसूली करने वाली) पार्टी है, देखिए पीएम केयर फंड के तहत उसने कितना पैसा इकट्ठा किया। अगर पश्चिम बंगाल के लोग शांति और दंगों से मुक्त राज्य चाहते हैं, तो तृणमूल कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। टीएमसी सुप्रीमो ने आरोप लगाते हुए कहा, लोगों की हत्या के लिए जिस पार्टी ने दंगे करवाए उसे कभी बंगाल में शासन मत करने देना। भाजपा में तो महिलाएं भी सुरक्षित नहीं हैं।÷ बनर्जी ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव नहीं लड़ सकती। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल में आठ चरणों में 27 मार्च से चुनाव होंगे।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सबकुछ बेच देने का आरोप लगाया। इस महीने की शुरुआत में चुनाव प्रचार के दौरान चोटिल हुई बनर्जी अभी व्हीलचेयर पर ही चुनाव प्रटार कर रही हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने हर चीज बेच दी है। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया। सरकार पहले ही रेलवे, कोयला क्षेत्र, बीएसएनएल, बीमा क्षेत्र और बैंकों का निजीकरण कर रही है। किसी दिन हल्दिया बंदरगाह भी बिक सकता है।

बनर्जी ने कहा, चुनाव शुरू होने से पहले ईवीएम की 30 बार जांच होनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो कि उसमें कोई गड़बड़ी नहीं है। लेकिन अगर किसी मशीन में गड़बड़ी होती है तो उसके ठीक होने तक कृपया शांति रखें। उन्होंने वादा करते हुए यह भी कहा कि उनकी सरकार संपर्क बढ़ाने के लिए हल्दिया और नंदीग्राम के बीच एक पुल भी बनाएगी।

टीएमसी सुप्रीमो ने कहा, हल्दिया में मछलियों के विकास के लिए एक केंद्र बनाया जाएगा। ताजपुर में 15,000 करोड़ रुपये की लागत से एक बंदरगाह बनाया जा रहा है, जिससे 25,000 नौकरियां पैदा होंगी।

महाराष्ट्र के गृह मंत्री हर माह मांगते थे 100 करोड़

परमबीर सिंह ने लगाए आरोप

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एंटीलिया केस और मनसुख हिरेन की मौत के मामले ने सूबे का सियासी पारा एक बार फिर गर्मा दिया है। इस बीच मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को जो चिट्ठी लिखी है उसमें कहा गया है कि अनिल देशमुख हर महीने 100 करोड़ रुपए मांगते थे। पत्र में उन्होंने ये भी लिखा है कि सचिन वझे को अनिल देशमुख ने ही आदेश दिया था।

पूर्व पुलिस कमिश्नर ने अपने ई-मेल से नहीं भेजा पत्र

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह के 100 करोड़ रुपए की वसूली से संबंधित लेटर सामने आने के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय ने बयान जारी किया है। दफ्तर ने कहा है कि शनिवारशाम को मेल आईडी पर परमबीर सिंह का लेटर मिला है। हालांकि, वह इमेल एड्रेस परमबीर सिंह का आधिकारिक एड्रेस नहीं है। वहीं, इस पत्र में उनके सिग्नेचर भी नहीं हैं। महाराष्ट्र के चीफ मिनिस्टर ऑफिस ने देर रात कहा कि शनिवार शाम 4.37 बजे परमबीर सिंह का लेटर मिला। यह लेटर एक अलग इमेल एड्रेस के जरिए भेजा गया था। यह उनका आधिकारिक एड्रेस नहीं है और न ही उस पर उनके सिग्नेचर थे। इस नए इमेल एड्रेस को चेक करना पड़ेगा। गृह मंत्रालय उनसे संपर्क करने की कोशिश कर रहा है। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह के 100 करोड़ रुपये की वसूली से संबंधित लेटर सामने आने के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय ने बयान जारी किया है। दफ्तर ने कहा है कि आज शाम को मेल आईडी पर परमबीर सिंह का लेटर मिला है। हालांकि, वह इमेल एड्रेस परमबीर सिंह का आधिकारिक एड्रेस नहीं है। वहीं, इस पत्र में उनके सिग्नेचर भी नहीं हैं।

गृह मंत्री की सफाई

इस बीच राज्य के गृह मंत्री देशमुख ने आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने ट्वीट करके इन आरोपों को बेबुनियाद करार दिया है। देशमुख ने लिखा कि संबंधित मामलों में खुद को बचाने के लिए ये भ्रामक आरोप लगाए गए हैं।

फडणवीस ने गृहमंत्री देशमुख का इस्तीफा मांगा

इस पर पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गृहमंत्री अनिल देशमुख का इस्तीफा मांगा। परमबीर सिंह के आरोप बेहद संगीन है।

अगले हफ्ते चुनावी तैयारियों-कानून व्यवस्था का जायजा लेने बंगाल का दौरा करेगी ईसी टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर जारी सियासी हलचल के बीच चुनाव आयोग की एक टीम अगले हफ्ते बंगाल का दौरा करेगी। आयोग राज्य में चुनावी तैयारियों का जायजा लेगा। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, राज्य में राजनीतिक हिंसा और कानून व्यवस्था को लेकर काफी शिकायतें आ रही हैं। लिहाजा लगातार राजनीतिक प्रतिशोध के लिए हो रही हिंसा और कानून व्यवस्था को लेकर राजनीतिक दलों की शिकायतों के मद्देनजर आयोग बंगाल का दौरे पर इसका जायजा लेगा।

इस बीच आयोग ने ये साफ कर दिया है कि पश्चिम बंगाल में मतदान केंद्रों के आसपास सौ मीटर के दायरे में राज्य पुलिस की तैनाती की कोई मनाही या पाबंदी नहीं है। तृणमूल कांग्रेस ने आयोग के हवाले से ये कहा था कि आयोग ने राज्य पुलिस को चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों से सौ मीटर के दायरे से बाहर रहने को कहा गया है। आयोग ने टीएमसी की इस टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए अपने निर्देशों पर ये स्थिति साफ कर दी है।

बता दें कि चुनाव आयोग पहले चरण के मतदान से ठीक पहले बंगाल में चुनावी तैयारी का जायज़ा लेने के लिए अगले हफ्ते राज्य का दौरा करेगा। आयोग की टीम कोलकाता जाएगी।

आयोग के सूत्रों के मुताबिक, जबसे चुनाव कार्यक्रम का ऐलान हुआ है, तब से राज्य में राजनीतिक अशांति बढ़ गई है। दर्जन भर से ज्यादा वारदात हो चुकी हैं, जिनमें राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ता की हत्या या जानलेवा हमला करने का इल्जाम विरोधी दल पर लगा रहे हैं।

आयकर विभाग का मुंबई में बिल्डर के यहां छापा

270 करोड़ की अघोषित आय का पता लगा

नई दिल्ली (एजेंसी) आयकर विभाग द्वारा मुंबई स्थित एक प्रमुख बिल्डर और डेवलपर समूह के यहां की गई छापे मारी में अब तक 5.89 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की जा चुकी है। अभी तक की हुई खोजों के परिणामस्वरूप लगभग 270 करोड़ रुपए की अघोषित आय का पता चला है।

विभाग ने शनिवार को यहां बताया कि 17 मार्च 2021 को छापेमारी की कार्रवाई की। मोबाइल उपकरणों के व्यापार के कारोबार में लगे डीलरों के मामले में भी खोज की गई। इन सभी कार्रवाइयों में मुंबई में स्थित 29 परिसरों पर छापे मारे गए जबकि 14 परिसरों को सर्वेक्षण कार्रवाई के तहत कवर किया गया था। यह रियल एस्टेट समूह एक वाणिज्यिक मॉल विकसित कर रहा है, जिसमें विशेष रूप से मोबाइल उपकरणों के व्यवसाय के लिए 950 इकाइयाँ हैं। इनमें से लगभग 905 इकाइयां 2017 से अब तक बेची गई हैं।

खोज के दौरान परिसर में पेन ड्राइव में रखे गए साक्ष्य से पता चला कि बिल्डर समूह ने 150 करोड़ रुपए की रकम रसीदों पर ली है जो समझौते के मूल्य के ऊपर और अधिक है। इसका हिसाब ऐसी इकाइयों की बिक्री की अकाउंट बुक्स में नहीं है। इसके अलावा एक आवासीय और वाणिज्यिक परियोजना से संबंधित पेन ड्राइव में 70 करोड़ रूपए की प्राप्ति के साक्ष्य पाए गए हैं। इस समूह के विभिन्न परिसरों से 5.50 करोड़ रूपए मिले हैं जिन्हें जब्त कर लिया गया है। बिल्डर द्वारा डिजिटल रूप में दर्ज विभिन्न परियोजनाओं में दुकानों/ फ्लैटों की बिक्री के लिए पैसे की रसीदें जब्त की गई हैं।

मोबाइल एक्सेसरीज़ के व्यवसाय में लगे डीलरों के संबंध में विभिन्न बिक्री के ऐसे प्रमाण मिले हैं जिनका जिक्र अकाउंट बुक्स में नहीं है। यह समूह चीन से माल आयात करता है और इन सामानों को पूरे भारत में विभिन्न पार्टियों को बेचता है। यह आयात चालान में लिखी राशि से कम का है और भुगतान हवाला चैनलों के माध्यम से किया जाता है। बेहिसाब स्टॉक वाले 13 गुप्त गोदाम भी खोजे गए हैं जिनमें स्टॉक तैयार किया जाता है।

इसके अलावा, उक्त डीलरों द्वारा संपत्ति में बेहिसाब निवेश के 40.5 करोड़ रुपए के साक्ष्य का पता चला है। इसमें से 21 करोड़ रुपए का बेहिसाब निवेश उक्त वाणिज्यिक मॉल में इकाइयों की खरीद का है। कर्मचारियों के नाम पर चार अघोषित बैंक खातों का भी पता लगाया गया है।

हरिद्वार महाकुंभ मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने निर्माण कार्यों के लोकार्पण के बाद दिए अधिकारियों को निर्देश

शाही स्नान पर्वों को सकुशल संपन्न कराएं

हरिद्वार (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने शनिवार को कुम्भ मेले के विभिन्न निर्माण कार्यों के लोकार्पण के बाद मेला नियंत्रण भवन में उससे जुड़े उच्चाधिकारियों के साथ ही विभागीय नोडल अधिकारियों से कार्यों में तेजी लाए जाने के लिए पूर्व में दिये गये निर्देशों के क्रम में की गई व्यवस्थाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया।

उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी कुम्भ मेले के शाही स्नान पर्वों को सकुशल सम्पन्न कराने में सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझें। उन्होंने इसके लिए आपसी समन्वय एवं समयबद्धता के साथ व्यवस्थाए सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जो कार्य अंतिम चरण में हैं उन्हें शीघ्र पूर्ण कराया जाये। मुख्यमंत्री ने शहर के आंतरिक मार्गों के निर्माण में भी और तेजी लाने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने डामकोठी के निर्माण कार्य में भी और तेजी लाये जाने के साथ ही कुम्भ क्षेत्र की सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों द्वारा जिस तत्परता एवं जिम्मेदारी के साथ महाशिवरात्रि के शाही स्नान को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जैसी व्यवस्थाएं की थी, ऐसे ही प्रयास आगामी स्नान पर्वों में भी होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास कुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अतिथि देवों भवः हमारी परम्परा रही है। इसी परम्परा का हमें निर्वहन करना है।

गंगा पूजन कर की सर्व कल्याण की कामना

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने शनिवार को हर की पैड़ी पहुंचकर मां गंगा की पूजा-अर्चना की। श्री तीरथ शनिवार को देहरादून से हरकी पैड़ी पहुंचे। यहां उनका विधानसभा अध्यक्ष प्रेम चन्द्र अग्रवाल, राज्यमंत्री स्वामी यतीशवरानंद, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, ज्वालापुर विधायक सुरेश राठौर, भाजपा जिलाध्यक्ष जयपाल सिंह चौहान, जिला महामंत्री विकास तिवारी, मेला अधिष्ठान के अधिकारियों और श्री गंगा सभा के सभापति कृष्ण कुमार शर्मा, अध्यक्ष प्रदीप झा, महामंत्री तन्मय वशिष्ठ, स्वागत मंत्री सिद्धार्थ चक्रपाणी, उज्ज्वल पंडित सहित अन्य लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद श्रीगंगा सभा के आचार्य अमित शास्त्री ने मंत्रोउच्चारण के साथ मुख्यमंत्री श्री रावत से मां गंगा की पूजा-अर्चना ओर आरती कराई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मां गंगा से कुम्भ की सफलता और सभी के कल्याण की कामना की।

चीन में अंडरकवर इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्टर ने भ्रष्ट कार कंपनी के बड़े घोटाले को उजागर किया

बीजिंग। चीन में एक रिपोर्टर को खुफिया तरीके से काम करना पड़ा, जिससे वह एक भ्रष्ट कार कंपनी के घोटाले को उजागर कर सके। अंडरकवर इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्टर के मुताबिक, एक भ्रष्ट कार कंपनी उपभोक्ताओं को धोखा देकर, उतने दाम वसूल रही थी जो उनके वास्तविक मूल्य से भी अधिक थे। दक्षिण चीन मार्निंग पोस्ट (एससीएमपी) की रिपोर्ट के अनुसार, रिपोर्टर लाओ के ने इतना अच्छा प्रदर्शन किया कि वह कंपनी के भ्रष्टाचार का खुलासा करने से पहले उनके साथ एक दर्जन कर्मचारियों के साथ कंपनी के उप-निदेशक बन गए।

फोबे झांग, एससीएमपी के लिए लिखा कि कि रिपोर्टर के बॉस ने उसके पकड़े जाने की उम्मीद थी। रिपोर्टर ने बताया कि मैं बहुत चिंतित था कि मैंने अतिरिक्त मेहनत की और मेरे प्रदर्शन में तेजी से सुधार हुआ, और मैं एक नियमित विक्रेता से कंपनी के उपाध्यक्ष के पद तक पहुंच गया। लाओ के ने मंगलवार को एक सीसीटीवी वीडियो में अपना अनुभव सुनाया और खुलासा किया कि कुछ साल पहले वह इस्तेमाल की गई कार कंपनी में अंडरकवर हो गया था। उन्होंने इनसाइडर दस्तावेजों के उपयोग के साथ बताया कि जो कंपनी को विभिन्न कीमतों पर इस्तेमाल की गई कारों को खरीदने और बेचने का काम करती थी, कभी-कभी 5,000 युआन (स्ष्ठ 768) से अधिक और अंतर से मुनाफा कमा रहे थे।

पाकिस्तान में भगत सिंह की याद में कार्यक्रम के लिए याचिका दायर

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत में याचिका दायर कर आग्रह किया गया कि आगामी 23 मार्च को स्वतंत्रता सेनानियों-भगत सिंह, राजगुरु तथा सुखदेव की 90वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति प्रदान करने के लिए पंजाब सरकार को निर्देश दिया जाना चाहिए।

भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन के अध्यक्ष राशिद कुरैशी ने प्रांतीय सरकार द्वारा कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति नहीं दिए जाने पर लाहौर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। पंजाब सरकार ने कहा कि कोरोना के चलते कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी जा सकती। सांडर्स हत्याकांड में ब्रिटिश हुकूमत ने लाहौर में राजगुरु, सुखदेव और भगत सिंह को 23 मार्च, 1931 को फांसी दे दी थी। कुरैशी ने अदालत में याचिका दायर कर तीनों स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां के शादमान चौक पर कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति मांगी है। कुरैशी ने कार्यक्रम में कड़ी सिक्योरिटी की भी मांग की है। वहीं, उनके द्वारा अदालत को भरोसा दिलाया है कि कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 दिशानिर्देशों का पूरी तरह से पालन होगा। कुरैशी ने आगे कहा कि सरकार को ऐसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना चाहिए, कार्यक्रम रद न करने से सीमा पर शांति का संदेश जाएगा। इस याचिका में उन्होंने पंजाब सरकार, पंजाब के चीफ सेक्रेटरी, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और लाहौर पुलिस चीफ से जवाब मांगा है।

सिनोफार्म समेत चार कोविड-19 वैक्सीन की खुराक लेने वालों के लिए चीन ने खोले अपने दरवाजे

बीजिंग। चीन ने अपने दरवाजे एक बार फिर से विदेशियों के लिए खोल दिए हैं। लेकिन इसकी कुछ शर्तें हैं। इसमें पहली शर्त है कि चीन जाने के लिए वीजा एप्लाई करने वाले व्यक्ति ने सिनोफार्म या चीन की बनाई अन्य तीन कोरोना वैक्सीन की एक या दो डोज ली हो। इसमें एक शर्त ये भी है कि यदि व्यक्ति ने एक ही डोज ली है तो वो 14 दिनों के अंदर वीजा के लिए एप्लाई कर सकता है। इसके अलावा एक शर्त ये भी है कि चीन पहुंचने पर व्यक्ति को तीन सप्ताह तक क्वारंटाइन होना होगा। एएफपी के मुताबिक चीन ने वीजा देने की प्रक्रिया को फिलहाल उन लोगों के लिए बंद किया हुआ है जिन्होंने किसी अन्य देश की बनाई कोविड-19 वैक्सीन ली हो।

चीन की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि चीन दोबारा से भारत, पाकिस्तान, फिलीपींस, इटली, श्रीलंका के नागरिकों को अपने यहां पर आने की इजाजत दे रहा है। आपको बता दें कि चीन ने दुनिया के कई देशों में स्वदेशी कंपनी सिनोफार्म की वैक्सीन को भेजा है। इसमें पाकिस्तान समेत इंडोनेशिया, कंबोडिया और तुर्की भी शामिल है। फिलीपींस की बात करें तो दो सप्ताह पहले ही यहां चीन ने अपनी बनाई वैक्सीन की करीब 6 लाख खुराक वहां भेजी हैं। इसके बाद वहां पर वैक्सीनेशन काम शुरू हो गया है। चीन ने 40 करोड़ वैक्सीन की खुराक विभिन्न देशों को भेजी हैं।

गौरतलब है कि चीन ने अपने पिछले वर्ष मार्च में वैश्विक महामारी कोविड-19 की वजह से अपनी सीमाओं को सील कर दिया था। शुरुआत में चीन में मामले तेजी से बढ़े थे लेकिन बाद में इस पर काबू पा लिया गया।

जैक मा पर कसा चीन सरकार का शिकंजा, मीडिया व्यवसाय बेचने का दिया आदेश

बीजिंग। दुनिया के 25वें सबसे अमीर शख्स जैक मा की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं। चीन की शी चिनफिंग सरकार ने उनके समूह अलीबाबा को अपनी मीडिया परिसंपत्तियों को बेचने का आदेश दिया है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) ने इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का हवाला देते हुए बताया कि बीजिंग देश में जनता के बीच दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी के प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। अलीबाबा ने पिछले वर्ष ही साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट का अधिग्रहण करते हुए मीडिया क्षेत्र में अपने कदम आगे बढ़ाए थे। यह एक ऐसा समाचार पत्र है, जिसकी शुरुआत 118 वर्ष पहले हांगकांग में हुई थी। कंपनी के पास चीन स्थित मीडिया कंपनियों में भी हिस्सेदारी है।

पुतिन पर बाइडेन की टिप्पणी पर बवाल

रूसी प्रसिडेंट बोले- यूएस प्रेसिडेंट मामले में मुझसे ऑनलाइन बहस कर लें, ताकि दोनों देश की जनता भी इसे देख सके

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पर पलटवार किया है। पुतिन ने एक रशियन टीवी पर बाइडेन को चुनौती दी कि वे उनसे लाइव प्रोग्राम में बात करें और इसे दोनों देशों के लोग भी देखें, ताकि सच्चाई सबके सामने आ जाए। दरअसल, पुतिन का बयान बाइडन की उस टिप्पणी के बाद आया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने पुतिन को हत्यारा कहा था और रूस पर अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था।

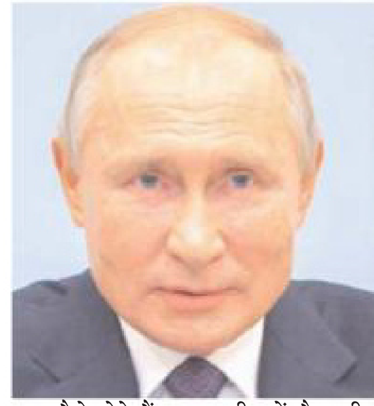

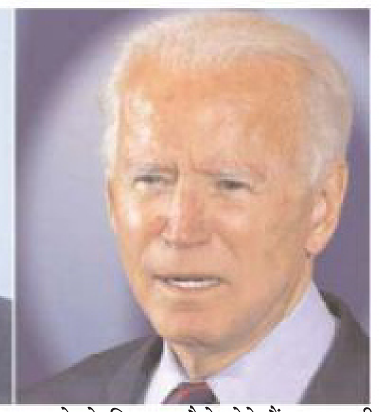

हम जैसे होते हैं, दूसरा भी हमें वैसा ही नजर आता है : पुतिन

बाइडेन के आरोप पर पुतिन ने रूसी स्कूलों में बोली जाने वाली एक कविता का इस्तेमाल किया, जिसका मतलब है- हम जैसे होते हैं, दूसरा भी हमें वैसा ही नजर आता है। उन्होंने कहा कि मुझे अपने बचपन की एक बात याद है जब हम खेल के मैदान में बहस करते थे और अक्सर कहते थे कि हम जैसे होते हैं, दूसरा भी हमें वैसा ही नजर आता है।

पुतिन ने कहा कि ये कोई संयोग या बच्चों का मजाक नहीं है। इसके बड़े गहरे मनोवैज्ञानिक अर्थ हैं। हम अपना अक्स हमेशा दूसरों में देखते हैं और सोचते हैं कि वो वैसे ही हैं, जैसे हम हैं। इसके नतीजे में हम किसी व्यक्ति के कार्यों का मूल्यांकन करते हैं और अपनी राय देते हैं।

रूस पर चुनाव प्रभावित करने का आरोप

बाइडेन का ये बयान तब आया, जब एक अमेरिकी इंटेलीजेंस रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले साल अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में धांधली के लिए पुतिन ने एक ऑपरेशन को मंजूरी दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस और ईरान के अलावा चुनाव प्रक्रिया को क्यूबा, वेनेजुएला और हिजबुल्ला ने भी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी। हालांकि इनका प्रभाव काफी कम था।

खुफिया एजेंसी CIA और नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी की 15 पेज की रिपोर्ट में पुतिन के अलावा ईरान के सर्वोच्च नेता अली खमनोई के नाम का उल्लेख भी है। हालांकि पुतिन ने ट्रम्प को फायदा और खमनोई ने ट्रम्प को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी।

4 साल पहले भी रूस को लेकर इस तरह के दावे किए थे

4 साल पहले भी एक रिपोर्ट जारी की गई थी। इसमें बताया गया था कि पुतिन ने 2016 में भी चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित किया था।

यह रिपोर्ट 2016 के चुनाव को लेकर आई थी। तब ट्रम्प ने जीत दर्ज की थी। इस दौरान रिपब्लिकन उम्मीदवार को फायदा पहुंचाया गया था।

कोरोना दुनिया में:फ्रांस में पेरिस समेत 16 शहरों में एक महीने का लॉकडाउन

यूरोपीय देशों में एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन लगाना फिर शुरू होगा

लंदन। फ्रांस में कोरोना की तीसरी लहर की वजह से राजधानी पेरिस में एक महीने का लॉकडाउन लगा दिया गया है। पेरिस के साथ देश के 15 अन्य इलाकों में भी शुक्रवार आधी रात से लॉकडाउन किया जा रहा है। फ्रांस के प्रधानमंत्री जीन कैस्टेक्स ने कहा कि ये लॉकडाउन पहले के लॉकडाउन की तरह सख्त पाबंदियों वाला नहीं होगा। फ्रांस में बीते 24 घंटे में कोरोना के करीब 35,000 नए मामले सामने आए हैं।

उधर, यूरोपियन मेडिसिन एजेंसी की क्लीनचिट के बाद यूरोपियन देश जल्द ही एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड की कोरोना वैक्सीन से वैक्सीनेशन शुरू करने की तैयारी में हैं। यूरोपियन देशों ने कहा कि स्पेन, पुर्तगाल, नीदरलैंड्स, जर्मनी, इटली, फ्रांस, लात्विया, लिथुआनिया और साइप्रस समेत कई देशों में जल्द ही इस वैक्सीन का इस्तेमाल शुरू होगा। वहीं, आयरलैंड और स्वीडन में हालात का रिव्यू करने के बाद इस पर फैसला लेंगे।

फ्रांस में पाबंदियों की अहम बातें

कोरोना के प्रसार में काफी तेजी आई है। कई अलग-अलग वैरिएंट्स के साथ फ्रांस एक तरह से महामारी की तीसरी लहर का सामना कर रहा है। ICU में इस वक्त कम उम्र वाले कोरोना के मरीजों का उपचार किया जा रहा है,

जिनमें कोई गंभीर लक्षण नहीं हैं और इस वक्त अस्पतालों में मरीजों के रहने की अवधि भी पहले के मुकाबले बढ़ी है।

देश के 16 प्रांतों में वायरस के प्रसार पर काबू पाने के लिए आवश्यक सामग्रियों की बिक्री से संबंधित व्यवसायों और सेवाओं को खोलने की अनुमति दी जाएगी। नर्सरी, एलिमेंट्री और हाईस्कूल इस दौरान खुले रहेंगे।

इस दौरान लोग चहलकदमी के लिए घर से बाहर निकल सकेंगे। बिना किसी समय सीमा के किसी खेल का आनंद ले सकेंगे, लेकिन इसके लिए आपके पास सर्टिफिकेट का होना अनिवार्य होगा और घर से दस किलोमीटर के दायरे में ही रहना होगा।

EMA ने दी क्लीनचिट

इससे पहले EMA ने एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन को क्लीनचिट दे दी थी। श्क्रू के मुताबिक, हमने जांच में पाया कि यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी है। दरअसल, वैक्सीन लेने वाले कुछ लोगों में ब्लड क्लॉटिंग की रिपोर्ट्स सामने आने के बाद यूरोपियन यूनियन के देशों ने एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन पर रोक लगा दी थी।

EMA के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर एमर कुक ने कहा कि एजेंसी के फार्माकोविजिलेंस रिस्क एसेंसमेंट कमेटी ने पाया कि वैक्सीन पूरी तरह फायदेमंद है और इसका ब्लड क्लॉटिंग से किसी तरह का कोई संबंध नहीं है।

दुनिया का सबसे ताकतवर रॉकेट

नासा ने 1.35 लाख करोड़ में तैयार किया, इसके जरिए सिंगल ट्रिप में चंद्रमा पर पहुंचा जा सकेगा

वाशिगंटन। नासा का 1.35 लाख करोड़ रुपए की लागत वाला स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट (मेगारॉकेट) नवंबर में लॉन्च होने वाला है। उससे पहले इसकी कोर स्टेज की टेस्टिंग हो रही है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी 8 मिनट के लिए इसके चारों आरएस-25 इंजन को चालू कर रही है।

यह टेस्टिंग मिसीसिपी स्टेट में स्टेनिस स्पेस सेंटर में हो रही है। इससे पहले यह टेस्टिंग अलग-अलग कारणों से टाली गई थी। दरअसल, नासा बगैर इंसान के चंद्रमा पर जाने की तैयारी कर रहा है। इस मिशन का नाम आर्टेमिस है। भविष्य में इसके जरिए सिंगल ट्रिप में अंतरिक्षयात्रियों को चंद्रमा पर पहुंचाया जा सकेगा। यह नासा का दुनिया का सबसे ताकतवर रॉकेट सिस्टम है।

पाकिस्तान में आतंकियों के खत्म होने का असर

100 से ज्यादा मंदिरों और मठों का पुराना वैभव लौटा, 11 साल बाद पर्यटक आने शुरू

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की स्वात घाटी। इस घाटी का नाम सुनते ही जेहन में सबसे पहले आतंकवाद, चरमपंथ और तालिबान जैसे शब्द आते हैं, लेकिन अब यहां शांति है। 11 साल बाद इस वैली में पर्यटकों की आहट सुनाई दे रही है। स्वात में 100 से ज्यादा मठ और मंदिर पुराने वैभव में लौट रहे हैं। इटली से आए पुरातत्वविदों की टीम ने डायनामाइट से उड़ाई बुद्ध की प्रतिमा को मूल रूप दे दिया है।

इटली सरकार ने इस घाटी को संरक्षित करने के लिए 20 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। जहानाबाद से 20 किमी दूर मिंगोरा शहर में सातवीं सदी में पहाड़ काटकर बनाई गई बुद्ध की प्रतिमा सहनशीलता का ताकतवर चेहरा है। प्रोफेसर परवेश शाहीन कहते हैं, 'बुद्ध यहां कि पहाड़ियों पर पूजा करने आते थे। जब वे चले गए तो चट्टान में उनकी प्रतिमा को प्रतिष्ठित किया गया। ध्यान की मुद्रा में बुद्ध की यह प्रतिमा दक्षिण एशिया में सबसे बड़ी है। बंटवारे से पहले तक हिमालयी इलाकों से बौद्ध संन्यासी यहां आकर ध्यान लगाया करते थे। अब हम सब चाहते हैं कि दुनियाभर से श्रद्धालु यहां आकर बुद्ध को महसूस करें।'

सितंबर 2007 में आतंकियों ने इसे डायनामाइट से उड़ा दिया था। इस घटना के चश्मदीद रहे अख्तर अली उस दिन को याद करते हुए कहते हैं, 'आतंकियों ने बुद्ध की प्रतिमा के चेहरे तक पहुंचने के लिए सीढ़ियों और रस्सी का इस्तेमाल किया। चेहरे में ड्रिल किया, उसमें बारूद और डायनामइट भरा और फिर धमाका कर दिया। वे कहते हैं कि आतंक की वजह से 15 लाख लोगों को इलाका छोड़ना पड़ा था। अब 11 साल बाद भी लोगों का लौटना जारी है। स्वात घाटी को दुनिया में गांधार सभ्यता के महान केंद्रों में से एक माना जाता है, जिसमें बुद्ध की दर्जनों

मूर्तियां और ऐतिहासिक मंदिरों के अवशेष हैं। यहां 1000 से ज्यादा मठ, गर्भगृह और स्तूप घाटी में फैले हुए थे। स्वात वैली के क्यूरेटर एफ रहमान कहते हैं, सरकार ने पुरातत्व के नजरिए से कई महत्वपूर्ण संपत्ति खरीदी हैं। हम यहां खुदाई कर बौद्ध मठों और मंदिरों को संरक्षित कर रहे हैं। यहां बारिकोट घुंडई में खुदाई के दौरान भगवान विष्णु का 1300 साल पुराने मंदिर का अवशेष मिला है। पास ही सेना की छावनी और पानी का टैंक भी मिला है। संभावना है कि दर्शन से पहले भक्त और पुजारी यहां स्नान करते थे। इसके अलावा हम बारिकोट स्वात में 1800 साल पुराने बौद्ध परिसर में खुदाई कर रहे हैं।

पाक के बदले- बदले सुर

दोनों देशों के रिश्तों पर पाक आर्मी चीफ बाजवा का बयान, बोले- भारत और पाकिस्तान अतीत को भुलाकर आगे बढ़ें

इस्लामाबाद। भारत और पाकिस्तान के लिए यह समय अतीत को भूलने और आगे बढ़ने का है। यह बयान पाकिस्तानी सेना के जनरल चीफ कमर जावेद बाजवा की तरफ से आया है। वह इस्लामाबाद में एक सुरक्षा वार्ता को संबोधित कर रहे थे। बाजवा का कहना है कि दोनों देशों के बीच कुछ अनसुलझे मुद्दों की वजह से अब तक विकास और शांति बहाल नहीं हो सकी है। अगर दोनों देश साथ आते हैं, तो इससे दक्षिण और मध्य एशिया में विकास की संभावनाओं को खोलने में मदद मिलेगी। इससे पहले भारत ने पिछले महीने कहा था कि वह पाकिस्तान के साथ आतंक, दुश्मनी और हिंसा मुक्त माहौल के साथ सामान्य पड़ोसी संबंधों की आकांक्षा रखता है।

कश्मीर में एक अनुकूल वातावरण बनाना होगा: बाजवा

बाजवा ने आगे कहा कि हमारे पड़ोसी को खासतौर पर कश्मीर में एक अनुकूल वातावरण बनाना होगा। सबसे अहम मुद्दा कश्मीर है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि शांतिपूर्ण तरीकों से कश्मीर विवाद का हल निकले। बिना इसके इस क्षेत्र में कोई भी पहल सफल नहीं हो सकती है। बाजवा ने कहा कि पूर्व और पश्चिम एशिया में संपर्क बनाना और उसे दक्षिण और मध्य एशिया की क्षमता को खोलने के लिए दोनों देशों के बीच शांति का माहौल होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्रीय तनाव है।

सुरक्षा और विकास जम्मू-कश्मीर के समाधान पर टिका: पाक विदेश मंत्री

बाजवा के बाद विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास जम्मू-कश्मीर के शांतिपूर्ण समाधान पर टिका है। इसके

लिए भारत को सही वातावरण तैयार करना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि इमरान खान के नेतृत्व में नया पाकिस्तान अन्य देशों के साथ संपर्क स्थापित करने, क्षेत्र में शांति बनाए रखने और आर्थिक संबंधों को बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इससे पहले कुछ इस तरह के बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने दिया था। उन्होंने कहा था कि उनके मुल्क के साथ शांति रखने पर भारत को आर्थिक लाभ मिलेगा। भारत को पाकिस्तान के रास्ते संसाधन बहुल मध्य एशिया में सीधे पहुंचने की मदद मिलेगी। इसके अलावा खान ने कहा था कि भारत को पहला कदम उठाना होगा।

श्रीलंका में बुर्का बैन के मामले में साउथ अफ्रीका मुस्लिम ऑर्गेनाइजेशन ने सरकार से हस्तक्षेप को कहा

जोहान्सबर्ग। साउथ अफ्रीका मुस्लिम ऑर्गेनाइजेशन ने अपनी सरकार से श्रीलंका में बुर्का बैन के मामले में हस्तक्षेप को कहा है। संगठन ने देश के विदेश मंत्री को इस मामले में बातचीत के लिए बुलाया है। बता दें कि श्रीलंका में बुर्का बैन के साथ-साथ काफी संख्या में इस्लामिक स्कूल बंद करने को लेकर भी इस संगठन ने चर्चा के संकेत दिए हैं। श्रीलंका में बुर्का बैन का एलान वहां के सार्वजनिक सुरक्षा के लिए श्रीलंका मंत्री, सरथ वेरासेकेरा द्वारा किया गया था। इसके पीछे की वजह बताते हुए कहा गया था कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है। वेरासेकेरा ने यह भी बताया कि उन्होंने कैबिनेट की मंजूरी के लिए एक विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिया है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर मुस्लिम महिलाओं के बुर्का पहनने पर प्रतिबंध की मांग की गई है। कैबिनेट से पारित होते ही श्रीलंका की संसद इस पर कानून बना सकती है।

इसके साथ ही वीरासेकेरा ने बताया कि सरकार हजार से अधिक मदरसा इस्लामिक स्कूलों पर रोक लगाने की योजना बना रही है। दरअसल सरकार का मानना है कि ये स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मजाक बना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'कोई स्कूल नहीं खोल सकता और कुछ भी नहीं पढ़ा सकता।' पिछले साल कोविड-19 के कारण मुस्लिम समुदाय के मरने वालों को भी सरकार ने जलाने का आदेश दिया था दफनाने पर पाबंद लगाई थी और अब बुर्का व मदरसों पर रोक लगा रही है। हालांकि,मुस्लिम शवों को दफनाने पर लगी रोक इस साल के शुरुआत में हटा दी गई जब अमेरिका व अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूहों ने हसकी आलोचना की।

दुनिया के कई देशो में बुर्का पहनने पर लग चुका है प्रतिबंध: बता दें कि श्रीलंका के अलावा भी दुनिया के कई सारे देश बुर्के पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। कुछ दिन पहले ही स्विट्जरलैंड ने भी जनमत संग्रह कर बुर्के के पहनने पर प्रतिबंध लगाया था।

इससे पहले श्रीलंका के बुर्का बैन पर कानून लाने के एलान को लेकर पाकिस्तानी उच्चायोग ने भी कड़ी आपत्ति जताई थी। श्रीलंका में पाकिस्तान के उच्चायुक्त ने कहा था कि इससे श्रीलंका और दुनिया के मुसलमानों की भावनाओं को चोट पहुंचेगी। इतनी ही नहीं पाकिस्तान ने इशारे में इस फैसले खिलाफ धमकी भी दी थी।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने लगवाई चाइनीज कोरोना वैक्सीन, चीन से दान में मिले हैं पांच लाख टीके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने गुरुवार को कोरोना वायरस वैक्सीन की पहली डोज ली। इससे एक दिन पहले दक्षिण एशियाई देश को चीन से दान में कोरोनो वैक्सीन की पांच लाख डोज मिला है। सिनोफर्म वैक्सीन की दूसरी खेप पाकिस्तान के स्वास्थ्य अधिकारियों ने रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस में प्राप्त की। देश में वर्तमान में उपलब्ध यह एकमात्र टीका है। इससे पहले, चीन ने 1 फरवरी को सिनोफार्म की 500,000 खुराक पाकिस्तान को दान की थी। इससे देश में एक दिन बाद टीकाकरण अभियान शुरू हुआ। इससे पहले राष्ट्रपति आरिफ अल्वी भी वैक्सीन लगवा चुके हैं। पाकिस्तान में अब तक 615,810 मामले सामने आ गए हैं। यहां 10 मार्च को आम जनता का टीकाकरण शुरू हुआ। 60 साल के ऊपर के लोगों का टीकाकरण हो रहा है। फरवरी की शुरुआत में स्वास्थ्य कर्मचारियों को टीकाकरण शुरू हुआ था। अल जज़ीरा के अनुसार, पाकिस्तान में टीकाकरण की गति धीमी रही है। लोग टीका लगवाने से कतरा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार पाकिस्तान को इस महीने एस्ट्राजेनेका के 2.8 मिलियन डोज मिलने वाला है। गावी फाउंडेशन यह वैक्सीन मुहैया कराने वाला है। सिनोफर्म और

एस्ट्राजेनेकाके अलावा, पाकिस्तान ने रूस के स्पुतनिक और चीन के कैनसीनो बायोलॉजिक्स इंक के टीके को आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी दे दी है।

दिल्ली सरकार ने बदला 'मुख्यमंत्री घर घर राशन योजना' का नाम, केजरीवाल ने किया एलान

नई दिल्ली। राशन की डोर स्टेप डिलीवरी योजना यानी मुख्यमंत्री घर घर राशन योजना में आए व्यवधान को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने राशन की डोर स्टेप डिलीवरी योजना का नाम बदला है। पहले इस योजना का नाम रखा गया था मुख्यमंत्री घर घर राशन योजना। अब योजना का नाम नहीं होगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब पहले की तरह ही राशन योजना रहेगी। उसी के तहत लोगों को घर घर राशन दिया जाएगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार को नाम पर आपत्ति थी, इसलिए नाम हटाया गया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सोमवार को हमने कैबिनेट बैठक बुलाई है, केंद्र की जो भी शर्तें हैं उन्हें मानेंगे, कैबिनेट फैसला लेकर केंद्र के पास भेज देंगे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अब कोई अड़चन नहीं आएगी। हमें कोई श्रेय नहीं लेना है। हमारा उद्देश्य लोगों को घर घर राशन पहुंचाना है। यह हमारा 22 साल पुराना सपना है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना 25 मार्च से शुरू होना था, लेकिन शुक्रवार को हमारे पास केंद्र सरकार की तरफ से एक चिट्ठी आई है कि ये योजना लागू नहीं कर सकते क्योंकि योजना का नाम मुख्यमंत्री था। तो आज हमने इस पर बैठक की और अब इस योजना का कोई नाम नहीं है,हमें कोई क्रेडिट नहीं चाहिए।बता दें कि केंद्र सरकार की आपत्ति के बाद शनिवार को इस पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई गई थी। इसमें दिल्ली के खाद्य मंत्री इमरान हुसैन भी मौजूद थे।

केंद्र की आपत्ति

केंद्रीय उपभोक्ता मंत्रलय के संयुक्त सचिव एस जगन्नाथन ने दिल्ली सरकार के खाद्य आपूर्ति आयुक्त को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि एनएफएसए के तहत जारी किए गए अनाज को किसी और नाम से या शब्दावली में बदलाव कर प्रचारित व वितरित नहीं किया जा सकता। इसमें बदलाव केवल संसदीय कार्यवाही से ही संभव है। ऐसे में दिल्ली सरकार एनएफएसए के नाम में कोई बदलाव न करे। पत्र में आगे कहा गया है कि यदि राज्य सरकार चाहे तो अनुदानित खाद्यान की मात्र और इस पर अनुदान बढ़ा सकती है, साथ ही इसमें अन्य वस्तुएं भी जोड़ सकती है। लेकिन, एनएफएसए का नाम बदलने से लाभार्थियों के बीच भ्रम की स्थिति भी पैदा हो सकती है।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर एक फीसद के करीब पहुंची, अस्पतालों में बढ़ी मरीजों की संख्या

नई दिल्ली। राजधानी में कोरोना का संक्रमण बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इससे पिछले कुछ दिनों से नए मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। स्थिति यह है कि 80 दिन बाद दिल्ली में कोरोना के नए मामले 700 के पार पहुंच गए। वहीं, संक्रमण दर भी एक फीसद के करीब पहुंच गई है। 716 नए मामले आए। इससे पहले 29 दिसंबर को 703 मामले आए थे। 24 घंटे में 471 मरीज ठीक हुए हैं, जबकि चार मरीजों की मौत हो गई।

कोरोना के मामले बढ़ने के कारण अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या दोगुने से भी ज्यादा हो गई है। 26 फरवरी को अस्पतालों में कोरोना के 400 मरीज भर्ती थे, जबकि मौजूदा समय में 820 मरीज भर्ती हैं। इनमें से 155 मरीज आइसीयू में भर्ती हैं। पांच मरीज कोविड केयर सेंटर में भर्ती हैं। इसके अलावा 1624 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। 83.89 फीसद बेड खालीकोरोना के इलाज के लिए अस्पतालों में अभी कुल 5711 बेड आरक्षित हैं। इसमें से 4791 बेड खाली है। इस तरह 83.89 फीसद बेड अभी खाली है।

निर्भया कांड में भोर से पहले न्याय के मंदिर में बजी थी मौत की घंटी

नई दिल्ली। इंसानियत को शर्मसार कर देने वाले निर्भया कांड के दोषियों को फांसी के तख्त पर पहुंचाने के लिए 20 मार्च 2020 की भोर से पहले न्याय के मंदिर में मौत की घंटी बजी। ऐसा करने में भले ही सात साल लग गए, लेकिन निर्भया और उसके परिवार को इंसाफ मिला। 19 मार्च को दोषियों के वकील एपी सिंह सुबह से लेकर रात तक कभी पटियाला हाउस, कभी हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट तो कभी जजों के घर के चक्कर लगाते रहे, ताकि डेथ वारंट पर रोक लगवा सकें।

कानून का हर पैंतरा आजमाया, लेकिन दोषियों को फांसी के फंदे पर झूलने से नहीं बचा सके। यह अपने आप में ऐसा मामला था जिसमें चार बार डेथ वारंट जारी हुआ। आखिरी डेथ वारंट के खिलाफ दायर अर्जी पर सुनवाई के लिए 20 मार्च की तड़के तीन बजे सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई और एक के बाद एक दलील को नकराते हुए साढ़े तीन बजे डेथ वारंट पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया गया। इसके बाद साढ़े पांच बजे चारों दोषियों को फांसी दे दी गई।

7 जनवरी, 2020 को दोषी अक्षय सिंह, मुकेश सिंह, पवन गुप्ता और विनय शर्मा के खिलाफ पहला डेथ वारंट जारी हुआ और फांसी की तारीख 22 जनवरी मुकर्रर की गई। इस पर रोक लगने के बाद 17 जनवरी को दूसरा डेथ वारंट जारी हुआ और फांसी 11 फरवरी के लिए तय हुई। लेकिन इस डेथ वारंट पर भी रोक लग गई और इसके बाद तीसरा डेथ वारंट तीन मार्च के लिए जारी हुआ। यह डेथ वारंट भी आखिरी साबित नहीं हुआ। चौथा और आखिरी डेथ वारंट 20 मार्च को फांसी के लिए जारी हुआ।

कोरोना देश में: महाराष्ट्र में लगातार दूसरे दिन 25 हजार से ज्यादा केस; मुंबई में पहली बार एक दिन में 3 हजार से ज्यादा मामले आए

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। सबसे खराब स्थिति महाराष्ट्र की है। यहां शुक्रवार को 25,681 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। यह संख्या देश में कुल मिले मरीजों में करीब 63त्न है। इससे पहले गुरुवार को भी राज्य में 25,833 मामले सामने आए थे।

वहीं, मुंबई में भी हालात बिगड़ते जा रहे हैं। यहां पहली बार एक दिन में 3,063 लोग कोरोना पॉजिटिव आए। यह कोरोना की शुरुआत के बाद से अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले गुरुवार को ही रिकॉर्ड 2877 केस मिले थे। यहां अब तक कुल 3.55 लाख संक्रमित हो चुके हैं। इस दौरान 3.24

लाख लोग ठीक हुए और 11 हजार से ज्यादा लोगों की मौत भी हुई है।

सूरत में वीकेंड पर टेक्सटाइल मार्केट बंद रहेगा

गुजरात की हीरानगरी सूरत में शुक्रवार को रिकॉर्ड 450 केस आए। इसके बाद मनपा ने टेक्सटाइल मार्केट को शनिवार-रविवार बंद करने के निर्देश दिए हैं। मार्केट से जुड़े ज्यादातर कामगार आसपास के इलाकों से आते हैं और ज्यादातर दुकानें भी तंग गलियों में हैं। ऐसे में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना मुश्किल हो जाता है। इसके बाद प्रशासन ने वीकेंड पर मार्केट बंद करने का फैसला किया।

बिना मास्क के कार्यक्रम में पहुंचे पंजाब के DGP

चंडीगढ़ में भी कोरोना की रफ्तार अब तेज हो गई है। यहां पिछले 3 दिनों से 200 से ज्यादा संक्रमित मिल रहे हैं। इसके मद्देनजर प्रशासक वीके सिंह बदनोर ने संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए जरूरी एहतियात बरतने के निर्देश दिए, लेकिन उनकी सलाह उनके सलाहकार मनोज परीदा ही नहीं मान रहे हैं। वे एक कार्यक्रम में बिना मास्क पहने शरीक हुए। कार्यक्रम करीब 45 मिनट चला। इस दौरान उन्होंने एक बार भी मास्क नहीं पहना। कार्यक्रम में उनकी पत्नी और पंजाब के DGP भी बिना मास्क के दिखाई दिए।

देश में बीते दिन 40 हजार से ज्यादा केस आए

देश में बीते 24 घंटे में 40,906 नए संक्रमित मिले, 23,623 ठीक हुए और 188 की मौत हो गई। इस तरह एक्टिव केस, यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में 17,091 की बढ़ोतरी हुई। नए संक्रमितों का आंकड़ा 28 नवंबर के बाद सबसे ज्यादा है। तब एक दिन में 41,815 मरीज मिले थे।

देश में अब तक 1.15 करोड़ लोग इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। इनमें से 1.11 करोड़ ठीक हुए हैं। 1.59 लाख ने जान गंवाई है, जबकि 2.85 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है। ये आंकड़े covidv-india.org से लिए गए हैं।

कोरोना की वजह से कई राज्यों में 31 मार्च तक स्कूल-कॉलेज बंद, बोर्ड परीक्षाएं भी हुईं स्थगित

नई दिल्ली। कोरोना वायरस एक बार फिर डराने लगा है। बीते 24 घंटों के दौरान देश में कोरोना वायरस के 40 हजार से अधिक नए मरीज मिले हैं। बढ़ते मामलों के मद्देनजर कई राज्यों ने स्कूल-कॉलेजों को 31 मार्च तक बंद रखने का आदेश दिया है। इसके अलावा बोर्ड परीक्षाओं को भी स्थगित कर दिया गया है। महाराष्ट्र, गुजरात ,पंजाब और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू लगाया गया है।

पंजाब में 31 मार्च तक स्कूल बंद

कोरोना के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए पंजाब सरकार ने 11 जिलों में 31 मार्च तक स्कूलों और सभी शिक्षण संस्थान को बंद रखने का आदेश दिया है। हालांकि इस दौरान मेडिकल कालेज खुले रहेंगे। राज्य में होने वाली परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। इसके साथ ही सिनेमा घर, मल्टीप्लेक्स, रेस्तरां व माल रविवार को बंद रहेंगे। साथ ही घर में किसी भी आयोजन पर 10 से ज्यादा मेहमान इकट्ठा नहीं हो पाएंगे।

भोपाल, इंदौर और जबलपुर में भी स्कूल बंद

मध्य प्रदेश में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए राज्य सरकार ने 31 मार्च तक भोपाल, इंदौर और जबलपुर में स्कूल-कॉलेज बंद रखने का निर्देश दिया है। इन तीनों शहरों में शनिवार रात 10 बजे से सोमवार सुबह तक के लिए लॉकडाउन की घोषणा कर दी। इस दौरान आवश्यक सेवाएं और उद्योग चालू रहेंगे, लेकिन किसी भी प्रकार का सामाजिक समारोह बिना अनुमति के नहीं होगा।

पुडुचेरी में आठवीं तक सभी स्कूल बंदपुडुचेरी प्रशासन ने कक्षा एक से आठवीं तक के सभी स्कूलों को 22 मार्च से 31 मई तक बंद रखने का आदेश दिया है। स्कूली शिक्षा निदेशक पीटी रुद्र गौड़ की ओर से शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि यह आदेश राज्य बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई से संबद्ध सभी स्कूलों पर लागू होगा।

तमिलनाडु में अगले आदेश तक स्कूल बंद

कोरोना की रफ्तार को लेकर तमिलनाडु सरकार भी एक्शन मोड में आ गई है। राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग ने 22 मार्च से कक्षा 9वीं, 10वीं और 11वीं के छात्रों को स्कूल ना आने का आदेश दिया है। अगले आदेश तक स्कूल बंद ही रहेंगे। इसके अलावा उपरोक्त छात्रों के लिए छात्रावास भी बंद कर दिए गए हैं। हालांकि इन वर्गों के छात्रों के लिए ऑनलाइन / डिजिटल मोड से कक्षाएं जारी रहेंगी।

गैंगस्टर रामकरण बैंयापुर के घर में मिला हथियारों का जखीरा, बदमाश अजय उर्फ बिट्टू हमला मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली। सदर थानाक्षेत्र के गांव बैंयापुर में गैंगस्टर रामकरण के बंद घर की तलाशी में पुलिस ने अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपित के घर से राइफल, टूटा रिवाल्वर व 606 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने रामकरण को कोर्ट परिसर में बदमाश अजय उर्फ बिट्टू पर हुए जानलेवा हमला करने के मामले में षड्यंत्र रचने का आरोपित पाया है। घटना के बाद से रामकरण फरार है। सदर थाना पुलिस ने सिटी थाना प्रभारी के बयान पर रामकरण के खिलाफ अवैध शस्त्र अधिनियम में एक अन्य मुकदमा दर्ज किया है।

सिटी थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने सदर थाना पुलिस को शिकायत दी कि बृहस्पतिवार को रोहतक की सुनारिया जेल से अवैध शस्त्र अधिनियम में पेशी के लिए आए अजय उर्फ बिट्टू बरोणा को कैदी वाहन में रोहतक के सिपाही महेश कुमार ने तीन गोली मार दी थी। जिस पर उसे से मौके से ही गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ हत्या के प्रयास व अवैध शस्त्र अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपित ने स्वीकार किया है कि उसने रामकरण बैंयापुर के कहने पर वारदात को अंजाम दिया। इसके लिए रामकरण ने ही उसे अवैध हथियार व 50 हजार रुपये दिए थे। जिस पर रामकरण को इस मामले में षड्यंत्र रचने का आरोपित बनाया गया है। पुलिस ने उसके घर की तलाशी लेने के लिए सीजेएम सौरभ गुप्ता की कोर्ट से सर्च वारंट लिया और तहसीलदार मनोज अहलावत को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया। पुलिस ने रामकरण के घर की तलाशी के दौरान 315 बोर के 140 कारतूस, 12 बोर के 91 कारतूस, 32 बोर के 320 कारतूस, 7.62 बोर के 10 कारतूस, 9एमएम के दो कारतूस, 5.56 बोर के 3 कारतूस, एफएमजी के 40 कारतूस, एक खोल, टूटा रिवाल्वर, तीन खाली मैगजीन, एक राइफल 315 बोर बरामद हुई। एसएचओ देवेंद्र के बयान पर सदर थाना पुलिस ने अवैध शस्त्र अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दिल्ली में बढ़ी गौरैया की चहचहाहट, लॉकडाउन भी बना एक बड़ी वजह

नई दिल्ली। सभ्यता के विकास के साथ मनुष्यों की उत्पत्ति की सहचरी रही गौरैया के लिए लॉकडाउन ने देश की राजधानी दिल्ली में मुफीद माहौल उपलब्ध कराया है। ऐसे में दिल्ली की राज्य पक्षी गौरैया की चहचहाहट बढ़ी है। यमुना के तराई वाले इलाकों के साथ अब शहरी क्षेत्रों में इसकी चहचहाहट सुनाई देने लगी है, जबकि हाल के वर्षों तक ऐसे क्षेत्रों से भी यह करीब करीब विलुप्त हो गई थी। पर्यावरण से जुड़े विशेषज्ञ कहते हैं कि लॉकडाउन के दौरान वापस आया प्राकृतिक स्वरूप इसकी खास वजह है। यही वजह है कि गत साल लॉकडाउन में मई-जून माह में पहले की तुलना में यह बहुतायत में दिखाई देने लगीं।

दरअसल, राजधानी दिल्ली में आवासीय ह्रास के चलते विलुप्त होती जा रही इस पक्षी को लाकडान के दौरान बेहतर माहौल मिला तो इसके प्रजनन दर में बढ़ोतरी हुई। यही वजह है कि चार दिन पूर्व भी यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क में एक साथ 80 गौरैया का झुंड देखने को मिला। पर्यावरणविद कृषि व पर्यावरण संतुलन के लिहाज से इसे एक सुखद संकेत मान रहे हैं और चाहते हैं कि लोग गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूक होकर उचित वातावरण तैयार करने में मददगार बनें। यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क के प्रभारी विज्ञानी डॉ. फैयाज खुदसर बताते हैं कि बढ़ते ध्वनि व वायु प्रदूषण के साथ कंक्रीट की ऊंची इमारतों ने दिल्ली जैसे शहरों में गौरैया के प्राकृतिक पर्यावास को छीन लिया और समय के साथ यह पक्षी दुर्लभ होती चली गई, लेकिन लाकडाउन की अवधि इसके लिए एक तरह से वरदान साबित हुई और इसकी संख्या में इजाफा हुई। अभी हाल में ही राजधानी दिल्ली के बायोडायवर्सिटी पार्कों में पक्षियों की गणना हुई तो उसमें पिछले सालों की तुलना में गौरैया की संख्या में संतोषजनक वृद्धि देखी गई।

यहां पर बता दें कि दिल्ली सरकार ने वर्ष 2102 में गौरैया चिड़िया को राज्य पक्षी घोषित किया था, साथ ही 15 अगस्त 2012 को राज्य सरकार ने गौरैया के संरक्षण के लिए अभियान चलाने का निर्णय भी लिया था। चिड़िया गौरैया को दिल्ली का राज्य पक्षी घोषित करने का उद्देश्य उसके अस्तित्व को बचाना है। गौरैया के संरक्षण के लिए मुंबई की संस्था नेचर फॉरएवर सोसायटी द्वारा दिल्ली सरकार को विशेषज्ञता और डेटा उपलब्ध कराती है। वीहं, दिल्ली के निवासी

आम बोली में गौरैया को चिड़िया भी कहते हैं। दिल्ली के कई क्षेत्रों में अचानक गौरैया की संख्या में काफी कमी आई है और कुछ इलाकों में तो यह लगभग लुप्त हो चुकी हैं।सभ्यता के विकास के साथ मनुष्यों की उत्पत्ति की सहचरी रही गौरैया के लिए लॉकडाउन ने देश की राजधानी दिल्ली में मुफीद माहौल उपलब्ध कराया है। ऐसे में दिल्ली की राज्य पक्षी गौरैया की चहचहाहट बढ़ी है। यमुना के तराई वाले इलाकों के साथ अब शहरी क्षेत्रों में इसकी चहचहाहट सुनाई देने लगी है, जबकि हाल के वर्षों तक ऐसे क्षेत्रों से भी यह करीब करीब विलुप्त हो गई थी। पर्यावरण से जुड़े विशेषज्ञ कहते हैं कि लॉकडाउन के दौरान वापस आया प्राकृतिक स्वरूप इसकी खास वजह है।

बदलेगा यूपी, दिल्ली और हरियाणा समेत कई राज्यों का मौसम, अगले 3 दिनों में हो सकती है तेज बारिश

नई दिल्ली। अब अगले दो तीन दिनों में समूचे उत्तर भारत सहित दिल्ली-एनसीआर में भी अच्छी बारिश की संभावना बनी हुई है। इससे आंशिक रूप से ही सही, गर्मी से राहत मिलेगी। इस बीच शनिवार को न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। स्काईमेट वेदर के प्रमुख मौसम विज्ञानी महेश पलावत के अनुसार, इन दिनों पश्चिमी विक्षोभ का असर बना हुआ है। इससे दो तीन दिनों में पंजाब, हरियाणा एवं चंडीगढ़ सहित दिल्ली में ठीकठाक बारिश होने की संभावना है। वहीं 25 मार्च से उत्तर भारत से आने वाली हवा भी दिल्ली वासियों को तेज गर्मी से कुछ राहत प्रदान करेगी। इससे तापमान में भी कमी आएगी।

इससे पहले राजधानी दिल्ली में एक बार फिर धूप से गुफ्तगू कर बादल लौट गए। नतीजतन सूरज की तपिश के कारण तापमान जहां 34 डिग्री सेल्सियस पार कर गया। वहीं, सुबह और शाम के समय भी गर्मी का एहसास होने लगा है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बारिश की उम्मीद जताई थी। इससे दिल्ली वालों को लगा कि मार्च के महीने में पड़ रही रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, कई बार बादल छाने के बावजूद बारिश नहीं हुई।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक 34.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 30 से 85 फीसद रहा। दिल्ली का स्पोर्ट्स कांप्लेक्स इलाका 36.6 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म दर्ज किया गया। यहां का न्यूनतम तापमान भी 24 डिग्री सेल्सियस रहा।

दिल्ली-एनसीआर की हवा में हुआ सुधार

राजधानी की हवा में सुधार दर्ज हुआ है, जबकि एनसीआर में शामिल अमूमन सभी शहरों की हवा बहुत खराब श्रेणी में रही। अगले 48 घंटों में एनसीआर की हवा में भी सुधार होने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर क्वालिटी इंडेक्स के अनुसार दिल्ली का एयर

क्वालिटी इंडेक्स 279 दर्ज किया गया। एनसीआर में शामिल गुरुग्राम की हवा भी 272 एयर इंडेक्स के साथ खराब श्रेणी में ही रही। वहीं, एनसीआर में शामिल अन्य सभी शहरों की हवा बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई। सफर के अनुसार, इन दिनों दक्षिण-पश्चिम दिशा से आने वाली धूल भरी हवा पीएम 10 की मात्र को बढ़ा रही हैं। इस वजह से प्रदूषण का स्तर बहुत खराब श्रेणी में बना हुआ है। अगले 48 घंटे में हवा की गुणवत्ता में सुधार आने की संभावना है। इसके बाद हवा खराब श्रेणी के निचले स्तर में पहुंच सकती है।

बारापुला एलिवेटेड कारिडोर फेज-तीन के बहुरेंगे दिन, राजस्व विभाग ने उपराज्यपाल से मांगी अनुमति

नई दिल्ली। वर्षों से अटकी बारापुला एलिवेटेड कारिडोर फेज-3 परियोजना के दिन बहुरने वाले हैं। छह माह के अंदर इस परियोजना के लिए जमीन मिलने की उम्मीद जग गई है। जमीन के अधिग्रहण की अंतिम प्रक्रिया पूरी करने के लिए राजस्व विभाग ने उपराज्यपाल से अनुमति मांगी है। इसके तहत जमीन के अधिग्रहण के लिए अधिसूचना जारी होनी है। इसके बाद किसानों की जमीन अधिग्रहण का काम शुरू हो जाएगा। इस जमीन के कारण परियोजना के एक भाग में सात साल बाद भी काम शुरू नहीं हो सका है। करीब साढ़े आठ एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया

जाना है। बारापुला फेज-3 परियोजना का 23 सितंबर 2014 को शिलान्यास हुआ था। इस काम को सितंबर 2017 में पूरा किया जाना था। मगर परियोजना के बीच की करीब साढ़े आठ एकड़ जमीन पर किसानों ने अपना दावा कर दिया था, जिससे यमुना खादर में काम रुका हुआ है। परियोजना के लिए जो जमीन चाहिए है उनमें एक भाग के टुकड़े पर दो पिलर बनने हैं। इस जमीन के लिए राजस्व विभाग ने यमुना खादर में गत अगस्त में पैमाइश की थी। परियोजना के नक्शे और जमीन के रकबे का मिलान किया गया है।

पीडब्ल्यूडी को मिला 100 मीटर का भाग: परियोजना के तहत जो दो टुकड़ों में किसानों की जमीन का दावा किया जा रहा था, उसमें एक टुकड़ा करीब एक सौ मीटर का है। इस पर अब कोई विवाद नहीं है, क्योंकि पैमाइश में यह जमीन सरकारी निकली है। यह भाग कागजों में पीडब्ल्यूडी को मिल चुका है। इसकी मौके पर किसानों को साथ लेकर हद निर्धारित की जानी है। जमीन मिलने के बाद इस परियोजना का काम पूरा करने में कम से कम डेढ़ साल और लगेगा।

क्या है योजना

बारापुला के तीसरे फेज में सराय काले खां से मयूर विहार तक एलिवेटेड कारिडोर का निर्माण किया जाना है। इसकी लंबाई साढ़े तीन किलोमीटर है। यह कारिडोर आठ लेन का है, जिसकी चौड़ाई 35 मीटर है। इसके तैयार होने पर मयूर विहार से एम्स तक साढ़े नौ किलोमीटर रोड सिग्नल फ्री हो जाएगी। कारिडोर का ढांचा बनाने का 90 फीसद से अधिक काम पूरा हो चुका है।

हैप्पीनेस कक्षाओं ने बदली युवाओं की जिंदगी

नई दिल्ली। युवाओं को चिंता, हताशा और निराशा के गर्त से निकालने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय संबद्ध रामानुजन कॉलेज ने स्कूल आफ हैप्पीनेस की शुरुआत की है। इसका सकारात्मक असर युवाओं पर दिखा है। छह माह के हैप्पीनेस पाठ्यक्रम के भागी बने युवा कोरोना काल में न केवल आशावादी बने रहे, बल्कि उन्होंने बढ़-चढ़कर दूसरों की मदद भी की। कॉलेज के एक सर्वे में छात्रों ने भी माना कि हैप्पीनेस कक्षाओं ने उनकी सोच बदल दी है। स्कूल आफ हैप्पीनेस विभाग के प्रमुख डा. टीके मिश्र ने बताया कि पाठ्यक्रम के जरिये युवाओं में सकारात्मक सोच का संचार करते हैं। युवाओं में अकेलापन, असुरक्षा, अविश्वास, अंहकार ज्यादा है। उनकी इस सोच व प्रवृत्ति को हमने बदला। हैप्पीनेस पाठ्यक्रम के केंद्र बिंदु में शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य और अध्यात्म है। हम इन्हीं तीनों के जरिये युवाओं की जिंदगी बदलने की कोशिश करते हैं। योग भी पाठ्यक्रम का अहम हिस्सा है। रामानुजन कॉलेज की कक्षाओं का युवाओं पर सकारात्मक असर हो रहा है। डॉ. टीके मिश्र कहते हैं कि हैप्पीनेस कक्षाओं का दूसरा बैच फरवरी से शुरू हुआ है। कॉलेज हैप्पीनेस प्रैक्टिशनर तैयार करने में जुटा हुआ है। सकारात्मक ऊर्जा से लबरेज युवा कॉरपोरेट जगत के काफी काम आ सकते हैं। ये कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने में मददगार होंगे। इसमें एक अमेरिकी समेत कई अन्य कंपनियों ने इस अवधारणा में दिलचस्पी दिखाई है। नर्सिंग, ग्राहक संतुष्टि, पर्यटन सरीखे क्षेत्रों में इसकी काफी मांग है। बता दें कि हैप्पीनेस की कक्षाएं दिल्ली सरकार के स्कूलों में भी चल रही हैं। बच्चों को इसका काफी फायदा भी मिल रहा है। शिक्षक एवं बच्चे दोनों की सरकार के इस नए नए प्रयोग का भरपूर लाभ उठा रहे हैं। केजरीवाल सरकार के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया इस योजना पर काफी ध्यान भी दे रहे हैं।

संपादकीय

आज भी बरकरार कुछ मुगालते

करीब एक साल पहले 22 मार्च, 2020 को कोरोना वायरस के प्रसार को थामने की पहली कोशिश के रूप में हमने 'स्वेच्छा से जनता कर्फ्यू' का पालन किया था। इससे लगभग दो महीने पहले 30 जनवरी को ही अपने यहां इस वायरस का पहला मरीज मिल चुका था। जनता कर्फ्यू के बाद हमने 'ताली व थाली' बजाए और 'दीये' जलाए। फिर भी, वायरस अपनी गति आगे बढ़ाता रहा। नतीजतन, 24 मार्च को केंद्र सरकार ने 21 दिनों के लॉकडाउन की घोषणा की। उस वक्त देश में कोविड-19 मरीजों की संख्या 500 के करीब थी। 21 दिनों की उस पूर्ण बंदी का क्या गणित था, यह तो अब भी रहस्य है। मगर वायरस के प्रसार में जो तेजी आई, वह आश्चर्यजनक थी, क्योंकि महज नौ हफ्ते पहले देश में कोरोना के बमुश्किल एकाध मामले थे। परिणामस्वरूप, कोविड-19 प्रभावित इलाकों में कई तरह के प्रतिबंध आयद कर दिए गए। अप्रैल के पहले सप्ताह में जहां छह दिन में पॉजिटिव मामले दोगुने हो रहे थे, वे तीसरे हफ्ते में बढ़कर आठ दिन हो गए। यह सकारात्मक रुझान था, जिसके कारण विशेषज्ञों ने लॉकडाउन बढ़ाने का सुझाव दिया था। मगर दूसरी तरफ, जिन 16 सबसे अधिक संक्रमित देशों में कम से कम तीन हफ्तों का लॉकडाउन लगाया गया था, उनमें जर्मनी, फ्रांस, इटली जैसे ज्यादातर यूरोपीय देशों के बाद भारत सातवें स्थान पर था। लॉकडाउन का सबसे ज्यादा फायदा केरल ने उठाया। वहां मरीजों के बढ़ने की रोजाना की दर 6.8 प्रतिशत थी, जबकि तमिलनाडु में 23.1 प्रतिशत। दिल्ली, आंध्र व जम्मू-कश्मीर में भी 20 फीसदी से अधिक की दर से रोज नए मामले सामने आ रहे थे। अतः लॉकडाउन को लगातार बढ़ाया जाता रहा। पहले 14 अप्रैल तक, फिर 3 मई तक, फिर 17 मई तक, फिर 31 मई तक यह बढ़ाया जाता रहा। सरकार ने यह भी कहा कि चरणबद्ध तरीके से इसे हटाया जाएगा, लेकिन कंटेनमेंट जोन में 30 जून तक लॉकडाउन बना रहा। 8 जून से अनलॉक की चरणबद्ध प्रक्रिया शुरू हुई, जो अब भी जारी है।

राज्य मशीनरी बेशक अपनी पीठ थपथपाए कि उन्होंने कोरोना के खिलाफ एक 'अच्छी योजना' बनाई थी, मगर सच्चाई कुछ अलग है। लॉकडाउन का जैसे-जैसे विस्तार हुआ, वह और अधिक सख्त होता गया। बाद के महीनों में तो मास्क न पहनने पर 2,000 रुपये तक के जुर्माने की व्यवस्था की गई। इस तरह के जुर्माने ने जाहिर तौर पर राज्य के खजाने को बढ़ाने का काम किया। यह समझना होगा कि यदि देखभाल करने के बजाय सरकारों की नीयत सजा देने की हो, तो संक्रमण के वास्तविक मामलों की जानकारी नहीं मिल पाती। लोग बीमारी को छिपाने का प्रयास करते हैं। यही वजह है कि हॉटस्पॉट पर संक्रमण का प्रसार न होने और नए हॉटस्पॉट न बनने की सूरत में 20 अप्रैल, 2020 से लॉकडाउन में छूट देने का एलान कारगर नहीं रहा। खुद सरकारी आंकड़े बताते हैं कि उस दिन देश भर में संक्रमित मरीजों की संख्या 17,890 थी, जिनमें से 1,500 मरीज (8.5 प्रतिशत) कोरोना की जंग जीत चुके थे और 587 मरीज (3.3 प्रतिशत) बचाए नहीं जा सके थे, जबकि 14 अप्रैल तक मृत्यु-दर महज 0.3 प्रतिशत थी। आम लोगों में जहां इस बीमारी के 'सामाजिक कलंक' को लेकर डर व संशय था, वहीं स्वास्थ्यकर्मियों की अलग चिंता थी। दिल्ली के अस्पतालों में कोविड वार्डों में सेवारत स्वास्थ्यकर्मियों की पिटाई और केरल में एअर इंडिया के पायलटों को मकान मालिकों द्वारा घर खाली करने के लिए मिल रही नोटिस खबरों में रहीं। राज्यसभा में पिछले दिनों बेशक सरकार ने माना कि 22 जनवरी, 2021 तक 162 डॉक्टर सहित 313 स्वास्थ्यकर्मी कोरोना की भेंट चढ़ चुके हैं, लेकिन अक्तूबर, 2020 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कहा था कि कम से कम 515 डॉक्टर कोरोना मरीजों का इलाज करते हुए अपनी जान गंवा चुके हैं। परिजनों की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्यकर्मी अपने घरों से भी दूर रहे। यहां तक कि नवजात और छोटे बच्चों को छोड़कर भी डॉक्टरों ने देश की सेवा की। इन दिनों मातृ और बाल स्वास्थ्य केंद्रों सहित अन्य आवश्यक सेवाएं कमोबेश बंद रहीं, जिसका प्रतिकूल असर पड़ा और लॉकडाउन के दौरान 'होम डिलिवरी' में खासा वृद्धि हुई। माताओं व बच्चों के नियमित टीकाकरण भी छूट गए, जिसके भयावह नतीजे आने वाले दिनों में दिख सकते हैं।

बाद के महीनों में जांच में तेजी आई, तो प्लाज्मा थेरेपी को इलाज के विकल्प के रूप में भी अपनाया गया। इन सबके बीच कई देशों में वैक्सीन का परीक्षण चलता रहा, जिसमें भारत भी शामिल था। सुखद रहा कि 2020 के बीतते-बीतते अपने यहां भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट के टीकों के जरिए महामारी का तोड़ आ गया। अब तो ऐसी वैक्सीन आने की संभावना है, जो स्प्रे के जरिए नाक में दी जाएगी। इसके ज्यादा असरदार होने की संभावना है। वाशिंगटन स्कूल ऑफ मेडिसिन के साथ भारत बायोटेक इस वैक्सीन पर काम कर रहा है, जिसके नतीजों के लिए फिलहाल हमें इंतजार करना होगा। यदि हम घातांक नियम के मुताबिक भारत में 50 पुष्ट संक्रमित मामलों के बाद कोरोना की वृद्धि दर देखें, तो 10 मार्च, 2020 को देश में 58 कोविड मरीज थे, जिसे दोगुने होने में महज चार दिन लगे। 20 मार्च को यह आंकड़ा 258 पर पहुंच गया। फिर अगले दो दिन में ही दोगुना हो गया। तब से कोरोना मरीजों की संख्या दो से आठ दिनों के भीतर दोगुनी होती रही है। पर संक्रमण की यह गति नहीं होती है। जब संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ती है, तो संक्रमण दर में कमी आ जाती है और बीमारी का अंत हो जाता है। कोरोना वायरस को लेकर भी यही अनुमान लगाया गया था कि जब देश की 70 फीसदी आबादी इससे संक्रमित हो जाएगी, तो इसका प्रसार खुद-ब-खुद रुक जाएगा। मगर अब आधे से अधिक भारतीयों ने इसके खिलाफ एंटीबॉडी विकसित कर ली है और टीका 81 फीसदी तक प्रभावशाली है, तो फिर दोबारा लॉकडाउन की जरूरत कैसे आ पड़ी? स्पष्ट है, जो चीज आज भी प्रासंगिक है, वह है भ्रम को दूर करना। यह टीकाकरण अभियान की सफलता के लिए भी जरूरी है और महामारी के अंत के लिए भी।

प्रवीण कुमार सिंह

चाबहार प्रोजेक्ट के जरिये भारत एक तीर से कई निशाने साध सकता है

> **ऐसे में इस परियोजना के जरिये रूस, ईरान, अफगानिस्तान के साथ भारत के संबंधों को गति मिलने के क्रम में अमेरिका के सहज दृष्टिकोण को सुनिश्चित करने की चुनौती कहीं न कहीं देखने को मिल सकती है। अमेरिका यदि आइएनएसटीसी परियोजना को सुगम रूप से चलते देख सकता है तो उसके पीछे सबसे बड़ा कारण चीन के बेल्ट रोड पहल को अप्रभावी होते देखने की मंशा है। चीन और ईरान के संबंध में भी हाल के वर्षों में गर्मजोशी आई है जिसे अमेरिका नहीं देखना चाहेगा, क्योंकि ये दोनों मिलकर मध्य-पूर्व में अमेरिकी हितों को प्रभावित कर सकते हैं।**

आइएनएसटीसी यानी इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ कॉरिडोर, ईरान के सबसे बड़े बंदरगाह बंदर अब्बास से होकर गुजरता है। भारत के विदेश मंत्री ने इस संबंध में प्रस्तावित किया है कि इस कॉरिडोर का काबुल और ताशकंद से होकर जाने वाला स्थल मार्ग आइएनएसटीसी के पूर्वी गलियारे का निर्माण करे। एक तरह से यूं कहें कि भारत अपने कुछ भू-सामरिक और भू-आर्थिक हितों को ध्यान में रखकर इस अंतरराष्ट्रीय गलियारे के एक पूर्वी गलियारे का निर्माण चाहता है जो अफगानिस्तान से होकर जाएगा। इस प्रोजेक्ट में ईरान और मध्य पूर्व की भू-आर्थिकी को मजबूत आधार देने की क्षमता है। इसलिए ईरान का मानना है कि इसमें अगर चाबहार प्रोजेक्ट को भी शामिल कर लिया जाए तो ईरान सहित इस क्षेत्र को बड़ा व्यापारिक लाभ होगा। अब ईरान इस सपने को हकीकत में बदलने के लिए भारत का सहयोग चाहता है। ईरान को याद है कि भारत ने कुछ वर्ष तुर्कमेनिस्तान को अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण गलियारे का भाग बनाने का प्रस्ताव किया था।

परियोजना की संकल्पना - आइएनएसटीसी प्रोजेक्ट को शुरू करने की योजना मूल रूप से भारत, रूस और ईरान ने वर्ष 2000 में सेंट पीटर्सबर्ग में बनाई थी। इसे एक मल्टी मॉडल परिवहन प्रोजेक्ट के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई थी। यानी इसे जहाज, रेल और सड़क मार्ग के रूप में विकसित किया जाना है। भारत, रूस और ईरान के अलावा इसमें 10 अन्य सदस्य (कुल 13) व एक पर्यवेक्षक सदस्य देश शामिल हैं। इसमें 10 मध्य एशियाई और पश्चिम एशियाई देशों अजरबैजान, आर्मीनिया, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, टर्की, यूक्रेन, बेलारूस, ओमान और सीरिया सदस्य हैं। आइएनएसटीसी भारत के

लिए मध्य एशिया और यूरेशिया के संसाधन समृद्ध क्षेत्र से जुड़ने के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। यह भारत के 2012 में शुरू किए गए कनेक्ट सेंट्रल एशिया पॉलिसी में निहित प्रमुख उद्देश्य यानी मध्य एशिया के देश से मजबूत संबंध निर्माण को साकार करेगा। भारत, अफगानिस्तान और पश्चिम की ओर संपर्क में बड़ा रोड़ा पाकिस्तान रहा है। इस समस्या से निजात दिलाने में भारत को आइएनएसटीसी से मदद मिलेगी, क्योंकि यह कॉरिडोर ईरान के बंदरगाहों चाबहार और बंदर अब्बास तक एक प्रत्यक्ष लिंक उपलब्ध कराता है और ईरान को भी पाकिस्तान अवरोध से परे जाने का अवसर देता है। गौरतलब है कि अफगानिस्तान को भारत से व्यापार के लिए भूमि संपर्क प्रदान करने में पाकिस्तान बाधा उत्पन्न करता रहा है, जबकि इन दोनों के मध्य ट्रांजिट एंड ट्रेड एग्रीमेंट पर वर्ष 1965 में हस्ताक्षर हुआ था जिसमें प्रविधान किया गया था कि अफगानिस्तान पाकिस्तान के कराची बंदरगाह का इस्तेमाल कर किसी अन्य देश को निर्यात-आयात कर सकेगा। समझौते में पाकिस्तान के मध्य एशिया के देशों के साथ व्यापार के लिए अफगान भू-क्षेत्र के इस्तेमाल करने का भी प्रविधान है।

पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान को भारत से व्यापार के लिए भू-संपर्क नहीं देने की चुनौती से निपटने के लिए भारत और अफगानिस्तान द्वारा 2017 में एयर फ्रेट कॉरिडोर खोला गया था जिसके जरिये बिना पाकिस्तानी मार्ग का प्रयोग किए भारत और अफगानिस्तान के मध्य व्यापार के लिए वायु मार्ग अपनाया गया। इससे वैकल्पिक व्यापारिक मार्गो के खोले जाने का महत्व भी स्पष्ट होता है। इसी प्रकार तापी गैस पाइपलाइन परियोजना में यदि पाकिस्तान का उचित सहयोग नहीं मिलता है तो भी आइएनएसटीसी को तुर्कमेनिस्तान, अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्थाओं के विकास में प्रभावी भूमिका निभाने का अवसर हमेशा विद्यमान रहेगा। आइएनएसटीसी परियोजना का एक बड़ा लाभ भारत और रूस के रिश्ते को मजबूती देने के रूप में हो सकता है। वर्ष 2014 के बाद से जिस प्रकार रूस ने भारत की विदेश नीति में अपने लिए गर्मजोशी की कमी का अनुभव किया, उसे भरने में इस परियोजना की बड़ी भूमिका हो सकती है। रूस को लगता रहा है कि भारत ने अमेरिका के साथ अपनी सामरिक आर्थिक साझेदारी को बढ़ाने पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया है। वर्ष 2014 के बाद से रूस ने पाकिस्तान से अपने संबंध बढ़ाने शुरू कर दिए थे। भारत-रूस के मध्य 2018 में वस्तु और सेवाओं का द्विपक्षीय वार्षिक व्यापार 8.2 अरब डॉलर था जिसे 2025 तक बढ़ाकर 30 अरब डॉलर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वहीं भारत और अमेरिका के मध्य द्विपक्षीय व्यापार वर्तमान में 149 अरब डॉलर पहुंच गया है जिसे दोनों देश निकट भविष्य में बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य तय कर चुके हैं। भारत और अमेरिका का प्रतिरक्षा व्यापार भी वार्षिक स्तर पर 20 अरब डॉलर हो गया है। ये आंकड़े बताते हैं कि भारत की विदेश नीति में रूस को पुनः यथोचित स्थान देने की जरूरत है और इसमें आइएनएसटीसी परियोजना का क्रियान्वयन एक प्रभावी भूमिका निभा सकता है। आइएनएसटीसी का एक बड़ा लाभ भारत को यह मिल सकता है कि वह इसके जरिये कई क्षेत्रों में चीन की बढ़ती उपस्थिति पर लगाम लगा सकता है। चाबहार में भारत द्वारा विकसित किए जा रहे बंदरगाह से भारत की मध्य एशिया में भी मजबूत उपस्थिति सुनिश्चित होती है। पाकिस्तानी ग्वादर बंदरगाह के पश्चिम में महज 72 किमी की दूरी पर स्थित चाबहार भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की उपस्थिति को प्रतिसंतुलित करने का अवसर देता है। भारत ने अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने को आवश्यक माना है और स्थलरुद्ध देश अफगानिस्तान को अपने व्यापार संभावनाओं से जुड़ने और पाकिस्तान पर अपनी निर्भरता को कम करने के लिहाज से अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण गलियारा एक गेम चेंजर की भूमिका निभा सकता है। यहां यह भी समझना आवश्यक है कि आइएनएसटीसी की सफलता में ईरान की केंद्रीय भूमिका है और इस भूमिका को अधिक से अधिक दिशा देने के लिए भारत और रूस को कार्य करना होगा व ऐसे में दोनों के सामने सबसे बड़ी संभावित चुनौती ईरान मुद्दे पर अमेरिका के दृष्टिकोण के जरिये देखने को मिल सकती है। अमेरिका ने भारत-ईरान और भारत-रूस ऊर्जा व प्रतिरक्षा संबंधों से नाराज होकर 2019 में भारत को जेनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रिफरेंस की सूची से बाहर निकालकर भारत को अमेरिकी बाजार से मिलने वाले आर्थिक लाभ से वंचित कर दिया था। यह जरूर है कि वह राष्ट्रपति ट्रंप का दौर था जिन्हें कई अवसरों पर गैर जिम्मेदारी से काम करने का दोषी पाया गया था, लेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि बाइडन प्रशासन अमेरिका के सर्वोच्च हितों के लिए संरक्षणवादी नीतियां अपनाने से नहीं हिचकेंगे। ऐसे में इस परियोजना के जरिये रूस, ईरान, अफगानिस्तान के साथ भारत के संबंधों को गति मिलने के क्रम में अमेरिका के सहज दृष्टिकोण को सुनिश्चित करने की चुनौती कहीं न कहीं देखने को मिल सकती है। अमेरिका यदि आइएनएसटीसी परियोजना को सुगम रूप से चलते देख सकता है तो उसके पीछे सबसे बड़ा कारण चीन के बेल्ट रोड पहल को अप्रभावी होते देखने की मंशा है। चीन और ईरान के संबंध में भी हाल के वर्षों में गर्मजोशी आई है जिसे अमेरिका नहीं देखना चाहेगा, क्योंकि ये दोनों मिलकर मध्य-पूर्व में अमेरिकी हितों को प्रभावित कर सकते हैं।

खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी, लिहाजा इसे गंभीरता से लिया जाए

असम, बंगाल और उत्तर प्रदेश के बाद अब मध्य प्रदेश की सरकार ने मिलावट पर रोक लगाने का कड़ा फैसला किया है। मध्य प्रदेश सरकार ने एक खास अभियान के तहत खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों को आजीवन कारावास की सजा तक का प्रविधान किया है। अपराध के दोषियों के लिए उम्र कैद की सजा के प्रविधान से इसकी संवेदनशीलता का अहसास होता है।

दरअसल हाल के दिनों में देश भर में ऐसे तमाम मामले सामने आए हैं जिनमें मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से लोगों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी है। मुनाफाखोरी के लिए उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ के संगीन मामले हमारे समक्ष आते रहते हैं। इनमें प्रशासन की सक्रियता व भूमिका पर भी कई तरह की बातें सामने आती हैं। तमाम हालिया घटनाओं से देश भर में मिलावटखोरी के सवाल पर चिंता खड़ी हुई है। शासन-प्रशासन की कोशिशों के बावजूद इन पर पूर्ण नियंत्रण मुमकिन नहीं प्रतीत होता है।

सीएसई यानी सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की निदेशक सुनीता नारायण की टीम ने लंबी पड़ताल के बाद चीन से आयात किए जाने वाले सीरप और भारत में बन रहे ऐसे उत्पादों के बारे में सनसनीखेज तथ्यों को प्रकट किया है। शहद में मिलावट का पता भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की जांच में सामने नहीं आता है। नतीजन बाजार ऐसे विज्ञापनों से भरा है, जिनमें नामचीन ब्रांड के शहद की शुद्धता के दावे हैं।

विश्व के मानचित्र में मधुमक्खी के छत्ते की तरह दिखने वाला भारत दुनिया में आठवां सबसे बड़ा शहद उत्पादक देश है। इस मामले में चीन पहले स्थान पर है। आज अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, जापान और मध्य पूर्व के देशों में भारतीय शहद की मांग है। सही मायनों में प्राकृतिक तरीके से निर्मित शहद स्वास्थ्य के लिए हितकारी है। निर्माण की इस प्रक्रिया में जीवन का चक्र सन्निहित है। पश्चिम में एक कहावत प्रचलित है, यदि मधुमक्खी पृथ्वी से गायब हो जाए तो मानव जाति चार साल में नष्ट हो जाएगी। साहित्य का नोबेल पुरस्कार 1911 में पाने से एक दशक पहले बेल्जियम के विद्वान मौरिस मैटरलिंक ने एक किताब लिखी, द लाइफ ऑफ द बी। इसमें वह लिखते हैं कि मधुमक्खियों के खत्म होने से वनस्पतियों की एक लाख से ज्यादा प्रजातियां भी नष्ट हो जाएंगी। मधुमक्खी के छत्ते से निकलने वाले द्रव में कृत्रिम तरीके से बने सीरप के मिलाने पर वह शहद नहीं रह जाता है। निश्चय ही इस कुदरती तरीके का भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण को ध्यान रख कर ही मधु के प्रसंस्करण का नियम बनाना चाहिए।

श्वेत क्रांति के युग में दुग्ध उत्पादों में मिलावट की समस्या का समाधान बहुत मुश्किल प्रतीत होता है। सरकार गोकुल मिशन और कामधेनु आयोग के माध्यम से गायों के देसी नस्ल के संवर्धन की योजना साकार करने में लगी है। इस विषय में जनजागरण हेतु शिक्षण संस्थानों को शामिल किया जा रहा है। भारतीय संस्कृतियों का ज्ञान रखने वाले समझते हैं कि गाय भी यदि बराबर टहले नहीं तो उसका दूध अमृत नहीं होता है। यह बात डेयरी फार्मिंग की सभ्यता से दूर कृषि की संस्कृति से जुड़ा है। खाद्य पदार्थों और दवाइयों में मिलावट के कारण जहर के कारोबार में बढ़ोतरी हुई है। त्योहारों के सीजन में इस धंधे में खूब तेजी दिखती है। तमाम प्रदेशों में प्रशासन की सख्ती के बावजूद बड़े पैमाने पर इस तरह के प्राणघातक प्रयोग जारी हैं। इस कारण न केवल नैतिकता का पतन और कानून का उल्लंघन होता है, बल्कि प्राणघातक रोगों का भी सृजन होता है। इसके राजनीतिक अर्थशास्त्र की पड़ताल में आधुनिकता परत-दर-परत चादर उतार देती है।

शहद में गुड़ के मेल का डर है, घी के अंदर तेल का डर है/ तंबाकू में खाद का खतरा, पेंट में झूठी घात का खतरा/ मक्खन में चर्बी की मिलावट, केसर में कागज की खिलावट/ मिर्ची में ईंटों की घिसाई, आटे में पत्थर की पिसाई/ क्या जाने किस बीज में क्या हो, गरम मसाला लीद भरा हो/ खाली की गारंटी दूंगा, भरे हुए की क्या गारंटी। आज से करीब आधी सदी पूर्व नीलकमल के निर्देशक राम माहेश्वरी द्वारा हास्य अभिनेता महमूद पर फिल्माया गया यह गीत भले ही परिहास के लिए हो, परंतु यह आज की वास्तविकता है।

अपना देश श्वेत क्रांति शुरू कर दूध के उत्पादन में शेष दुनिया को पीछे छोड़ चुका है। इसके साथ ही, यह भी सच है कि मिलावट के मामले में दुग्ध पदार्थों की कोई बराबरी नहीं कर सकता। बाजार में नकली दूध की मात्र असली दूध से भी अधिक है। नकली शराब पीकर मरने वालों की खबरें आम हो गई हैं। थैलियों, डब्बों और बोतलों में पैक होने वाली वस्तुओं के साथ भरे हुए की गारंटी जैसी बात रह नहीं गई है। उस दौर में हवा और पानी पर सवाल नहीं उठ सका, पर आधुनिकता की आंधी में वायु और जल भी प्रदूषित हो गया। शुद्धता की गारंटी टेक्नोलॉजी और फैशन की दुनिया में सिमट गई है।

कोरोना की दूसरी लहर

कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों ने देश की चिंता बढ़ा दी है। बुधवार को प्रधानमंत्री ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों को संबोधित करते हुए हर हाल में इस पर काबू पाने की जरूरत बताई। बुधवार को देश में 35,871 नए केस दर्ज किए गए, जिनमें 23,179 मामले अकेले महाराष्ट्र के थे। कोरोना के नए मामलों में दूसरे और तीसरे नंबर पर केरल और पंजाब हैं जहां दो हजार से ऊपर केस सामने आए। लेकिन फिर भी यह मानना सही नहीं होगा कि कोरोना संक्रमण में दूसरी तेजी का खतरा सिर्फ इन्हीं राज्यों तक सीमित है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश के 16 राज्यों में स्थित कुल 70 जिले ऐसे हैं जहां इस महीने के पहले पखवाड़े के दौरान ऐक्टिव केसों की संख्या में 150 फीसदी तेजी दर्ज की गई है। साफ है कि वायरस का प्रकोप अभी भले ही महाराष्ट्र में केंद्रित दिख रहा हो, पर देश का बहुत बड़ा हिस्सा खतरे की जद में है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि लगभग नौ महीने दहशत के साये में जी लेने और फिर टीकाकरण अभियान शुरू हो जाने के बाद लोगों के मन से कोरोना का डर निकल गया है। जनजीवन के रास्ते पर आने के साथ ही लोग धीरे-धीरे सामान्य गतिविधियों के आदी हो चले हैं। अर्थव्यवस्था की लगभग बंद पड़ गई गाड़ी के दोबारा चल पड़ने में इससे मदद मिल रही है। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि दो गज दूरी रखने, मास्क पहनने और हाथ धोने जैसी मामूली सावधानियां भी अब लोगों को भारी लगने लगी हैं, जिससे महामारी की तेज वापसी का खतरा पैदा हो गया है। ध्यान रहे, दुनिया के लगभग सारे देश कोरोना की दो बड़ी लहरें झेल चुके हैं। भारत को हाल तक इसका अपवाद माना जा रहा था, लेकिन अभी की स्थितियों को यहां दूसरी लहर की शुरुआत की तरह देखा जाने लगा है। हमें इसके लिए अपनी तरफ से कोई गुंजाइश नहीं छोड़नी चाहिए, न ही अर्थव्यवस्था की गाड़ी को दोबारा ठप करने वाले देशव्यापी लॉकडाउन की आशंका बनने देना चाहिए। ऐसे में उपाय यही है कि वैक्सिनेशन और टेस्ट, दोनों में तेजी लाई जाए। जिन क्षेत्रों में नए केस कम आ रहे हैं, वहां वैक्सिनेशन पर जोर दिया जाए ताकि बाकी लोग संक्रमण से सुरक्षित रहें, लेकिन महाराष्ट्र जैसे राज्यों में जहां संक्रमण व्यापक रूप ले चुका है, प्रधानमंत्री द्वारा सुझाई गई टीटीटी यानी 'टेस्ट, ट्रेस, ट्रीट' की आजमाई हुई पॉलिसी पर ज्यादा जोर दिया जाए।

वैक्सीन का सुरक्षा घेरा प्रभावी होने में वक्त लगता है। पहला डोज लेने के बाद दूसरा डोज और फिर एंटीबॉडी डिवेलप होने की प्रक्रिया-कुल मिलाकर 45 दिन बाद ही कोई व्यक्ति वायरस से सुरक्षित हो पाता है। जाहिर है, अधिक संक्रमण वाले क्षेत्रों में लोगों को टीके से ज्यादा भरोसा दूरी बरतने, मास्क पहनने जैसे उपायों पर ही करना होगा।

जलवायु परिवर्तन जैसे ज्वलंत मुद्दों पर दुनिया को राह दिखाता भारत, नेतृत्वकर्ता की भूमिका में आना एक बड़ी उपलब्धि

> **कार्बन उत्सर्जन में चीन और अमेरिका अग्रणी हैं। फिर यूरोपीय संघ के देशों का नंबर आता है। हालांकि पिछले एक दशक में अमेरिका कार्बन उत्सर्जन को पांच गीगा टन के स्तर पर स्थिर रखने में सफल हुआ है। वहीं चीन अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए लगातार कोयला आधारित संसाधनों का प्रयोग बढ़ा रहा है। भारत विकास की तीव्र आकांक्षाओं के बीच ऊर्जा खपत में अग्रणी देशों में शुमार है। बावजूद इसके हम वैश्विक जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में शीर्ष दस देशों में स्थान बनाने में सफल हुए हैं।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हाल ही में सेरावीक ग्लोबल एनर्जी एंड एनवायरनमेंट लीडरशिप अवार्ड से सम्मनित किया गया। किसी भी पुरस्कार की महत्ता उसे प्रदान किए जाने के उद्देश्यों की पूर्ति में किए गए कार्यों को प्रोत्साहित करने में निहित होती है। सेरावीक वैश्विक ऊर्जा एवं पर्यावरण नेतृत्वकर्ता पुरस्कार की अहमियत जलवायु संकट के दौर में इसलिए और बढ़ जाती है, क्योंकि यह ईंधन के वैकल्पिक विकास एवं पर्यावरण संरक्षण की सफलताओं को व्यक्त करता है। यह पुरस्कार भारत की उन मौजूदा ऊर्जा नीतियों का भी अभिनंदन है, जो विश्व को समावेशी विकास के मार्ग पर चलने के लिए अनुप्रेरित कर रही हैं।

इस उपलब्धि पर चर्चा से पहले इंडिया एनर्जी फोरम सेरावीक, 2019 से जुड़ी एक प्रेरक घटना का स्मरण आवश्यक है। दिल्ली में आयोजित इस इंटरनेशनल कांफ्रेंस में मिट्टी के कुल्हड़ में चाय परोसी जा रही थी। ऊर्जा क्षेत्र के इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय समागम में जहां विश्व के कोनेकोने से तेल एवं गैस क्षेत्र की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सीईओ और प्रतिनिधि शिरकत कर रहे थे, वहां स्वदेशी का यह आग्रह भारत की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता का अनुपम दृश्य था। इस कार्यक्रम में सेरावीक के संस्थापक चेयरमैन डॉ. डेनियल येरगिन भी आए थे। उनसे जब वैश्विक ईंधन परिदृश्य एवं पर्यावरणीय बदलावों में भारत की भूमिका पर उनकी राय जाननी चाही तो उन्होंने कुल्हड़ की ओर संकेत करते हुए कहा कि सही अर्थों में पर्यावरण के प्रति भारत जैसी प्रतिबद्धता हर देश को दिखानी होगी।

वर्ष 1983 में स्थापित कैंब्रिज एनर्जी रिसर्च एसोसिएट्स वीक (सेरावीक) पिछले कुछ दशकों में ही ऊर्जा क्षेत्र की नॉलेज शेयरिंग और अभिमत निर्माण की प्रतिनिधि संस्था बनकर उभरी है। सेरावीक दुनिया भर में ऊर्जा संबंधित नीतियों एवं प्रयोगों का पर्यावरणीय दक्षता के आधार पर विश्लेषण करती है। कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामंजस्यपूर्ण नीतियों का पक्षधर रहा भारत आज पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक वैश्विक भागीदारी के केंद्र में है।

मौजूदा दौर में जब ऊर्जा और पर्यावरण से संबंधित मुद्दों को लेकर दिग्गज अर्थव्यवस्थाओं में हितों का टकराव देखने को मिल रहा है, तब भारत का समाधानपरक नीतियों के साथ आगे आना नई राह दिखाने वाला है। भारत ने 2016 में पेरिस समझौते पर न सिर्फ हस्ताक्षर किए, बल्कि ट्रंप कार्यकाल में जब अमेरिका पेरिस समझौते से बाहर हुआ तब भी पीएम मोदी जलवायु परिवर्तन को लेकर विकसित और विकासशील देशों को एकजुट करने में जुटे रहे। भारत के लक्ष्य अत्यंत महात्वाकांक्षी हैं। भारत ने 2005 के स्तर की तुलना में इस दशक के अंत तक कार्बन उत्सर्जन में 30 से 35 प्रतिशत की कमी का लक्ष्य लिया है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भारत बिजली उत्पादन का 40 प्रतिशत हिस्सा गैर जीवाश्म आधारित ईंधन पर केंद्रित करने की प्रतिबद्धता पहले ही प्रकट कर चुका है। फ्रांस के सहयोग से स्थापित अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के गठन के पीछे प्रधानमंत्री मोदी की अहम भूमिका रही है। सौर गठबंधन पहल ने 2030 तक सौर ऊर्जा माध्यम से एक ट्रिलियन वाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य तय किया है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए भारत ने परंपरागत ईंधन नीति को क्लीन फ्यूल की ओर उन्मुख कर साहसिक निर्णय लिए हैं। आज गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर हम जिस प्रभावी गति से आगे बढ़ रहे हैं, उससे इस दशक के अंत तक अपनी ऊर्जा खपत में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 15 प्रतिशत के स्तर पर लाने में सफल होंगे। वन नेशन-वन गैस ग्रिड विजन पर आधारित परियोजनाओं का हाल में शुरू होना इस दिशा में बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। पिछले पांच वर्षों में भारत ने नवीनीकृत ऊर्जा संसाधनों के विकास में लंबी छलांग लगाई है। कार्बन उत्सर्जन में कमी का लक्ष्य अक्षय ऊर्जा संसाधनों के विकास पर ही निर्भर है। वर्तमान में कुल राष्ट्रीय बिजली उत्पादन में अक्षय ऊर्जा स्रोतों की लगभग 90 हजार मेगावाट से अधिक हिस्सेदारी है। गत पांच वर्षों में हमारी नवीनीकरण ऊर्जा क्षमता 162 फीसद बढ़ी है। केंद्र सरकार ने 2022 तक 175 गीगावाट और 2035 तक 450 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इसी क्रम में पीएम मोदी और उनके स्वीडिश समकक्ष स्टीफन लोफवेन ने हाल में जैव अपशिष्ट से ऊर्जा ऊत्पादन की दिशा में द्विपक्षीय सहयोग प्रगाढ़ करने पर जोर दिया है। गैर परंपरागत ऊर्जा स्नोतों के विकास के साथ वनीकरण कार्यक्रम को समानांतर रूप से गति प्रदान की जा रही है। इससे भविष्य में 260 लाख हेक्टेयर बंजर भूमि को उर्वर भूमि में तब्दील करने का लक्ष्य है। घरेलू मोर्चे पर प्रदूषण नियंत्रक ऊर्जा नीतियों के साथ ही भारत जी-20 समेत हर मंच पर विकासशील देशों के हितों की पुरजोर वकालत करता रहा है। भारत ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से मुकाबले के लिए जलवायु न्याय के उस मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया है, जिसमें विकासशील एवं गरीब देशों की ऊर्जा जरूरतों का भी समाधान किया जाए।

कार्बन उत्सर्जन में चीन और अमेरिका अग्रणी हैं। फिर यूरोपीय संघ के देशों का नंबर आता है। हालांकि पिछले एक दशक में अमेरिका कार्बन उत्सर्जन को पांच गीगा टन के स्तर पर स्थिर रखने में सफल हुआ है। वहीं चीन अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए लगातार कोयला आधारित संसाधनों का प्रयोग बढ़ा रहा है। भारत विकास की तीव्र आकांक्षाओं के बीच ऊर्जा खपत में अग्रणी देशों में शुमार है। बावजूद इसके हम वैश्विक जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में शीर्ष दस देशों में स्थान बनाने में सफल हुए हैं। ऐसी स्थिति में जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे पर अन्य आर्थिक महाशक्तियों के सिर्फ अनुयायी बनने के बजाय भारत का नेतृत्वकर्ता की भूमिका में आना, हमारी उस महान संस्कृति का प्रकटन है, जो प्रकृति और पर्यावरण के पारस्परिक सह-अस्तित्व पर आधारित है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

बस्ती में छात्रा के खिलाफ फर्जी केस के मामले में सरकार का बड़ा एक्शन, एसपी का तबादला और दो निलम्बित

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बस्ती में एक छात्रा को परेशान करने के मामले में बड़ा एक्शन लिया है। छात्रा के खिलाफ फर्जी केस दर्ज करने के मामले में बस्ती के कोतवाल तथा आरोपित दारोगा को निलम्बित करने के साथ ही कार्रवाई करने में शिथिलता बरतने पर एसपी बस्ती का तबादला कर दिया गया है।

बस्ती के बहुचर्चित पोखरभिटवा मामले में आज बड़ी कार्रवाई की गई है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने बस्ती के एसपी हेमराज मीणा को हटाकर डीजीपी मुख्यालय में एसपी के पद पर तैनाती दी है। एसपी अभिसूचना मुख्यालय आशीष श्रीवास्तव को एसपी बस्ती के पद पर भेजा गया है। माना जा रहा है उन्होंने मामले में उचित कार्रवाई नहीं की और युवती की शिकायत को अनदेखा किया गया। इसके साथ ही आरोपित दारोगा दीपक कुमार सिंह और कोतवाल रामपाल यादव को निलंबित कर दिया गया है। एसपी मीणा के स्थान पर आशीष श्रीवास्तव को बस्ती का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। इसके साथ ही बस्ती कोतवाली के इंस्पेक्टर रामपाल यादव तथा छात्रा को परेशान करने के आरोपित दारोगा दीपक सिंह को निलंबित किया गया है।

बस्ती में छात्रा से फोन पर वार्ता के दौरान दारोगा दीपक सिंह के अभद्रता करने के साथ ही छात्रा के खिलाफ फर्जी केस दर्ज करने के मामले के तूल पकड़ते ही एडीजी गोरखपुर अखिल कुमार ने मामले का संज्ञान लिया। अखिल कुमार ने शनिवार को बस्ती का रुख किया और मामले की प्रारंभिक जांच के बाद ही निष्कर्ष निकाल दिया। एडीजी अखिल कुमार शनिवार को अचानक बस्ती पहुंचे और कमिश्नर अनिल कुमार सागर के साथ युवती के गांव गए। यहां दारोगा दीपक कुमार सिंह पर लगाए गए आरोपों और युवती के स्वजन पर दर्ज मुकदमों की जांच की। युवती और उसके स्वजन के साथ ही गांव के अन्य लोगों के बयान लिए गए। इसके बाद यह कार्रवाई की गई। एडीजी गोरखपुर अखिल कुमार के आदेश पर गोरखपुर के आदेश पर रामपाल यादव तथा दीपक सिंह को निलंबित कर दिया गया। दीपक सिंह ने फोन पर युवती से प्यार का इजहार किया था। एक तरफा प्यार का छात्रा के इनकार करने पर दीपक सिंह ने बदले में ताबड़तोड़ कार्रवाई के तहत छात्रा पर आठ केस दर्ज किए। इतना ही दारोगा ने छात्रा के परिवार के लोगों के खिलाफ फर्जी केस दर्ज कर दिए थे।

यह है मामला- संक्रमण काल के दौरान जून 2020 में चेकिंग के समय दारोगा ने जांच के नाम पर युवती का मोबाइल नंबर लिया था। उसके बाद अश्लील मैसेज भेजने लगा। विरोध करने पर मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद गांव में चकरोड का विवाद हुआ। ग्रामीणों ने दारोगा को बंधक बना लिया था। इस मामले में ग्रामीणों समेत युवती के परिवार वालों पर भी मुकदमा दर्ज हुआ। युवती ने मैसेज प्रकरण की जानकारी देते हुए फर्जी मुकदमे में फंसाने की शिकायत की। जांच की गई लेकिन अधिकतर आरोपों को गलत बताया गया। अभद्रता के मामले में दारोगा को बैड इंट्री देकर कुशीनगर एयरपोर्ट पर तैनात कर दिया गया।

दारोगा के भाई का भी बस्ती से तबादला कर दिया गया। इसके बाद युवती ने एक-एक परिवार पर आठ मुकदमे दर्ज किए जाने की शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इस पर वह मुख्यमंत्री से मिली। उन्होंने जांच का आदेश दिया। एडीजी मंडलायुक्त के साथ शनिवार को गांव पहुंचे और उन्होंने अपनी पड़ताल की। इसके बाद एसपी का तबादला करने के साथ दारोगा और कोतवाल को निलंबित कर दिया गया।

विक्टोरिया पार्क अग्निकांड में खुद को मृत दिखाकर 16 साल तक फरार रहा कैदी, एक फोटो ने बिगाड़ दिया खेल

बुलंदशहर । गुरुवार को पुलिस ने विक्टोरिया पार्क हादसे में मृत सजायाफ्ता अनिराज सिंह को बुगरासी रोड से गिरफ्तार किया। सुप्रीम कोर्ट से हत्या के मामले में उसे उम्रकैद की सजा हुई थी। वर्ष 2004 में पैरोल पर आने के बाद वह फरार हो गया था। फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र दाखिल कर उसने कोर्ट व पुलिस को चकमा दे दिया था। मेरठ पुलिस ने अनिराज पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। 16 साल से अनिराज बुलंदशहर, गुरुग्राम, नोएडा, मेरठ व रुद्रपुर में नाम बदलकर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहा था।

एसएसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि अनिराज मेरठ के थाना सरधना के गांव मदारपुर का रहने वाला है। 15 जुलाई 88 को गांव के अनिल की हत्या में अनिराज समेत चार लोगों को नामजद किया गया था। इसमें मेरठ न्यायालय से इन चारों आरोपितों को उम्रकैद की सजा हुई। उच्च व उच्चतम न्यायालय में भी उसकी उम्रकैद की सजा बरकरार रही। वर्ष 2004 में अनिराज पैरोल पर जेल से बाहर आया और गायब हो गया। पुलिस ने उसकी तलाश की

लेकिन पता नहीं चला। 10 अप्रैल 2006 को मेरठ में विक्टोरिया पार्क अग्निकांड हुआ। अनिराज के परिजनों ने सरधना पुलिस को उसके अग्निकांड में मरने की सूचना दी। उसका मृत्यु प्रमाणपत्र भी थाने पर जमा कराया। अधिवक्ता के माध्यम से मृत्यु प्रमाणपत्र न्यायालय में जमा हुआ। मृत्युप्रमाण पत्र के आधार पर अनिराज पुत्र जयसिंह का केस बंद कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार, दो साल पहले अचानक अनिराज का फोटो सामने आया। इसमें वह अपने भांजे की शादी में भात दे रहा था। मृतक अनिल के परिजनों ने पुलिस व न्यायालय में फोटो दिखाकर शिकायत की। जांच में मामला सही मिला। पुलिस ने अनिराज की पत्नी को फर्जी दस्तावेज तैयार करने और जानकारी छुपाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने अनिराज पर बीस हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। काफी तलाश के बाद भी अनिराज नहीं मिला। सुप्रीम कोर्ट ने मृतक अनिल के परिजनों की शिकायत पर एक कमेटी गठित की थी। कमेटी अनिराज की तलाश की समीक्षा कर रही थी। एसएसपी ने बताया कि अनिराज को एक सूचना के बाद स्याना के बुगरासी रोड से तमंचे व कारतूस समेत स्वाट टीम ने गिरफ्तार किया। वह यहां सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी की तलाश में आया था। अनिराज 16 साल से उत्तराखंड के रुद्रपुर में परिवार समेत छिपकर नाम बदलकर रह रहा था।

ये था विक्टोरिया पार्क अग्निकांड- शहर के बीचोबीच स्थित विक्टोरिया पार्क में अप्रैल 2006 में व्यवसायिक मेले का आयोजन किया गया था। 10 अप्रैल को अचानक मेला पंडाल में शार्ट सर्किट से आग लग गई। 65 लोगों की मौत हो गई थी।

संक्षिप्त खबर

कानपुर देहात में स्वतंत्रदेव सिंह का विपक्ष पर तंज, बोले – अब नौकरियों में नहीं चलती चाचा–भतीजों की सिफारिश

कानपुर देहात । अकबरपुर के सांसद सांसद देवेंद्र सिंह भोले के पिता की पुण्यतिथि पर आयोजित विचार गोष्ठी में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह शरीक हुए। कंचौसी में स्व. दर्शन सिंह की पुण्यतिथि व चार वर्ष सरकार के पूरा होने पर आयोजित विचार गोष्ठी में स्वतंत्रदेव सिंह के अलावा जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ने भी अपने विचार रखे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस का काम केवल और केवल झूठ बोलना है, कांग्रेसी कभी हिंदू आतंकवाद कहते हैं तो कभी सरकार को किसान विरोधी बताते हैं। स्वतंत्रदेव सिंह का कहना था कि आज क्षेत्रीय दलों में भ्रष्टाचार तेजी से पनप रहा है और देश व प्रदेश की जरूरत मोदी व योगी ही हैं। आज भाजपा सरकार व देश की ताकत ही है कि अमेरिका की धरती पर भी जय श्रीराम व भारत मां का नारा लग रहा है। जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास के नारे पर ही काम करती है और आगे भी करती रहेगी। किसानों की आय दोगुनी करने का काम सरकार कर रही लेकिन यह कुछ ताकतों व विपक्षियों को रास नहीं हा रहा है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में नौकरियां काबिलियत व ईमानदारी से मिलती हैं। पहले की सरकार में चाचा भतीजों की सिफारिश पर यह हासिल होती थी। चार वर्ष में जितना काम योगी सरकार ने किया है उतना कभी दूसरी सरकारें नहीं कर पाईं। इस दौरान मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया साथ ही कोरोना वारियर्स का भी सम्मान मंच पर किया गया। गोष्ठी में सांसद भोले के अलावा जालौन के सांसद भानुप्रताप वर्मा व एमएलसी अरूण पाठक मौजूद रहे।

प्रेमिका से धोखा मिला तो ब्रेक–अप की भी कर दी ब्रांडिंग, पटना में दुकान खोली और नाम रखा बेवफा चायवाला

पटना । प्यार में धोखा खाए लोगों को देवदास बनते तो देखा होगा, लेकिन एक युवक ने गर्लफ्रेंड की बेवफाई की भी ब्रांडिंग कर पैसे कमाने शुरू कर दिए हैं। जी हां, उसने बेवफा चायवाला नाम से दुकान खोल दी है। पटना के व्यस्त बोरिंग कैनाल रोड के किनारे उसके ठेले पर प्रेम व बेवफाई की चाय पीने के लिए भीड़ उमड़ती है। आगे वह अपने दोस्तों के साथ इस दुकान की पूरी चेन बनाने वाला है। खास बात यह है कि यहां प्रेमी जोड़ों से लेकर प्यार में धोखा खाए लोगों तक के लिए अलग-अलग चाय अलग-अलग मूल्य पर उपलब्ध है। चाय की दुकानों में यह जरा हटकर है। इसमें इसमें चायवाले की निजी जिंदगी का दर्द भी समाया हुआ है। यहां प्यार में धोखा खाए लोगों को चाय में छूट दी जाती है तो प्रेमी जोड़ों से 15 रुपये कीमत ली जाती है। प्यार में धोखा मिला है तो चाय 10 रुपये में मिल जाएगी। कुल्हड़ में दी जाने वाली एक ही स्पेशल चाय, लेकिन अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग मूल्य के बावजूद ग्राहकों को काई ऐतराज नहीं है। वे शौक से चाय पीते हैं, साथ ही दुकान के नाम के पीछे के राज को जानने की कोशिश करते हैं और चले जाते हैं। यह सिलसिला करीब दो महीने से चल रहा है। यह दुकान वैलेंटाइन वीक में इसी साल आठ फरवरी को तीन दोस्तों ने मिलकर खोली है। एक दिन पहले आइडिया आया और अगली सुबह सड़क किनारे लगा दिया ठेला। फिर धीरे-धीरे सामान आते गए, काउंटर भी बना। दुकान खोलने का आइडिया पटना के महुआ बाग में रहने वाले संदीप कुमार का है। संदीप को पांच साल पहले साल 2020 में एक लड़की से प्यार हो गया था। रिलेशनशिप लंबी चली, लेकिन साल 2020 में दोनों का ब्रेक-अप हो गया। संदीप के अनुसार यह फैसला लड़की का था। इसके बाद डिप्रेशन में चले गए संदीप अब समान्य जिंदगी जी रहे हैं। अभी तक शादी तो नहीं की है, लेकिन अपने पैरों पर खड़े हैं। हां, उस ब्रेक-अप को नहीं भूले हैं, इसलिए बेवफा चायवाला नाम से स्टार्ट-अप शुरू कर दिया है।

बिहार में कोविड–19 ने पकड़ी रफ्तार, एक ही दिन में मिले सौ से यादा संक्रमित, डॉक्टरों की छुट्टियां कैंसिल

पटना । होली के मौके पर दूसरे रायों से लोगों के बिहार आने का सिलसिला शुरू हो गया है। इसके साथ ही राय में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि होनी शुरू हो गई है। गुरुवार को काफी अर्से बाद एक दिन में राय से 107 नए संक्रमित मिले हैं। कोविड-19 पर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की छुट्टियां पांच अप्रैल तक रद कर दी हैं। डॉक्टरों की छुट्टियां कैंसिल करते हुए स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि कोरोना वायरस के सेकेंड वेव की रोकथाम एवं इससे बचाव के उपाय और विशेष चौकसी, मॉनिटरिंग की आवश्यकता को देखते हुए राय के सभी डॉक्टर, संविदा डॉक्टर सहित, मेडिकल अफसर, निदेशक प्रमुख, अधीक्षक, जूनियर रेजिडेंट, सभी स्वास्थ्य कर्मियों, जीएनएम, एएनएम के साथ ही पारा मेडिकल कर्मियों के सभी प्रकार के अवकाश पांच अप्रैल तक रद रहेंगे। जो डॉक्टर, स्वास्थ्य कर्मी अवकाश पर हैं उन्हें तत्काल काम पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश में नए कोरोना संक्रमित मिलने की रफ्तार करीब-करीब खत्म होने की कगार पर पहुंच गई थी। स्वास्थ्य विभाग की जानकारी के अनुसार 15 मार्च को राय में 26 संक्रमित मिले थे। इसके अगले दिन 16 मार्च को यह संख्या बढ़कर 49 हो गई। 17 मार्च को 58 संक्रमित मिले तो आज यह संख्या बढ़कर 107 पर पहुंच गई है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों पर नियंत्रण के लिए जहां सभी रेलवे स्टेशन, बस अड्डों के साथ ही एयरपोर्ट पर कोरोना टेस्ट की व्यवस्था की गई है । बिहार दिवस के मौके पर इस वर्ष भी किसी भी तरह का कोई सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं होगा। कोरोना संकट की वजह से पिछली बार भी बिहार दिवस कार्यक्रम का आयोजन सार्वजनिक रूप से नहीं हो पाया था। 22 मार्च को ऑनलाइन मोड में यह आयोजन ज्ञानभवन से दो सौ लोगों की मौजूदगी में होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समारोह को संबोधित करेंगे। सभी जिलों के जिलाधिकारी भी इस कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे।

अखिलेश यादव का बेहद गंभीर आरोप, आजम खां को जानबूझकर परेशान कर रही भाजपा सरकार

लखनऊ । रामपुर के दौरे पर जौहर यूनिवर्सिटी से समाजवादी पार्टी की साइकिल यात्रा को रवाना करने वाले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार पर बेहद गंभीर आरोप जड़ा है। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यालय में साइकिल यात्रा करने वालों का स्वागत करने के बाद अखिलेश यादव ने मीडिया को संबोधित किया।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार रामपुर तथा देश के लोकप्रिय नेता आजम खां को फर्जी केस में फंसा जानबूझकर परेशान कर रही है। रामपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद आजम खां के साथ व उनके परिवार को भाजपा जानबूझ कर परेशान कर रही है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा की साजिश है कि आजम खां का जौहर विश्वविद्यालय बंद हो जाए। आजम खां पर फर्जी केस लिखे गए, राजनीति से प्रेरित केस लिखा गए हैं। तानाशाही तरीके से विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है। कहा की बीजेपी की सरकार लोगो को अपमानित करने का कार्य कर रही है हमारे कार्यकर्ताओं पर 10 हज़ार केस दर्ज़ किए गए है इसके साथ उन्होंने जोड़ा कि हम मुकदमों से डरने वाले नहीं है।

किसान आंदोलन के विरोधी देश प्रेमी नहीं- अखिलेश यादव ने कहा कि किसान आंदोलन की खिलाफत करने वाले राष्ट्र व समाज विरोधी हैं। हमको लॉकडाउन के दौरान किसानों ने ही भुखमरी से बचाया है। किसान आंदोलन के दौरान समाजवादियों पर 10 हजार से अधिक मुकदमें इस सरकार ने दर्ज किए हैं। हर सीमा को लांघकर भाजपा अन्याय कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दावा झूठा- अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो प्रति व्यक्ति आय दोगुनी होने का झूठा दावा कर रहे हैं। लॉकडाउन में नौकरी चली गई, रोजगार कम हो गए, सरकारी कर्मचारियों के वेतन में कटौती हो रही है। ऐसे में आय दोगुनी कैसे हो गई। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चार वर्ष में यूपी को बर्बाद करने का काम किया है। मुख्यमंत्री भाजपा के संकल्पपत्र को गीता बता रहे हैं तो मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि इसमें किए गए कितने वादे अब तक जमीन पर उतर गए हैं। कितने लोगों की आय दोगुनी हो गई। प्रदेश में जितनी भी मेट्रो चल रही हैं सभी समाजवादी पार्टी की सरकार में शुरू हुई थीं। अब तो प्रदेश सरकार पुरानी शिलापट्ट तोड़कर नए लगा रही है। पंचायत चुनाव के बाद सपा विधानसभा चुनाव तक लगातार कार्यक्रम करेगी। इससे पहले अखिलेश यादव ने आजम खां के समर्थन में रामपुर से लखनऊ तक साइकिल चलाकर आए सपा कार्यकर्ताओं का प्रदेश कार्यालय में स्वागत किया।

राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग- रामपुर से सांसद आजम खां पर हो रही कार्रवाई के विरोध में शनिवार को समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि आजम खां, उनकी पत्नी व बेटे पर सरकार जानबूझकर राजनीतिक मुकदमें दर्ज कर रही है। सपा कार्यकर्ताओं पर भी मुकदमें दर्ज किए जा रहे हैं। सपा ने राज्यपाल से न्याय की मांग की है। अखिलेश यादव ने भरोसा जताया कि राज्यपाल इस मामले में कुछ न कुछ कार्रवाई जरूर करेंगी। प्रतिनिधिमंडल में नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अहमद हसन, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल व मोहम्मद फहीम इरफान आदि प्रमुख थे।

लालू यादव के बड़े लाल तेज प्रताप ने नीतीश के मंत्री को बताया गुंडा, कहा- जल्द मिलेगा सबक

पटना । बिहार के भू-राजस्व मंत्री रामसूरत राय के पटना के गांधी मैदान में फरिया लेने वाले बयान पर राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे व विधायक तेज प्रताप यादव ने भी पलटवार किया है।
शुक्रवार को उन्होंने मंत्री रामसूरत राय को गुंडा करार दिया। पत्रकारों से बातचीत में तेज प्रताप यादव ने बिहार सरकार के अधिसंख्य मंत्रियों पर आरोप लगाया कि किसी को काम तो करना नहीं है, सारे सदन में आकर बकबक करते हैं। विपक्ष को बोलने तक नहीं दिया जाता है।

तेज प्रताप यादव ने कहा कि यहां तक कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी जब बोलने के लिए खड़े होते हैं, तब सत्ता पक्ष के सदस्य बौखला जाते हैं। वे जनहित के सवालों पर तिलमिला जाते हैं। तेज प्रताप ने दावा किया कि मंत्रियों की गुंडागर्दी यादा दिनों तक नहीं चलने दी जाएगी। जनता सब समझ चुकी है। सबको सबक मिल जाएगा।

तेज प्रताप ने अपने आरोपों को प्रमाणित करने के लिए विधानसभा की कार्यवाही का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी तो एक कदम और आगे बढ़ गए। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को ही बुरा-भला कह दिया। सदन में ही मंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष को कह दिया कि व्याकुल मत होइए। पूरे देश ने मंत्री के उस बयान को सुना।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में भारतीय जनता पार्टी कोटे से मंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा को सदन में व्याकुल मत होइए कह दिया था।

सम्राट चौधरी की बात सुनते ही विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा आसन छोड़कर चले गए थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हस्तक्षेप करने पर वे वापस आसन पर आए थे। इस बीच सदन की कार्यवाही घंटों ठप रही। मंत्री सम्राट चौधरी के माफी मांगने पर सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हो सकी थी।

तेजस्वी ने मंत्रियों पर खड़े किए सवाल तो जदयू का पलटवार, राजद के 75 में 73 विधायकों को बताया दागी

पटना । राजद नेता तेजस्वी यादव शुक्रवार को बिहार विधानसभा में एनडीए के दागदार मंत्रियों की सूची लेकर पहुंचे थे। इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने करारा जवाबी हमला किया है। जदयू ने दावा किया है कि राजद के 72 फीसद विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें 58 फीसद पर तो गंभीर मामले हैं। जदयू ने यह भी कहा है कि राजद के 75 में 73 विधायक दागी हैं। खुद तेजस्वी यादव पर भी मुकदमे दर्ज हैं। ऐसे में उन्हें सरकार पर सवाल खड़े करने का कोई हक नहीं है।

जदयू विधान पार्षद व पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता संजय सिंह ने शुक्रवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जिस एजेंसी एडीआर की बात कर रहे उसी एजेंसी की यह रिपोर्ट है कि राजद के 75 में 54 विधायक आपराधिक मामलों में संलिप्त हैं। उनके 73 प्रतिशत विधायक दागी हैं, जिसमें 44 विधायकों पर गंभीर आरोप है।

संजय ने कहा कि तेजस्वी यादव को यह पता होना चाहिए कि एडीआर जिस रिपोर्ट को दिखा रही है उसमें उनका भी नाम है। जांच रिपोर्ट के मुताबिक तेजस्वी यादव के चार विधायकों पर एसी-एसटी एक्ट के तहत आरोप दर्ज है। आईपीसी की धारा 302 के तहत भी एक मुकदमा है। तेजस्वी यादव पर तो आईपीसी की धारा 120 बी के तहत दो आरोप दर्ज किए गए हैं।जदयू नेता ने कहा कि अपहरण के मामले में राजद के दो विधायकों पर आरोप है। संजय ने कहा तेजस्वी यादव को यह मालूम होना चाहिए कि उनके विधायक जबरन वसूली में भी आरोपित हैं। उनके दस विधायकों पर आईपीसी की धारा 307 के तहत मामला दर्ज है।

सभी जेल में बंदियों को लगेगा टीका, स्कूल में भी सतर्कता बरतने के निर्देश

लखनऊ । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण के एक बार फिर बढ़ते प्रसार को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार बेहद गंभीर है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश की सभी जेल में बंद कैदियों का शीघ्र टीकाकरण किया जाएगा। इसके साथ ही सभी स्कूल प्रबंधन को सख्त लहजे में सावधानी बरतने का भी निदेश दिया गया है।

कानपुर जिला जेल में दस बंदियों की कोरोना वायरस संक्रमण की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर जिला प्रशासन में खलबली गई। इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश की सभी जेल में बंद कैदियों की जांच कराने के साथ ही इनके टीकाकरण का फैसला किया है। सरकार जल्द ही राज्य की जेलों में बंद सभी कैदियों का टीकाकरण के लिए विशेष अभियान शुरू करेगी। प्रदेश में जिला जेल के साथ ही केंद्रीय जल में एक लाख से अधिक लोग बंद हैं। कैदी संवेदनशील समूहों में आते हैं क्योंकि वे बैरक में एक-दूसरे के करीब रहते हैं और कई बार वहां फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन भी संभव नहीं हो पाता है। कानपुर की जेल के दस कैदियों का कोरोना वायरस संक्रमण टेस्ट पॉजिटिव आया है। इससे पहले जनवरी में बस्ती में 117 कैदियों और कई जेल अधिकारियों का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया था। सिद्धार्थनगर के साथ ही आगरा और झांसी की जेल में भी बड़े मामले सामने आने के बाद से स्थानीय प्रशासन ने जेल परिसरों में टीकाकरण शिविर लगवाने का इंतजाम किया है।

जेल में कैदियों की संख्या के आधार पर सभी कैदियों का दो दिनों में टीकाकरण किया जा सकता है। सारी व्यवस्थाएं होने के बाद प्रदेश में अगले हफ्ते कैदियों का टीकाकरण किया जा सकता है।

अलीगढ़ में तीन से 85 हो गई संक्रमितों की संख्या- अलीगढ़ जिले में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। पंद्रह दिनों में यह संख्या तीन से 85 हो गई है। इसके चलते स्वास्थ विभाग सचेत है। कोविड 19 की गाइडलाइंस का पालन करने की अपील की जा रही है। जिले की सीमा पर बाहर से आने वालों की जांच की जा रही है। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर भी जांच की जा रही है। स्कूलों में मास्क और सैनिटाइजर के उपयोग के साथ कक्षाएं लग रही हैं। जिला कारागार में बंद करीब 1260 कैदियों को 23 व 24 मार्च को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगेगी। जिसमें 60 साल से ऊपर के सभी कैदियों को अनिवार्य रूप से वैक्सीन लगेगी। 45 साल से ऊपर के बीमार कैदियों को भी वैक्सीन लगाई जाएगी। जेल में कुल 1800 कैदी हैं। वरिष्ठ जेल अधीक्षक विपिन मिश्रा ने बताया कि इसके लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

स्कूल प्रबंधन को कोविड-19 प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने के निर्देश- प्रदेश में लगातार बढ़ते केस को देखते हुए योगी आदित्यनाथ सरकार ने सभी स्कूल प्रबंधन को कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर सावधान किया है। स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई शुरू हो गई हैं। ऐसे में संक्रमण का खतरा और बढ़ गया हैं। स्कूलों को निर्देश जारी करते हुए कहा गया है कि कोविड-19 के प्रोटोकॉल को कड़ाई से पालन कराया जाए। सभी बच्चे मास्क लगा कर ही स्कूल आए।

लखनऊ में मतांतरण-खतना कराने से इनकार पर हैवानियत, पत्नी-बच्चों को घर में बंद कर लगाई आग

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा-पेशावर, काबुल और ढाका तक है नाथ पंथ का विस्तार

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नाथ पंथ सिद्ध संप्रदाय है। इस संप्रदाय के योगियों और संतों से जुड़े कई ऐसे प्रसंग हैं, जो सभी को नाथ पंथ से जुडने् को बाध्य करते हैं। यही वजह है कि पूरी दुनिया में नाथ पंथ का विस्तार है। पाकिस्तान के पेशावर, अफगानिस्तान के काबुल और बंग्लादेश के ढाका को भी नाथ पंथ के योगियों ने अपनी साधना स्थली बनाया है। मुख्यमंत्री ने नाथ पंथ से जुड़ी यह गूढ़ जानकारी शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय नाथ पंथ का वैश्विक प्रदेय विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर दी।

इस क्रम में मुख्यमंत्री ने राजस्थान की सपेरा समुदाय की एक पद्म पुरस्कार प्राप्त महिला और बद्रीनाथ में नाथ योगी सुंदरनाथ से जुड़ा वह प्रसंग सुनाया, जिससे नाथ पंथ के विस्तार और महिमा की जानकारी मिलती है। बद्रीनाथ के नाथ योगी सुंदरनाथ से जुड़ा प्रसंग सुनाते हुए मुख्यमंत्री ने बीते दिनों केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा की वजह भी बताई। उन्होंने बताया कि दिवाली पर दीपोत्सव के लिए अयोध्या प्रवास के दौरान जब वह ध्यान कर रहे थे तो उन्हें पहाड़ों से किसी के बुलाने और ध्यान रखने की अपील सुनाई दी। अपने इस कौतूहल को शांत करने के लिए जब उन्होंने केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा की तो बद्रीनाथ में उन्हें नाथ योगी सुंदरनाथ की गुफा मिली। तब उन्हें अहसास हुआ कि वह आवाज योगी सुंदरनाथ की ही थी। नाथ पंथ की महिमा पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा नाथ पंथ की परंपरा आदिनाथ भगवान शिव से शुरू होकर नवनाथ और 84 सिद्धों के साथ आगे बढ़ती है। यही वजह है कि पूरी दुनिया में इस संप्रदाय के मठ या मंदिर मिल जाएंगे। अपने इस प्रसंग को उन्होंने परंपरा, संस्कृति और इतिहास से जोड़ा। कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी परंपरा ओर संस्कृति को विस्मृत करके अपने लक्ष्य को नहीं पा सकता। ऐसा व्यक्ति त्रिशंकु बनकर रह जाता है और त्रिशंकु का कोई लक्ष्य नहीं होता। समाज में व्यापक परिवर्तन के लिए उन्होंने शिक्षा केंद्रों से अपील की कि वह अपनी संभ्यता और संस्कृति से जुड़कर अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया को आगे बढ़ाएं। उद्घाटन कार्यक्रम को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के

इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने प्रयागराज में, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ नारेबाजी करते हुए ।

एक नजर

लॉकडाउन अथवा दिन के कर्फ्यू की अफवाहों को लगा विराम, रूपाणी बोले- मास्क टीकाकरण ही उपाय

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कहा है कि गुजरात में दिन का कर्फ्यू नहीं लगेगा। सरकार निजी अस्पतालों पर अंकुश लगाने के लिए जल्द क्लिनिकल एस्टाब्लिशमेंट एक्ट लाएगी। गांधीनगर में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने राज्य में लगातार खेल रहे कोरोना संक्रमण के चलते लॉकडाउन अथवा दिन के कर्फ्यू की आशंकाओं को नकारते हुए दो टूक कहा है कि राज्य में दिन का कर्फ्यू नहीं लगाया जाएगा। पिछले दो-तीन दिन से कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए सरकार महानगरपालिका तथा पुलिस एवं प्रशासन जिस तरह के प्रयास कर रही है। उससे राज्य में एक बार फिर लॉकडाउन अथवा दिन का कर्फ्यू लगाए जाने की अफवाहें फैलने लगी थी। जिन्हें निर्गुण बताते हुए रुपाणी ने कहा की दिन के कर्फ्यू की कोई जरूरत नहीं है। कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए मास्क तथा टीकाकरण ही उपाय है। लोगों को शारीरिक दूरी तथा सैनिटाइजर का उपयोग भी करते रहना चाहिए।

चुनावों के कारण कोरोना संक्रमण फैलने के आरोपों के जवाब में रुपाणी बोले कि चुनाव से पहले भी कोरोना संक्रमण फैला था। राज्य में जगह जगह कोरोना पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस तथा प्रशासन की शक्ति के खिलाफ लोगों में आक्रोश नजर आ रहा है तथा करीब एक साल तक कोरोना महामारी के दौरान व्यापार व उद्योग के नुकसान को झेल चुके लोग अब किसी भी कीमत पर अपना व्यापार बिजनेस तथा उद्योग धंधे बंद नहीं करना चाहते हैं। सरकार ने भी लोगों में फैल रहे लॉकडाउन अथवा दिन के कर्फ्यू के भय को निकालने के लिए इसकी घोषणा की है।

प्रतिदिन 1,55000 लोगों को टीके - मुख्यमंत्री ने कहा की राज्य में कोरोना पर नियंत्रण के लिए सरकार के पास पर्याप्त साधन तथा अस्पतालों में बेड उपलब्ध हैं। राज्य में पहले प्रतिदिन 1,55000 लोगों को टीके लगाए जा रहे थे लेकिन अब रोजाना 3 लाख लोगों से अधिक को टीका लगाया जाएगा। राज्य सरकार ने अहमदाबाद सूरत व राजकोट सहित सभी आठ महानगर पालिकाओं में स्कूल कॉलेज तथा विश्वविद्यालयों को बंद रखने का फैसला किया था अब ट्यूशन क्लासेज को भी 10 अप्रैल तक बंद रखने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री रुपाणी ने कहां है कि शनिवार तथा रविवार को राज्य के सभी मॉल मल्टीप्लेक्स तथा सिनेमाघरों को भी बंद रखा जाएगा। सभी महानगरपालिका वह जिला प्रशासन ने शहरों के सार्वजनिक बाग-बगीचा, जिम, स्नानागार आदि को पहले ही बंद करने का फैसला कर लिया था।

एड्स की जानकारी छुपाई तो बीमा राशि नहीं मिलेगी, उपभोक्ता कमीशन ने बीमा कमीशन के पक्ष में दिया फैसला

अहमदाबाद । जीवन बीमा निगम ने एक व्यक्ति की मौत के बाद उसकी पत्नी को बीमा राशि देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि उसका पति एड्स पीड़ित था तथा उसने बीमा कंपनी को इसके बारे में जानकारी नहीं दी। अगर आपने जीवन बीमा निगम को अपनी बीमारी के बारे में सूचित नहीं किया तो हो सकता है आपके जाने के बाद परिवार को बीमा राशि नहीं मिले। उत्तर गुजरात के पाटन निवासी एक व्यक्ति ने 2007 में जीवन बीमा निगम से पॉलिसी ली थी। 2011-12 में इस पॉलिसी का नवीनीकरण करा दिया लेकिन अपनी मेडिकल स्थिति के बारे में जीवन बीमा निगम को जानकारी नहीं दी। उत्तर गुजरात के पाटन में रहने वाले उक्त व्यक्ति की मौत गत 8 मई 2012 को सीढ़ियों से गिरने के कारण हो गई थी उसकी विधवा पत्नी ने जीवन बीमा निगम को सूचित कर जब बीमा राशि के लिए क्लेम किया तो जीवन बीमा निगम ने उसका कोई जवाब नहीं दिया। सूचना के अधिकार के तहत जब उस महिला ने जानकारी चाहिए तो जीवन बीमा निगम ने अपने जवाब में बताया कि आपके पति को एड्स का संक्रमण था तथा फरवरी 2010 में उनको इसकी जानकारी भी हो गई थी लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 2011-21 मैं नवीनीकरण के दौरान बीमा निगम को इसकी जानकारी नहीं थी। विधवा महिला ने कंज्यूमर फोरम में एक याचिका दाखिल कर बीमा निगम से क्लेम दिलाने की मांग की तो फोरम ने उसके पक्ष में फैसला दिया लेकिन बीमा निगम ने इसकी अपील जब उपभोक्ता आयोग में की तो आयोग ने बीमा निगम के पक्ष में फैसला देते हुए कहा कि मृत व्यक्ति ने अपनी बीमारी को छुपा कर बीमा निगम के नियमों का उल्लंघन किया है इसलिए अब उसकी पत्नी क्लेम की हकदार नहीं हो सकती हैं।

मुंब्रा के रेती बंडर में एक और शव मिलने से सनसनी, मनुसख हिरेन शव भी यहीं हुआ था बरामद

मुंबई । मुंब्रा के रेती बंडर से मुंबई पुलिस ने शनिवार सुबह एक शव बरामद किया है। शव की पहचान 48 वर्षीय व्यक्ति, शेख सलीम अब्दुल निवासी, रेती बंडर, मुंब्रा के रूप में हुई है। शव पुलिस अधिकारियों को सौंप दिया गया है। बता दें कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के दक्षिण मुंबई स्थित आवास के बाहर बीती 25 फरवरी को विस्फोटक से भरे संदिग?ध वाहन पाया गया था जिसकी जांच के दौरान मनसुख हिरेन को इस वाहन का मालिक बताया गया था। लेकिन इसके कुछ दिन बाद ही मनसुख हिरेन की मौत हो गई थी और उनका शव मुंब्रा के रेती बंडर से मिला था। बचाव अभियान पूरा हो गया है और शव पुलिस, आपदा विभाग और नगर पालिका को सौंप दिया गया है।

रविवार को राउरकेला आएंगे राष्ट्रपति, पांचवें राष्ट्रपति के तौर पर होगा इस्पात नगरी के धरती पर आगमन

राउरकेला । राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द रविवार को राउरकेला पहुंचेंगे। 21 तारीख को राष्ट्रपति की यात्रा के लिए स्टील सिटी राउरकेला तैयार है। सड़क निर्माण व मरम्मत का काम अंतिम चरण है। जिसके कारण सड़क चकाचक दिख रही है। प्रमुख चौराहों का भी विकास किया गया है। इसके साथ ही इन्हें रोशन किया गया है। 21 तारीख को राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द नई दिल्ली से रवाना होकर भुवनेश्वर पहुंचेंगे। वहां से वे सुबह 9 बजे विशेष विमान से झारसुगुड़ा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। बाद में झारसुगुड़ा से एक और विमान से सुबह 10.45 बजे राउरकेला हवाई पट्टी आएंगे। वहां से सीधे एनआईटी दीक्षांत समारोह में जाएंगे। सुबह 11 बजे से 12 बजे तक एनआईटी में रहने के बाद वहां से लंच के लिए राउरकेला हाउस आएंगे। राउरकेला हाउस में थोड़ा आराम के बाद, वे 3~30 बजे आइजीएच सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। वहां से राउरकेला हवाई पट्टी से झारसुगुड़ा होकर शाम 4.40 बजे उनके भुवनेश्वर लौटने का कार्यक्रम है। राष्ट्रपति के साथ केंद्रीय इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी राउरकेला पहुंचेंगे। श्री प्रधान राष्ट्रपति के साथ उनके विमान में आएंगे। राष्ट्रपति के साथ 45 निजी सहायक, सुरक्षा अधिकारी, चिकित्सा कर्मचारी भी होंगे। राष्ट्रपति राउरकेला हाउस में आराम करेंगे। जबकि अन्य अधिकारी दूसरे स्थान पर रहेंगे।

वीवीआईपीओं का राउरकेला में कई बार आगमन होता है। इस्पात मंत्री से आरंभ कर सेल अधिकारियों, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री, वरिष्ठ आइएएस अधिकारी राउरकेला के दौरे के दौरान राउरकेला हाउस के कमरा नंबर 1 में रहते हैं। यह प्रसिद्ध कमरा नंबर 1 राष्ट्रपति के विश्राम के लिए भी आरक्षित है। उक्त कमरे से जुड़े कमरा संख्या 2 में राष्ट्रपति के लिए एक निजी सहायक होंगे। ताकि आपातकाल की स्थिति में, वे कुछ ही समय में राष्ट्रपति के पास पहुंच सके। कमरा नंबर 1 सीधे ऊपर कमरा नंबर 5 से स्थित है। इस कमरे में किसी अन्य मेहमान को नहीं रखा जाएगा। प्रोटोकॉल के अनुसार कमरे को बंद कर दिया गया है, क्योंकि ऊपरी कमरे में रहने पर अनावश्यक शोर, रुकावटों आदि का खतरा रहेगा। इस्पात शहर की धरती पर देश के पहले नागरिक से लेकर प्रख्यात व्यक्तियों के कदम पड़ चुके है। 1959 में राउरकेला ने पहली बार राष्ट्रपति का स्वागत किया। राउरकेला स्टील प्लांट के पहले ब्लास्ट का उद्घाटन भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने किया था। इसी तरह, देश के तीसरे राष्ट्रपति, जाकिर हुसैन 1969 में राउरकेला आए थे। 1982 में, तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी राउरकेला आए और कैप्टिव पावर प्लांट (सीपीपी) -2 की आधारशिला रखे थे। 2003 में, राष्ट्रपति अब्दुल कलाम का राउरकेला के लोगों को स्वागत करने का अवसर मिला। श्री कलाम ने इस्पात संयंत्र का दौरा किया और कारखाने में एक स्मारक का उद्घाटन किया। जबकि आगामी 21 मार्च को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद राउरकेला में पांचवें राष्ट्रपति के तौर यात्रा करेंगे। कई राष्ट्रपति ऐसे है जिन्होंने राष्ट्रपति बनने से पूर्व राउरकेला का दौरा कर चुके है। जाकिर हुसैन राष्ट्रपति बनने से पहले 1958 में राउरकेला पहुंचे थे और राष्ट्रपति बनने के बाद डॉ अब्दुल कलाम ने कई बार राउरकेला का दौरा किया।

नागांव जिले में विधानसभा चुनाव के लिए डोर टू डोर प्रचार के दौरान कांग्रेस उम्मीदवार संतनु सरमाह।

कोरोना के मामलों ने तोड़ा 111 दिन का रिकॉर्ड, सितंबर के बाद सबसे ज्यादा ऐक्टिव केस

नई दिल्ली । भारत में रोजाना आने वाले कोरोना वायरस के नए मामलों ने शुक्रवार को 111 दिनों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। शुक्रवार को देशभर में कोरोना वायरस के करीब 40 हजार मामले रिपोर्ट हुए। वहीं, देशभर में ऐक्टिव केसों की संख्या बीते साल सितंबर के बाद सबसे ज्यादा है।

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या भी बढ़कर 2.9 लाख हो गई है। टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक, बीते तीन दिनों के अंदर ही ऐक्टिव केसों में 54 हजार का इजाफा हुआ है। वहीं, गुरुवार को देशभर में 19 हजार ऐक्टिव केस बढ़े जो कि 10 सितंबर के बाद एक दिन में सबसे ज्यादा है। बीते साल सितंबर में महामारी अपने चरम पर थी और देशभर में हर दिन 90 हजार मामले आ रहे थे।

देश के 36 राज्य/केंद्रीय शासित प्रदेशों में भी ऐक्टिव केस बढ़ रहे हैं। ऐक्टिव केसों का बढ़ना न सिर्फ संक्रमण के फैलने का संकेत है बल्कि यह आने वाले दिनों में ज्यादा से ज्यादा मौतों की भी वजह बन सकता है। एक दिन में देश के अंदर कोरोना वायरस के 188 मौतें दर्ज की गईं जो कि 14 जनवरी के बाद सबसे ज्यादा है।

भारत में शुक्रवार को कोरोना वायरस के 40 हजार 944 केस दर्ज किए गए जो कि गुरुवार से ज्यादा थे। सात दिन का औसत मामलों में भी 5 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है जो कि महामारी की शुरुआत के बाद से सबसे ज्यादा है।

शुक्रवार को महाराष्ट्र में कोरोना के 25 हजार 681 केस दर्ज किए गए जो कि गुरुवार की तुलना में थोड़ा कम था। सिर्फ मुंबई में ही शुक्रवार को 3 हजार से ज्यादा केस दर्ज हुई जो कि एक दिन के अंदर सबसे ज्यादा मामले हैं। इसके अलावा पंजाब और चंडीगढ़ में बीते साल सितंबर की तुलना में अब तक के सबसे ज्यादा केस दर्ज किए गए हैं। वहीं, कर्नाटक में नवंबर के बाद सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। मध्य प्रदेश में भी दिसंबर के बाद पहली बार एक हजार से ज्यादा केस सामने आए हैं।

सचिन वाझे को ओवर साइज कुर्ता पहनाकर चलवाया, एनआईए ने ऐसे किया अंबानी के घर के बाहर क्राइम सीन रीक्रिएट

मुंबई । मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर विस्फटकों से भरी कार मिलने के मामले में एनआईए की जांच जारी है। एंटीलिया केस की जांच कर रही एनआईए ने शुक्रवार देर रात घटना वाली जगह पर क्राइम सीन को रीक्रिएट किया। इस दौरान एनआईए की टीम निलंबित पुलिस अधिकारीसचिन वाझे को भी साथ ले गई थी, जहां पर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर क्राइम सीन रीक्रिएट किया गया।

एजेंसी के मुताबिक, मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाझे को बड़ा सा कुर्ता पहनाकर उसी जगह पर ले जाया गया, जहां पर विस्फोटक से स्कॉर्पियो कार बरामद हुई थी। इस दौरान मुकेश अंबानी के घर के बाहर भारी संख्या में पुलिसबल की मौजूदगी थी। सचिन वाझे को उसी तरह का ओवर साइज्ड कुर्ता पहनाकर पैदल चलाया गया, जैसा कि वह सीसीटीवी फुटेज में दिखे थे।

इससे पहले एनआईए ने कहा था कि सीसीटीवी फुटेज में सचिन वाझे को अपने सिर को बड़े रूमाल से ढंकते हुए देखा गया था, ताकि कोई उन्हें पहचान न सके। सचिन वाझे ने चेहरे को ढकने के लिए और पहचान जाहिर न हो पाए, इसके लिए एक ओवर साइज़्ड कुर्ता-पायजामा (पजामा) पहना था। एजेंसी ने कहा कि वह पीपीई किट नहीं था। ऐसा इसलिए किया ताकि उनके चाल-चलन और हा-भाव से कोई पहचान न सके।

इधर, जांचकर्ताओं ने शुक्रवार को दावा किया कि सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि 17 फरवरी को निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाजे और हिरन के बीच मुलाकात हुई थी और इसी दिन कारोबारी मनसुख हिरन के पास से स्कॉर्पियो कार चोरी हुई थी। हिरन पांच मार्च को ठाणे में एक नहर के निकट मृत पाए गए थे। उनके परिवार ने उनकी मौत में वाजे की भूमिका होने का आरोप लगाया था।

जिलेटिन की छड़ों से लदी यही स्कॉर्पियो कार 25 फरवरी को उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के निकट खड़ी मिली थी जिसकी जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कर रही है। एक अधिकारी ने बताया कि हिरन की रहस्यमयी मौत से संबंधित मामले की जांच कर रहे आतंकवाद-रोधी दस्ते को दक्षिण मुंबई में छत्रपति

शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) के निकट एक स्थान का सीसीटीवी फुटेज मिला है, जिसमें वाजे और हिरन मर्सिडीज कार में बैठे दिख रहे हैं।

विस्फोटक लदी कार मिलने के मामले की जांच कर रहे राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने वाजे की गिरफ्तारी के बाद, कथित रूप से उनके द्वारा इस्तेमाल की गई वही मर्सिडीज कार जब्त कर ली थी। अधिकारी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि हिरन और वाजे करीब 10 मिनट तक कार में ही बैठे रहे। उन्होंने कहा कि हिरन ने दावा किया था कि 17 फरवरी को जब वह ठाणे में अपने घर से दक्षिण मुंबई की ओर जा रहे थे तो स्कॉर्पियो का स्टीयरिंग जाम हो गया था, इसलिये वह कार को मुलुंद -एरोली सड़क पर छोड़कर कैब से आगे चले गए थे। अगले दिन उनकी एसयूवी लापता हो गई थी।

अधिकारी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में वाजे मर्सिडीज कार से पुलिस आयुक्त के कार्यालय से निकलते दिखे हैं। कार जब छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के बाहर रुकती है तो हिरन उसकी ओर आते दिख रहे हैं। वह कार में बैठते हैं और दस मिनट बाद कार से निकल जाते हैं जबकि वाजे कार चलाकर आयुक्त के कार्यालय चले जाते हैं। सूत्रों ने कहा कि एटीएस को संदेह है कि इस मुलाकात के दौरान ही हिरन ने स्कॉर्पियो की चाबी वाजे को सौंप दी थी।

एनआईए ने अंबानी के घर के निकट एसयूवी खड़ी करने के मामले में कथित भूमिका के लिये 13 मार्च को वाजे को गिरफ्तार कर लिया था। इस सप्ताह की शुरुआत में एनआईए ने कहा था कि उसने सीएसएमटी के निकट पार्किंग में खड़ी काले रंग की मर्सिडीज कार जब्त की है, जिसमें से पांच लाख रुपये, नोट गिनने की मशीन और अपराध में इस्तेमाल किये गए%% कुछ दस्तावेज बरामद किये गए हैं। इस बीच, शुक्रवार को एनआईए के महानिरीक्षक अनिल शुक्ला एवं अधीक्षक विक्रम खलाते ने मुंबई के नवनियुक्त पुलिस आयुक्त हेमंत नागराले से मुलाकात की।

एनआईए के अधिकारियों ने करीब 30 मिनट पुलिस आयुक्त कार्यालय में बिताया। नागराले के पद्भार ग्रहण करने के बाद एनआईए के शीर्ष अधिकारियों की उनसे पहली मुलाकात थी। एनआईए ने मुंबई पुलिस की अपराध खुफिया शाखा के कई अधिकारियों से भी पूछताछ की है जहां पर वाजे तैनात था और अबतक दो मर्सिडीज सहित पांच वाहन जब्त किए हैं। एनआईए की अदालत ने शुक्रवार को वाले के वकील के उस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया जिसमें उन्हें वाजे से एजेंसी की हिरासत में रहने के बावजूद अकेले में मुलाकात करने की अनुमति मांगी थी। वाजे 25 मार्च तक एनआईए की हिरासत में हैं।

आंध्र प्रदेश में दो बच्चों के साथ अप्राकृतिक सेक्स के बाद हत्या करने के आरोप में 19 साल का युवक गिरफ्तार

गुंटुर । आंध्र प्रदेश के गुंटुर में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां 19 साल के एक युवक को एक महीने के अंदर दो लड़कों के यौन शोषण और फिर हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी युवक मनोरोगी है। पुलिस ने यह भी दावा किया है कि आरोपी युवक ने अपने शिकार लड़कों के साथ अप्राकृतिक सेक्स किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मामला गुंटुर जिले के लिए मेलामपुद्दी और वड्डेस्वरम गांवों का है। इसी हफ्ते एक 6 साल का बच्चा मेलामपुद्दी गांव से लापता हो गया था। इसके दो दिन बाद ही उसका शव मिला। बच्चा 14 मार्च को अपने घर के बाहर खेल रहा था और दोपहर करीब 3 बजे वह लापता हुआ।

हालांकि, मृतक बच्चे के परिवार ने पुलिस को बताया कि उन्हें हत्या के पीछे 19 वर्षीय गोपी का हाथ होने की आशंका है। पुलिस का दावा है कि पूछताछ के दौरान युवक ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। युवक ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि उसने बच्चे को बीते हफ्ते अगवा किया और फिर उसे केले के बाग में ले गया। इसके बाद उसने बच्चे का यौन शोषण किया और पीटते-पीटते उसको जान से मार दिया।

पुलिस ने आरोपी से एक अन्य 8 साल के बच्चे को लेकर भी पूछताछ की। यह बच्चा 11 फरवरी से गायब था। आरोपी ने इस बच्चे की हत्या की बात भी कबूल कर ली। गांववालों का कहना है कि आरोपी जब 14 साल का था तब भी उसने अपने एक दोस्त का यौन शोषण किया और हत्या कर उसे बकिंगम नहर में फेंक दिया। उस समय उसके खिलाफ केस इसलिए दर्ज नहीं कराया गयाथा क्योंकि गांववालों का मानना था कि इससे उसका भविष्य बर्बाद हो जाएगा।

कोरोना की दूसरी लहर की आशंका, लापरवाही की तो सख्त कदम उठाएगी सरकार

जयपुर/नई दिल्ली । मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि कोरोना की जीती हुई जंग हम हार नहीं जाएं, इसके लिए जरूरी है कि कोरोना की शुरूआत के समय जो सतर्कता और सजगता हमने बरती उसे हम निरंतर बरकरार रखें। उन्होंने कोरोना की दूसरी लहर की आशंका के मद्देनजर लोगों को चेताते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को लापरवाही की इजाजत नहीं है। प्रदेश में मास्क पहनने की अनिवार्यता का कानून लागू है। सभी लोग इसकी पालना आवश्यक रूप से करें। अगर लोग लापरवाही करेंगे तो सरकार और भी सख्त कदम उठाएगी। श्री गहलोत ने कहा कि हमारी सावधानी ही इस चुनौती से निपटने का सबसे कारगर उपाय है। अब तक हमारा कोरोना प्रबंधन पूरे देश में बेमिसाल रहा है। हर वर्ग के सहयोग से राज्य सरकार आगे भी इस जंग को बेहतरीन तरीके से लड़ेगी।

श्री गहलोत ने 19 मार्च को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोविड-19 को लेकर धर्मगुरूओं, जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, सोशल एक्टिविस्टों तथा गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष जब कोरोना संक्रमण आया तो सभी वर्गों ने आगे बढ़कर इस चुनौती से सामना करने में सहयोग किया। इसी का परिणाम रहा कि राजस्थान कोविड से निपटने में सबसे आगे रहा। यहां रिकवरी दर सबसे अच्छी होने के साथ ही मृत्यु दर काफी कम रही।

कोरोना की दूसरी लहर

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते कुछ दिनों में देश के कई राज्यों में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ा है। राजस्थान में भी पॉजिटिव केस बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर के कारण दुनिया के कई देशों और भारत के कई शहरों में तो फिर से लॉकडाउन लगाना पड़ा है। प्रदेश में ?सी स्थिति नहीं बने और जीवन रक्षा के साथ-साथ हमारी आजीविका सुचारू रूप से चलती रहे, इसके लिए जरूरी है कि हम सोशल डिस्टेसिंग, मास्क पहनने, हाथ धोने जैसे कोविड अनुशासन की आवश्यक रूप से पालना सुनिश्चित करें।

वैक्सीनेशन में सबसे आगे

श्री गहलोत ने कहा कि राजस्थान अब तक वैक्सीनेशन में सबसे आगे रहा है। हमें इस काम को और तेजी से आगे बढ़ाना होगा। हालांकि यह कार्य वैक्सीन की अधिक आपूर्ति से ही संभव हो सकेगा। उन्होंने अपील की कि वैक्सीनेशन के प्रति जागरूकता लाने के लिए सभी अपनी जिम्मेदारी निभाएं। साथ-साथ लोगों को दूसरी लहर को लेकर भी जागरूक करें, ताकि वे किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतें। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने एक बार फिर सभी वर्गों को साथ लेकर इस संकट से निपटने की महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण का वैज्ञानिक विश्लेषण कर उसके अनुरूप कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि इस बीमारी की रोकथाम के साथ-साथ इसके आर्थिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों से बचा जा सके। शिक्षा राज्यमंत्री श्री गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि आमजन को अपने व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है।

गुरुग्राम में मंगलवार को मीट की दुकानें बंद करने पर भड़के ओवैसी, ट्विटर पर यूं फूटा गुस्सा

गुरुग्राम । गुरुग्राम शहर में मंगलवार को मीट की दुकानें बंद करने के फैसले पर एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी भड़क गए हैं। ओवैसी ने एक महिला की ओर से ट्विटर पर किए गए ट्वीट को रि-ट्वीट करते हुए कड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने जवाब में लिखा कि अपनी निजी जिंदगी में कोई क्या कर रहा है, इससे किसी की आस्था को कैसे चोट पहुंच सकती है? इस आधार पर तो शुक्रवार को शराब की दुकानें भी बंद होनी चाहिए। गुरुग्राम में मंगलवार को मीट की दुकानें बंद करने की खबर को वीणा वेणुगोपाल नाम की महिला ने ट्वीट किया था।

बता दें कि गुरुग्राम शहर में सभी मीट की दुकानें मंगलवार को बंद रहेंगी। गुरुग्राम नगर निगम (एमसीजी) ने गुरुवार को हुई सदन की बैठक में यह फैसला लिया गया। कुछ पार्षदों ने बैठक के दौरान धार्मिक भावनाओं का हवाला देते हुए यह मुद्दा उठाया और विचार-विमर्श के बाद प्रस्ताव पास कर दिया गया। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, शहर में 129 लाइसेंसी मीट की दुकानें हैं, जिनमें 150 से अधिक अवैध रूप से चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा नगर निगम, 2008 के प्रावधानों के अनुसार, राज्य भर में किसी भी नगर निगम के पास तत्काल प्रभाव से सप्ताह में एक दिन मीट की दुकानें बंद करने की शक्ति है। अधिकारियों के व्यापक निर्णय के बाद लाइसेंस फीस 5,000 से बढ़ाकर 10,000 तक करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। बैठक के दौरान नगर निगम द्वारा अवैध मीट की दुकानों पर लगाए जाने जुर्माने को 500 से बढ़ाकर 5,000 करने के प्रस्ताव को भी सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

कितनी पीढ़ियों तक जारी रहेगा कोटा सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- 50प्रतिशत की सीमा नहीं रहने पर समानता का क्या मतलब रहेगा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मराठा कोटा मामले की सुनवाई के दौरान शुक्रवार को जानना चाहा कि कितनी पीढ़ियों तक आरक्षण जारी रहेगा। शीर्ष न्यायालय ने 50 प्रतिशत की सीमा हटाए जाने की स्थिति में पैदा होने वाली असमानता को लेकर भी चिंता प्रकट की। महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ से कहा कि कोटा की सीमा तय करने पर मंडल मामले में (शीर्ष न्यायालय के) फैसले पर बदली हुई परिस्थितियों में पुनर्विचार करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि न्यायालयों को बदली हुई परिस्थितियों के मद्देनजर आरक्षण कोटा तय करने की जिम्मेदारी राज्यों पर छोड़ देनी चाहिए

और मंडल मामले से संबंधित फैसला 1931 की जनगणना पर आधारित था। मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने वाले महाराष्ट्र के कानून के पक्ष में दलील देते हुए रोहतगी ने मंडल मामले में फैसले के विभिन्न पहलुओं का हवाला दिया। इस फैसले को इंदिरा साहनी मामला के रूप में भी जाना जाता है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों (ईब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का केंद्र सरकार का फैसला भी 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन करता है। इस पर पीठ ने टिप्पणी की, यदि 50 प्रतिशत की सीमा या कोई सीमा नहीं रहती है, जैसा कि आपने सुझाया है, तब समानता की क्या अवधारणा रह जाएगी। आखिरकार, हमें इससे निपटना होगा। इस पर आपका क्या कहना है...इससे पैदा होने वाली असमानता के बारे में क्या कहना चाहेंगे। आप कितनी पीढ़ियों तक इसे जारी रखेंगे।

पीठ में न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति रविंद्र भट शामिल हैं। रोहतगी ने कहा कि मंडल फैसले पर पुनर्विचार करने की कई वजह है, जो 1931 की जनगणना पर आधारित था। साथ ही, आबादी कई गुना बढ़ा कर 135 करोड़ पहुंच गई है।

पीठ ने कहा कि देश की आजादी के 70 साल गुजर चुके हैं और राय सरकारें कई सारी कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं तथा क्या हम स्वीकार कर सकते हैं कि कोई विकास नहीं हुआ है, कोई पिछड़ी जाति आगे नहीं बढ़ी है। न्यायालय ने यह भी कहा कि मंडल से जुड़े फैसले की समीक्षा करने का यह उद्देश्य भी है कि पिछड़ेपन से जो बाहर निकल चुके हैं, उन्हें अवश्य ही आरक्षण के दायरे से बाहर किया जाना चाहिए।

इस पर रोहतगी ने दलील दी, हां, हम आगे बढ़े हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि पिछड़े वर्ग की संख्या 50 प्रतिशत से घट कर 20 प्रतिशत हो गई है। देश में हम अब भी भूख से मर रहे हैं...मैं यह नहीं कहने की कोशिश कर रहा हूं कि इंदिरा साहनी मामले में फैसला पूरी तरह से गलत था और इसे कूड़ेदान में फेंक दिया जाए। मैं यह मुद्दा उठा रहा हूं कि 30 साल हुए हैं, कानून बदल गया है, आबादी बढ़ गई है, पिछड़े लोगों की संख्या भी बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि ऐसे में जब कई रायों में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक है, तब यह नहीं कहा जा सकता कि यह वलंत मुद्दा नहीं है और 30 साल बाद इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत नहीं है। मामले में बहस बेनतीजा रही और सोमवार को भी दलील पेश की जाएगी।

गौरतलब है कि शीर्ष न्यायालय बंबई उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिसमें राय के शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले और सरकारी नौकरियों में मराठा समुदाय को आरक्षण देने को कायम रखा गया था।

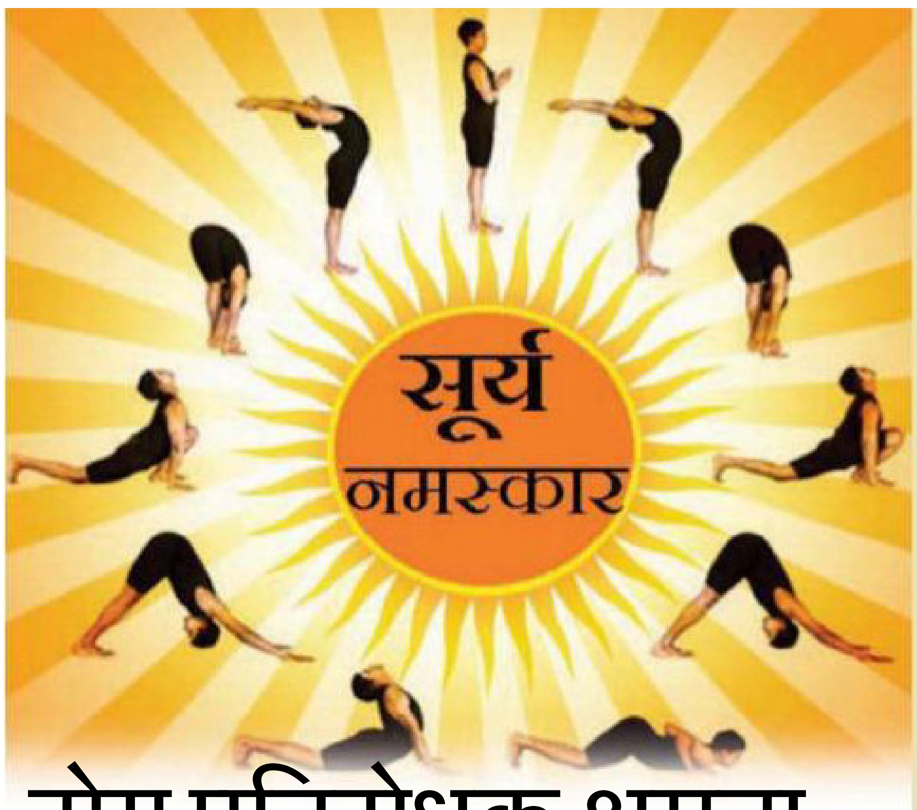

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ानी है तो सीख लीजिए सूर्य नमस्कार

दिन की अच्छी शुरुआत करने के लिए सूर्य नमस्कार सबसे अच्छा व्यायाम है। जिस प्रकार 12 राशियां, 12 महीने होते हैं, उसी प्रकार सूर्य नमस्कार भी 12 स्थितियों से मिलकर बना है। अभी लॉकडाउन का समय चल रहा है, ऐसे समय में आप सूर्य नमस्कार को अपना कर अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं–

सूर्य नमस्कार का अभ्यास इन 12 स्थितियों में किया जाता है, आइए जानें–

दोनों हाथों को जोड़कर सीधे खड़े हों। नेत्र बंद करें। ध्यान 'आज्ञा चक्र' पर केंद्रित करके 'सूर्य भगवान' का आह्वान 'ऊँ मित्राय नमः' मंत्र के द्वारा करें।

श्वास भरते हुए दोनों हाथों को कानों से सटाते हुए ऊपर की ओर तानें तथा भुजाओं और गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं। ध्यान को गर्दन के पीछे 'विशुद्धि चक्र' पर केन्द्रित करें।

तीसरी स्थिति में श्वास को धीरे–धीरे बाहर निकालते हुए आगे की ओर झुकाएं। हाथ गर्दन के साथ, कानों से सटे हुए नीचे जाकर पैरों के दाएं–बाएं पृथ्वी का स्पर्श करें। घुटने सीधे रहें। माथा घुटनों का स्पर्श करता हुआ ध्यान नाभि के पीछे 'मणिपूरक चक्र' पर केन्द्रित करते हुए कुछ क्षण इसी स्थिति में रुकें। कमर एवं रीढ़ के दोष वाले साधक न करें।

इसी स्थिति में श्वास को भरते हुए बाएं पैर को पीछे की ओर ले जाएं। छाती को खींचकर आगे की ओर तानें। गर्दन को अधिक पीछे की ओर झुकाएं। टांग तनी हुई सीधी पीछे की ओर खिंचाव और पैर का पंजा खड़ा हुआ। इस स्थिति में कुछ समय रुकें। ध्यान को 'स्वाधिष्ठान' अथवा 'विशुद्धि चक्र' पर ले जाएं। मुखाकृति सामान्य रखें।

श्वास को धीरे–धीरे बाहर निष्कासित करते हुए दाएं पैर को भी पीछे ले जाएं। दोनों पैरों की एड़ियां परस्पर मिली हुई हों। पीछे की ओर शरीर को खिंचाव दें और एड़ियों को पृथ्वी पर मिलाने का प्रयास करें। नितम्बों को अधिक से अधिक ऊपर उठाएं। गर्दन को नीचे झुकाकर ठोड़ी को कण्ठकूप में लगाएं। ध्यान 'सहस्त्रार चक्र' पर केन्द्रित करने का अभ्यास करें।

श्वास भरते हुए शरीर को पृथ्वी के समानांतर, सीधा साष्टांग दण्डवत करें और पहले घुटने, छाती और माथा पृथ्वी पर लगा दें। नितम्बों को थोड़ा ऊपर उठा दें। श्वास छोड़ दें। ध्यान को 'अनाहत चक्र' पर टिका दें। श्वास की गति सामान्य करें।

इस स्थिति में धीरे–धीरे श्वास को भरते हुए छाती को आगे की ओर खींचते हुए हाथों को सीधे कर दें। गर्दन को पीछे की ओर ले जाएं। घुटने पृथ्वी का स्पर्श करते हुए तथा पैरों के पंजे खड़े रहें। मूलाधार को खींचकर वहीं ध्यान को टिका दें।

यह स्थिति – पांचवीं स्थिति के समान

यह स्थिति – चौथी स्थिति के समान

यह स्थिति– तीसरी स्थिति के समान

यह स्थिति – दूसरी स्थिति के समान

यह स्थिति – पहली स्थिति की भांति रहेगी।

सूर्य नमस्कार की उपरोक्त बारह स्थितियां हमारे शरीर को संपूर्ण अंगों की विकृतियों को दूर करके निरोग बना देती हैं। यह पूरी प्रक्रिया अत्यधिक लाभकारी है। इसके अभ्यासी के हाथों–पैरों के दर्द दूर होकर उनमें सबलता आ जाती है। गर्दन, फेफड़े तथा पसलियों की मांसपेशियां सशक्त हो जाती हैं, शरीर की फालतू चर्बी कम होकर शरीर हल्का–फुल्का हो जाता है।

सूर्य नमस्कार के द्वारा त्वचा रोग समाप्त हो जाते हैं अथवा इनके होने की संभावना समाप्त हो जाती है। इस अभ्यास से कब्ज आदि उदर रोग समाप्त हो जाते हैं और पाचनतंत्र की क्रियाशीलता में वृद्धि हो जाती है। इस अभ्यास के द्वारा हमारे शरीर की छोटी–बड़ी सभी नस–नाड़ियां क्रियाशील हो जाती हैं, इसलिए आलस्य, अतिनिद्रा आदि विकार दूर हो जाते हैं।

मेडिटेशन को करें अपने रूटीन में शामिल और पाएं बेहतरीन फायदे

मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते है, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रूटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 13 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे –

मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।

अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।

दि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।

गुस्सैल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।

निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।

हृदयरोग की रोकथाम के लिए उत्तम औषधि के समान है।

मन की चंचलता को नियंत्रित करता है।

दीर्घायु बनाने में इसकी अहम उपयोगिता है।

शांति, सामर्थ्य, संतोष, शांति, विद्वत्ता और सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है भावातीत ध्यान।

चाहें तो ध्यान के समय कुछ फूल आस–पास रखें, कोई सुगंधित वस्तु का छिड़काव कर दें, अगरबत्ती जला दें।

रात्रि के भोजन से पहले ही ध्यान के लिए बैठें। प्रातःकाल सूर्योदय से पहले ध्यान करें।

ढीले वस्त्र पहनकर ध्यान करें।

महिलाएं यदि चाहें तो भावातीत ध्यान किसी शिक्षक के द्वारा भी सीख सकती हैं। चाहें तो मेडिटेशन सेंटर में भी आप इसे सीख सकती हैं।

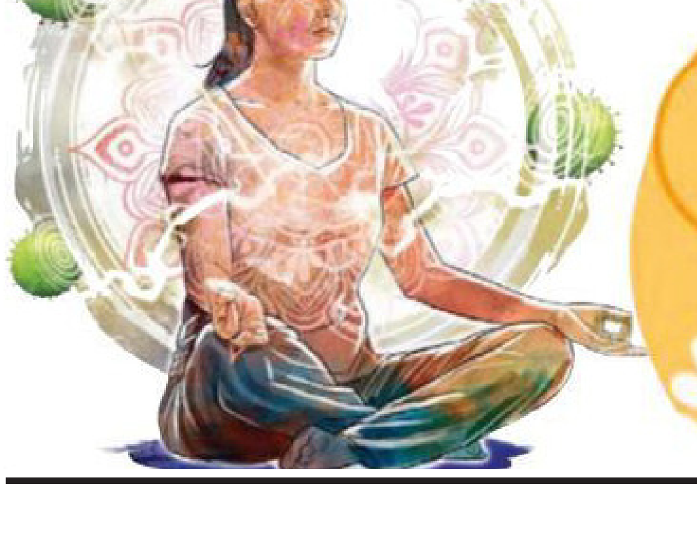

लाइफस्टाइल बदल डाली तो ऐसे बढ़ेगी इम्युनिटी

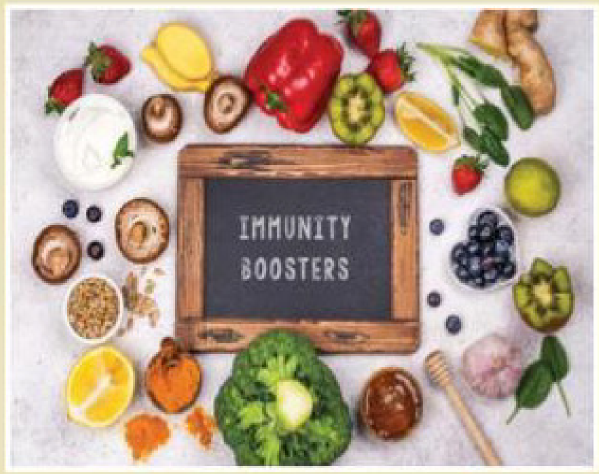

इम्युनिटी कमजोर होने में खराब जीवनशैली का बड़ा हाथ है। यह एक सर्वमान्य सत्य है कि शरीर पर बाहरी माइक्रोऑर्गेनिज्म के होने वाले हमलों के खिलाफ इम्यून सिस्टम पहली डिफेंस लाइन मानी जाती है। जितनी तगड़ी इम्युनिटी होगी उतने ही बीमारी पकड़ने के अवसर क्षीण होते जाएंगे। खराब जीवनशैली से इम्यून सिस्टम की डिफेंस में छेद होने लगता है।

खराब जीवनशैली

यदि आपके पास ठीक से खाना खाने और भरपूर नींद लेने का वक्त नहीं हो तो समझ लें कि आपकी जीवनशैली खराब है जो आपके इम्यून सिस्टम को तेजी से कमजोर कर रही है। यह ठीक है कि आधुनिक जीवनशैली में वर्क प्रेशर इतना अधिक है कि उसका शरीर पर खराब असर पड़ रहा है लेकिन प्रेशर रहने के बावजूद भी स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न किया जा सकता है।

कब हुई थीं सालाना जांचे?

30 साल की उम्र हो जाने के बाद शरीर की नियमित जांचें कराना बेहद जरूरी है। इन दिनों अत्यधिक तनाव झेलने के कारण कम उम्र में ही हाई ब्लड प्रेशर अथवा शुगर की बीमारियां जड़ पकड़ लेती हैं। यह देखा गया है कि शुरूआती जांचों में ही कई बार लंबी बीमारियों की जड़ पकड़ में आ जाती है।

टाइम निकालें

खुद के लिए समय निकालें। यदि काम के घंटे फिक्स नहीं हैं तो वर्क स्टेशन को ही वर्कआउट के लिए सेट कर लें। काम के दौरान थोड़ी–थोड़ी देर में ब्रेक लेते रहें और शारीरिक गतिविधियां बढ़ा दें। मसलन आप स्पॉट रनिंग कर सकते हैं, स्ट्रेचिंग कर सकते हैं, वाशरूम तक तेज गति से जाकर वापस आ सकते हैं। वर्क स्टेशन एक्सरसाइज के बारे में जानने के लिए कई वेबसाइट्स हैं जो कई तरह के सॉल्युशन्स उपलब्ध कराती हैं।

पानी कब पिया था?

क्या आपको याद कि अंतिम बार आपने पानी कब पिया था? पानी न सिर्फ हाईड्रेट रखता है बल्कि हाजमा और किडनी दोनों को तंदुरुस्त रखता है। इम्यून सिस्टम ठीक से काम करता रहे इसके लिए जरूरी है कि हाजमा ठीक रहे। मेटॉबॉलिक सिस्टम के बिगड़ते ही शरीर का हर अवयव और उसकी कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

ये बदलाव लाएं जीवनशैली में

लाइफस्टाइल को दुरूस्त कर लेना आपके लिए बिलकुल आसान है लेकिन इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। आपको केवल ठान लेना है बाकि सभी चीजें अपने आप ठीक होने लगती हैं। आप इतना तो कर ही सकते हैं कि सुबह जब भी आप उठते हैं, एक गिलास कुनकुना नींबू पानी पीकर दिन की शुरूआत कर सकते हैं। यदि आप रोज देर से उठ रहे हैं तो काम के घंटों के साथ एडजेस्ट कर सकते हैं। नींबू पानी के साथ ताजे आंवले का रस मिल सके तो पी लें नहीं तो बाजार से आंवले के रस का पैक भी खरीद कर रख सकते हैं। संतरे का रस अथवा आंवले के रस से विटामिन सी का तगड़ा डोज सुबह उठते ही मिल जाए तो दिन की अच्छी शुरूआत मानी जा सकती है। अपने भोजन में अदरक और हल्दी को विशेष रूप से शामिल करने का आग्रह करें। इससे असमय सोने के कारण होने वाली एसिडिसी एवं जलन से राहत मिल सकती है।

गोल्डन मिल्क

रात को सोते समय हल्दी मिला हुआ दूध जरूर पिएं। जो लोग रात को जागते रहकर काम करते हैं उन्हें यह दूध खासतौर पर पीना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें जागने के कारण होने वाली समस्याओं से निजात पाने में मदद मिलती है।

एंटीबायोटिक ज्यादा लेने से कमजोर हो सकती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

जब भी हमें छोटी–मोटी सेहत समस्या, हल्का सा दर्द व घाव आदि होता है तो हमारा शरीर उसे अपने आप ठीक करने में भी सक्षम होता है। लेकिन कई लोग जरा सी भी परेशानी होने पर अत्यधिक एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से है तो आइए, आपको बताते हैं कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर होने से बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए

एंटीबायोटिक – हममें से कई लोगों की आदत होती है, एंटीबायोटिक्स दवाओं का अत्यधिक सेवन करना। लेकिन गैरजरूरी समय पर इनका सेवन करने से आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है। अत्यधिक जरूरत के समय ही एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करें।

औषधियां – जब भी आप वायरल या शारीरिक दर्द महसूस करें, ऐसी आयुर्वेदिक या घरेलू औषधि अपने साथ रखें जो प्रतिरोधकता बनाए रखती हैं।

नींद – पर्याप्त नींद न होना आपके दिमाग और शरीर को बेवजह थकावट देता है और आपकी प्रतिरोधकता भी कम होती है। हर दिन 8 घंटे की नींद आपको स्वस्थ और खुशगवार रखने में सहायक है।

शुगर – शकर खाने से मनाही नहीं है, लेकिन अतिरिक्त शर्करा से भरे खाद्य पदार्थ जैसे सोडा, एनर्जी ड्रिंक, जूस व अन्य पदार्थों से दूरी बनाएं। यह आपकी सेहत का पूरा हिसाब गड़बड़ कर देंगे, और प्रतिरोधकता में कमी भी।

धूप है जरूरी – त्वचा को अगर धूप से बचाते हैं, तो विटामिन डी की कमी हो सकती है। बल्कि धूप लेना प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए पर्याप्त धूप लेने का नियम बनाएं।

जिंक – जिंक की पर्याप्त मात्रा का सेवन भी प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने का एक बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए अलग से जिंक की गोलियां खाने के बजाए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जिनसे आपको नैचुरल जिंक प्राप्त हो।

पत्तेदार सब्जियां – पत्तेदार सब्जियां या फिर सलाद जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन खूब करें। इनसे प्राप्त होने वाले एंजाइम्स आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करते हैं और हर तरह का पोषण प्रदान करते हैं, जिसकी आपको जरूरत है।

गर्म पानी के साथ लहसुन के फायदे

खाने के स्वाद को बढ़ाने तथा सब्जी व दाल में तड़का लगाने में लहसुन का प्रयोग आप खूब करते हैं। लहसुन जहां भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, वहीं इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत भी देते हैं। लहसुन हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जो हमारे शरीर को अंदर से मजबूत रखता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। वहीं अगर हम लहसुन को गर्म पानी के साथ लें तो यह हमारे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है और कई बीमारियों से निपटने की ताकत देता है।

कब्ज की समस्या से राहत

यदि आप कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो इससे राहत पाने के लिए आप गर्म पानी के साथ कच्ची लहसुन का सेवन करें। यह पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करता करेगा और कब्ज की समस्या दूर होगी।

एंटी बैक्टीरियल व एंटीवायरल से भरपूर

बदलते मौसम का असर आपकी सेहत पर पड़ता है, वहीं बारिश के दिनों में यदि आप गर्म पानी के साथ लहसुन का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। इसके साथ–साथ लहसुन में मौजूद बैक्टीरिया में वायरस मारने के गुण हैं। बारिश के दिनों में होने वाले फंगल संक्रमण, फ्लू और संक्रामक बीमारियों के खतरे से भी ये आपके शरीर को बचाए रखेंगे।

ब्लड सर्कुलेशन को करे मेंटेन

गर्म पानी के साथ कच्चे लहसुन का सेवन करने से दिल से जुड़ीं बीमारियों से बचे रहने में मदद मिलती है। यह ब्लड सर्कुलेशन को मेंटेन करके हृदयरोग के खतरे को भी कई गुना तक कम कर सकता है।

गले की खराश से राहत

लहसुन में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की खराश को दूर करता है।

जापान की यामागुची को हरा कर पीवी सिंधू सेमीफाइनल में

बर्मिंघम, 20 मार्च (एजेंसियां)। विश्व विजेता पीवी सिंधू ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को हराकर ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पीवी सिंधू ने यहां शुक्रवार को एक घंटे 16 मिनट तक खेले गए महिला एकल के क्वॉर्टर फाइनल में जापान की विश्व की नंबर पांच बैडमिंटन खिलाड़ी अकाने यामागुची को हराया। सिंधू ने पहला सेट 16-21 से हारने के बाद मैच में जबरदस्त वापसी की और दूसरे सेट में 21-16 से बढ़त बनाई। इसके बाद तीसरे और आखिरी सेट में कड़ी टक्कर हुई और सिंधू ने 21-19 से जीत हासिल की। वर्ष 2018 के बाद सिंधू का यह दूसरा ऑल इंग्लैंड ओपन सेमीफाइनल होगा। पीवी सिंधू ने मैच के बाद कहा, अगर सच में कहूं तो आज का मैच मुश्किल और लंबा मैच था, लेकिन मेरे लिए अच्छा था। पहले गेम में मैं काफी गलतियां कर रही थी और गलत शॉट खेल रही थी, क्योंकि मैं हवा की विपरीत दिशा में थी। दूसरा गेम मेरे पक्ष में था। दूसरे गेम में वापसी करना करना महत्वपूर्ण था। तीसरा गेम भी बहुत महत्वपूर्ण था। मेरे कोच बहुत मदद की, वह सुनिश्चित कर रहे थे कि मैं शटल को अच्छी तरह से नियंत्रित करूं।

ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप

रोहित व विराट ने जड़े अर्धशतक

भारत ने जीता निर्णायक मुकाबला

इंग्लैंड को पांचवे मुकाबले में 36 रन से हराया

भारत ने 5 टी-मैचों की श्रृंखला 3-2 से जीती

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा (64) और विराट कोहली (नाबाद 80) के आक्रामक अर्धशतकों से भारत ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम टी-20 मुकाबले में शनिवार को 36 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 3-2 से जीत ली।

भारत ने 20 ओवर में दो विकेट पर 224 रन का विशाल स्कोर बनाया जो नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इस सीरीज का सबसे बड़ा स्कोर है। भारत के इस विशाल स्कोर के सामने इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 188 रन ही बना सकी। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। लेकिन रोहित के साथ मैदान में उतरे विराट ने इस बार समां बांध दिया। रोहित ने 34 गेंदों पर 64 रन में चार चौके और पांच छक्के लगाए जबकि विराट ने 52 गेंदों पर 80 रन में सात चौके और दो छक्के लगाए। सूर्यकुमार ने मात्र 17 गेंदों पर 32 रन में तीन चौके और दो छक्के लगाए जबकिआलराउंडर हार्दिक पांड्या ने मात्र 17 गेंदों पर 39 रन में चार चौके और दो छक्के लगाए। रोहित और विराट ने पहले विकेट के लिए नौ ओवर में 94 रन ठोक डाले।

स्टोक्स ने रोहित को बोल्ड कर इस खतरनाक होती साझेदारी को रोका लेकिन फिर विराट ने इसके बाद सूर्य के साथ दूसरे विकेट के लिए 49 रन जोड़ डाले। विराट ने इसके बाद पांड्या के साथ तीसरे विकेट की अविजित साझेदारी में 81 रन जोड़कर इंग्लैंड की खतरनाक गेंदबाजी का धुंआ निकाल दिया। विराट पहले की दो साझेदारी में शांत रहे लेकिन आखिरी साझेदारी में उन्होंने खुलकर अपने तेवर दिखाए और कुछ बेहतरीन शॉट खेले। भारत के 224 रन इस सीरीज का विशाल स्कोर साबित हुआ। इंग्लैंड की तरफ से उसके दो प्रमुख तेज गेंदबाज मार्क वुड और क्रिस जॉर्डन काफी महंगे साबित हुए। वुड और जॉर्डन क्रमश: 53 और 57 रन देकर कोई विकेट हासिल नहीं कर पाए। लेग स्पिनर आदिल राशिद को 31 रन पर एक विकेट और बेन स्टोक्स को तीन ओवर में 26 रन देकर एक विकेट मिला।

भारत से मिले 225 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। टीम का खाता भी नहीं खुला था कि भुवनेश्वर कुमार ने जेसन रॉय (0) को बोल्ड कर दिया।

हालांकि इसके बाद जोस बटलर (52) और दुनिया के नंबर-1 टी20 बल्लेबाज डेविड मलान (68) ने दूसरे विकेट के लिए मात्र 82 गेंदों पर ही 130 रनों की शतकीय साझेदारी करके इंग्लैंड की स्थिति मजबूत कर दी। ऐसा लग रहा था कि बटलर और मलान की जोड़ी ही मेहमान टीम को जीत और सीरीज दिला देगी। लेकिन तभी भुवनेश्वर ने एक बार फिर से भारत को विकेट दिलाकर उसे मैच में वापस ला दिया।

संक्षिप्त स्कोर

भारत : 20 ओवर में 2 विकेट पर 224 रन

इंग्लैंड : 20 ओवर में 8 विकेट पर 188 रन

न्यूजीलैंड की बांग्लादेश पर बड़ी जीत

पहले वनडे में 8 विकेट से हराया

ट्रेंट बाउल्ट ने 4 विकेट झटके

डुनेडिन, 20 मार्च (एजेंसियां)। ट्रेंट बाउल्ट के नेतृत्व में अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां यूनिवर्सिटी ओवल मैदान पर खेले गए पहले वनडे मुकाबले में बांग्लादेश को 8 विकेट से हरा दिया।

डुनेडिन वनडे

कीवी टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और कोरोना काल के दौरान पहली बार अपने घर से बाहर खेल रही मेहमान टीम को 41.5 ओवरों में 131 रनों पर ऑलआउट कर दिया। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद महमुदुल्लाह ने सबसे अधिक 27 रन बनाए। इसके अलावा मुशफिकुर रहीम ने 23, लिटन दास ने 19 रन बनाए। कप्तान तमीम इकबाल 13 रन ही बना सके। इसका कारण यह रहा कि ट्रेंट बाउल्ट के नेतृत्व में सभी कीवी गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन किया। बाउल्ट ने जहां 27 रन देकर चार विकेट लिए वहीं जेम्स नीशम और मिशेल सैंटनर दो-दो विकेट लिए। जवाब में मेजबान टीम ने 21.2 ओवरो में दो विकेट के नुकसान पर 132 रन बनाकर मैच जीत लिया। मार्टिन गुपटिल ने 19 गेंदों पर चार छक्कों और तीन चौकों की मदद से 38 रन बनाए जबकि हैनरी निकोल्स 53 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 49 रन बनाकर नाबाद रहे। कीवी टीम ने डेवोन कानवे (27) और गुपटिल के विकेट गंवाए। विल यंग 11 रनों पर नाबाद लौटे। बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद और तास्कीन अहमद ने एक-एक सफलता हासिल की। कप्तान तमीम इकबाल ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर निराशा जाहिर की। तमीम ने कहा, बहुत से विकेट हमारी कमियों से गिरे। हम अपनी बल्लेबाजी में बहुत गर्व करते हैं, जो क्लिक नहीं कर सका। आशा है कि हम गलतियों से सीख हासिल करेंगे और अपने प्रदर्शन में सुधार करेंगे।

संक्षिप्त स्कोर

बांग्लादेश : 41.5 ओवर में 131 रन पर ऑलआउट

न्यूजीलैंड : 21.2 ओवर में दो विकेट पर 132 रन

हम इसी तरह खेलते रहे तो इंडिया लीजेंड्स को हरा देंगे : दिलशान

रायपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंका लीजेंड्स टीम के कप्तान तिलकरत्ने दिलशान का मानना है कि उनकी टीम रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में अच्छा खेल रही है और अगर उसने अपना मौजूदा फॉर्म रविवार को भी जारी रखा तो वह टूर्नामेंट के पहले संस्करण के फाइनल में इंडिया लीजेंड्स को आसान से हरा देगी। श्रीलंका की टीम ने शुक्रवार को यहां के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स को 8 विकेट से हराकर फाइनल खेलने का गौरव हासलि किया है। सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में खेल रही भारतीय टीम वेस्टइंडीज को 8 रनों से हराकर फाइनल में पहुंची है। फाइनल 21 मार्च को खेला जाएगा। मैच के बाद दिलशान ने कहा, टॉस वास्तव में महत्वपूर्ण है। हमारे पास मजबूत बल्लेबाजी है, इसलिए हम कुल किसी भी योग का पीछा करने में सक्षम हैं। हम सभी विभागों में अच्छा कर रहे हैं, उम्मीद है कि हम दो दिन बाद भी ऐसा ही प्रदर्शन करेंगे। भारत वास्तव में अच्छा खेल रहा है। अगर हम फाइनल में क्रिकेट के इस ब्रांड को जारी रख सकते हैं, तो मुझे लगता है कि हम भारत को हरा सकते हैं। दिलशान ने कहा कि श्रीलंक में भी इस टूर्नामेंट और इस टीम को काफी प्यार और समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा, हमारी टीम का हर सदस्य अपने समय का आनंद यहां ले रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मुक्केबाजी : निकहत व गौरव ने जीता कांस्य

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज निकहत जरीन (51 किग्रा) और गौरव सोलंकी (57 किग्रा) को तुर्की के बोस्फोरस बॉक्सिंग टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में हार के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। एशियाई चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता निकहत, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल में रूस की विश्व चैंपियन पल्टसेवा एकातेरिना और क्वार्टर फाइनल में दो बार के विश्व चैंपियन नाजीम काजीबे को हराया था, सेमीफाइनल में तुर्की की 2019 विश्व चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता बुसेनाज काकीरोग्लू से 0-5 से हार गईं। इस बीच, राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता गौरव सोलंकी, जिन्होंने पिछले दौर में प्रभावशाली जीत दर्ज की थी, अर्जेंटीना के नार्को कुएल्लो का सामना कर रहे थे। गौरव ने कड़ा संघर्ष किया और शुरू से ही अपनी आक्रमण क्षमता का प्रदर्शन किया लेकिन अंतिम क्षणों में विपक्षी के घूसों से वह अपना बचाव नहीं कर सके और यह मुकाबला 0-5 से हार गए।

प्रीमियर लीग में लीडस युनाइटेड ने फुल्हम को दी मात

लंदन। लीडस युनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खेले गए मुकाबले में फुल्हम को 2-1 से हरा दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में लीडस युनाइटेड के लिए पैट्रिक बाम्फोर्ड ने 29वें और राफिन्हा ने 58वें मिनट में गोल दागे। वहीं, फुल्हम के लिए एंडरसन ने 38वें मिनट में एकमात्र गोल किया। इस मुकाबले में लीडस के दो गोल को अयोग्य घोषित किया गया। बाम्फोर्ड का लीग में इस सीजन में यह 14वां गोल है। लीग में इस सीजन में सर्वाधिक गोल करने के मामले में अब वह हैरी केन से ही पीछे हैं।

हरियाणा की पहलवानों का पहले दिन दबदबा, जीते 6 स्वर्ण

बेल्लारी (कर्नाटक)। हरियाणा के पहलवानों ने सब-जूनियर (कैडेट) लड़कियों और जूनियर महिला राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप के उद्घाटन दिवस पर अपना दबदबा कायम रखते हुए शुक्रवार को यहां सात में से छह स्वर्ण पदक जीते। 26 इकाइयों के 500 से अधिक पहलवान आईआईएस के कॉम्बैट स्पोर्ट सेंटर में तीन मैट पर देश के शीर्ष आयु वर्ग के टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में 20 भार वर्ग में पहलवान प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस आयोजन में शामिल होने वाले पहलवानों में कैडेट विश्व चैंपियन कोमल, दिल्ली से युवा ओलंपिक रजत पदक विजेता सिमरन, और हरियाणा की पूर्व कैडेट विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता सोनिका हुड्डा शामिल हैं।

वेस्टइंडीज ने अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी करने की बोली प्रक्रिया शुरू की

सेंट जॉन (एंटिगा), 20 मार्च (एजेंसियां)। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने तीन कैरेबियाई देशों को चुनने के लिए एक क्षेत्रीय बोली प्रक्रिया की घोषणा की है जो आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी करेगा। यह पहली बार होगा जब वेस्टइंडीज टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। 2022 की शुरूआत में होने वाले और करीब एक महीने तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेगी। देशों से कहा गया है कि वे पर्याप्त मैच और प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करके, मैचों का आयोजन करने की क्षमता प्रदर्शित करें, आयोजन स्थल का निरीक्षण करें, आव्रजन, सीमा शुल्क, चिकित्सा और सुरक्षा सहायता प्रदान करें। मेजबान द्वीप राष्ट्रों की घोषणा सहित पूरी प्रक्रिया, अगले महीने में होने की उम्मीद है।

16 टीमें सुपर लीग चरण में आठ स्थानों के लिए भिड़ेंगी जबकि बाकी आठ टीमें प्लेट डिवीजन में खेलेंगी। बांग्लादेश अंडर 19 विश्व कप की मौजूदा चैंपियन है। उसने फाइनल में भारत को तीन विकेट से हराकर 2020 में खिताब जीता था। भारत ने चार बार 2000, 2008, 2012 और 2018 में यह खिताब जीता है।

परिवार के साथ समय बिताने के लिए जोकोविच ने छोड़ा मियामी ओपन

बेलग्रेड, 20 मार्च (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच इस साल के मियामी ओपन में नहीं खेलेंगे क्योंकि वह कोविड -19 प्रतिबंधों के बीच अपने परिवार के साथ समय बिताना चाह रहे हैं। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी ने अपने ट्विटर हैंडल पर यह घोषणा की है।

जोकोविच लिखते हैं, प्रिय प्रशंसकों, मुझे यह घोषणा करने का बहुत खेद है कि इस वर्ष मैं प्रतिस्पर्धा करने के लिए मियामी की यात्रा नहीं करूंगा। मैंने अपने परिवार के साथ रहने के लिए घर पर इस कीमती समय का उपयोग करने का फैसला किया है। सभी प्रतिबंधों के साथ, मुझे अपने अंदर संतुलन तलाशने की जरूरत है। 33 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में छह बार के चैंपियन हैं, जहां उन्होंने 2007, 2011-12 और 2014-16 में खिताब जीता है। टूर्नामेंट में छह खिताब जीतने वाले एकमात्र अन्य खिलाड़ी पूर्व विश्व नंबर-1 आंद्रे अगासी हैं। जोकोविच का इवेंट में 44-7 का रिकॉर्ड है, जिसमें उन्होंने 13 बार हिस्सा लिया है। मियामी ओपन टूर्नामेंट के निदेशक जेम्स ब्लैक ने कहा, यह हर किसी के लिए एक कठिन वर्ष रहा है, लेकिन विशेष रूप से परिवार वाले खिलाड़ियों के लिए। पिता के रूप में, मुझे पता है कि आपके बच्चों के साथ समय बिताना कितना महत्वपूर्ण है। उम्मीद है, हम अगले साल जोकोविच का फिर स्वागत कर सकेंगे। जोकोविच ने 2021 में खेले गए सभी नौ मैच जीते हैं, जिसमें उनका नौवां ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब भी शामिल है। फरवरी में मेलबर्न पार्क में चैंपियनशिप मैच में जोकोविच ने डेनियल मेदवेदेव को सीधे सेटों में हराया था।

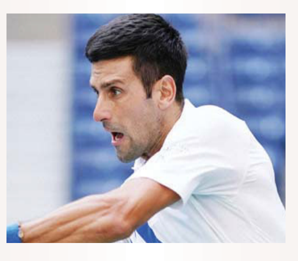

पंवार ने 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य जीता

निशानेबाजी विश्व कप

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। दिव्यांश पंवार ने यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में जारी इस इवेंट में पंवार के पदक के साथ भारत का खाता खुला। दिव्यांश को फाइनल में 228.1 का स्कोर मिला। अमेरिका के लुकास कोजेनस्की ने 249.8 स्कोर के साथ स्वर्ण जीता जबकि हंगरी के इस्तवान पेनी 249.1 के साथ दूसरे स्थान पर रहे। आठ खिलाड़ियों के फाइनल में भारत के अन्य प्रतियोगी, अर्जुन बाबूटा 185.5 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहे। शुक्रवार को 60 शॉट के क्वालीफिकेशन राउंड में, ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले किशोर निशानेबाज पंवार ने 629.1 अंक हासिल कर छठा स्थान हासिल किया था। 22 वर्षीय बबूटा ने तीसरा स्थान अर्जित करने के लिए 631.8 अंक जुटाए।

भारतीय शैली की कुश्ती को मिली खेल मंत्रालय की मान्यता

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय शैली के भारतीय कुश्ती संघ को खेल मंत्रालय से मान्यता मिल गई है और अब यह कुश्ती संघ ओलंपिक में उतरने के लिए दावेदारी कर सकता है।

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष नफे सिंह राठी ने अपने महासचिव गौरव सचदेवा के साथ शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना महामारी के कारण न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में मानव जीवन और खेल गतिविधियों पर विराम लग गया था। कोरोना ने इस बीच हमारे स्वर्गीय रोशन लाल (द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता) एवं पूर्व महासचिव भारतीय शैली कुश्ती महासंघ जैसे विशेष व्यक्ति को हमारे बीच से छीन लिया जो भारतीय शैली कुश्ती के रचनाकार और प्रवर्तक थे तथा जिनके जाने से कुश्ती के एक युग का अंत हो गया, जिनकी भरपाई कभी नहीं की जा सकेगी। नफे सिंह राठी ने कहा, 'आज हम उनके (रोशन लाल) द्वारा कुश्ती के लिए किए गए अद्भुत प्रयासों को श्रद्धांजलि देते हैं और उनके द्वारा आरंभ किए गए अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए कृत संकल्प हैं।'

फुटबॉल | *भगवान बुद्ध से बेहद प्रभावित हैं फुटबॉलर आकाश मिश्रा*

कोच स्टीमैक से भी धैर्य सीखने की जरूरत : मिश्रा

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसी)। किसान के घर में जन्मे नौजवान फुटबॉलर आकाश मिश्रा को सीनियर भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के शिविर में बुलाए जाने पर बलरामपुर, उत्तर प्रदेश में उनके गांव में जश्न का माहौल है। आकाश मिश्रा का गांव उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती से महज 20 किलोमीटर के फासले पर हैं। श्रावस्ती में भगवान गौतम बुद्ध का मंदिर भी है और कहा जाता है कि वहां उन्होंने जीवन के बहुत वर्ष बिताए। वहीं गौतम बुद्ध अपने अनुयायियों को संदेश देते थें।

राप्ति नदी के किनारे स्थित श्रावस्ती में ही बौद्ध भिक्षु ध्यान मग्न होकर भगवान बुद्ध की राह पर शांति का पाठ करते नजर आते हैं। आकाश मिश्रा का कहना है कि उनके जीवन पर भगवान बुद्ध का बहुत प्रभाव है। साथ ही आकाश कोच स्टीमैक से भी खासे प्रभावित हैं और उनसे धैर्य सीखने की जरूरत बताते हैं।

नौजवान आकाश मिश्रा कहते हैं, 'श्रावस्ती मेरे गांव से महज 20 किलोमीटर दूर है। हमारे गांव से हर बच्चा स्कूल से पहली बार बाहर दौरे पर श्रावस्ती ही जाता है। भगवान बुद्ध की सीख और उनके सिखाए पाठ श्रावस्ती में हर जगह अंकित हैं। आप जब श्रावस्ती में होते हैं तो आपको एक अनूठा ही अहसास होता है। हर जगह आप शांति महसूस करते हैं । इस लिहाज से आप कह सकते हैं कि भगवान बुद्ध की शांति ने मुझे बेहद प्रभावित भी किया और ताकत भी दी। वह कहते हैं, 'राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का शिविर क्लब के ढांचे से एकदम अलग है और इसका स्तर उससे ऊपर है। राष्ट्रीय टीम किसी भी देश का सर्वश्रेष्ठ प्रारूप है। भारत जैसे बड़ी आबादी वाले मुल्क से सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलरों को ही राष्ट्रीय शिविर के लिए बुलावा आता है। सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल शिविर में बढिया खिलाड़ी ही अंतिम 23 में जगह बना पाते हैं । इनमें से अंतिम 11 में जगह बनाने के लिए अत्यंत कड़ा संघर्ष होता है लेकिन यह स्वस्थ प्रतिद्वंद्विता भी है। सामान्य से अभ्यास सत्र में भी आपको अपनी क्षमता से ज्यादा देना होता है अन्यथा कोई दूसरा आपकी जगह ले लेगा। आपको अपनी जगह हासिल करनी पड़ती है। आकाश मिश्रा कहते हैं, 'मैं खुशकिस्मत हूं कि फ्रांस, स्लोवानिया, क्रोआशिया और कई देशों की अंडर -19 टीम के खिलाफ खेला। मिश्रा कहते हैं, 'यदि मैं इंडियन एरोज में न खेला होता तो मैं न तो हैदराबाद एफसी में खेल पाता और इसके बाद न ही राष्ट्रीय टीम में। फुटबॉल की बारीकियां और पेशेवर फुटबॉल की ओर कदम बढ़ाना हमने इंडियन एरोज में ही सीखा। जहां तक चीफ कोच इगोर स्टीमैक की बात है तो जहां तक मैं जिस बात से मैं बहुत प्रभावित हुआ वह यह कि वह बहुत धैर्यवान हैं और उनकी फुटबॉल की समझ बहुत अच्छी है।

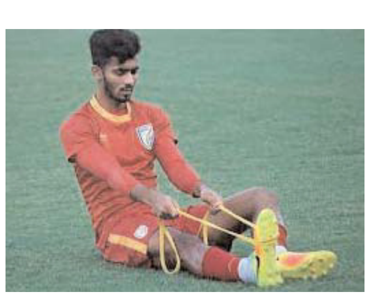

'एरोज में न खेला होता तो मैं न तो हैदराबाद एफसी में खेल पाता , न ही राष्ट्रीय टीम में'